खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 30 नवंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-327

असली 'अपराधी' कौन?

महेश बैंक चुनाव 2025

एपी महेश कोआपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड, हैदराबाद (महेश बैंक) इन दिनों अपने निदेशक मंडल 2025-2030 के चुनाव को लेकर काफी चर्चा में है। इस बार चुनाव का मुख्य मुद्दा भ्रष्टाचार है। जहाँ एक ओर निवर्तमान चेयरमैन श्री रमेश कुमार बंग और उनकी टीम (संस्थापक पैनल) पर विपक्षी फाउंडर पैनल अनगिनत अनियमिताओं के आरोप लगाकर उन्हें अपराधी ठहरा रहा हैं, वहीं संस्थापक पैनल आरोप लगाने वालों को ही कटघरे में खडा करने पर तुला हैं। दरअसल, 2020 के चुनाव में बंग पैनल ने लगातार दूसरी बार बडी सफलता अर्जित करते हुए न केवल विपक्ष को धूल चटा दी थी, बल्कि फाउंडर पैनल को वोट चोरी जैसे आरोप लगाकर अपनी हार से मुँह छिपाने का बहाना तलाशने को मजबूर होना पडा। 10-5 का स्कोर सम्मानजनक तो था, किन्तु शासन करने लायक नहीं था। संभवतः इसी खीज ने फाउंडर पैनल को गलत राह चुनने के लिए प्रेरित किया और इस पैनल की सर्वेसर्वा श्रीमती भगवती देवी बल्दवा ने बैंक हित, समाज हित में अंशधारकों के फैसले को शिरोधार्य करने के बजाये टकराव का रास्ता चुना।

समाज की इस सबसे लाडली बेटी, सफल महिला उद्यमी और मर्यादित जीवन से हजारों को प्रेरित करने वाली ओजस्वी वक्ता पर आरोप है कि इन्होंने महेश बैंक को ऐसे मझधार में लाकर छोड़ दिया, जहाँ से अब कोई चमत्कार ही इसे बचा सकता है। सर्वविदित है कि फाउंडर पैनल ने ही श्रीमती बल्दवा के राजनीतिक रसूख का लाभ उठाकर महेश बैंक के निदेशक मंडल को नीतिगत निर्णय लेने से रोककर महापाप किया। इतना ही नहीं कथित रूप से केन्द्रीय स्तर पर बार-बार शिकायत कर बैंक पर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) का छापा डलवाया और बैंक की साख मटियामेट कर दी। बिना शिकायत के तो जाँच नहीं होती। यहाँ तक तो फिर भी ठीक था, हद तो अब हो रही है कि इसी ईडी की जारी जाँच की प्रेस रिलीज का सहारा लेकर खुलेआम जनसभाओं और सोशल मीडिया पर आरोपियों को अपराधी ठहराने की बेशर्म कोशिश हो रही हैं। सभी जानते हैं कि ईडी जाँच जब तक पूरी नहीं हो जाती और दूध का दूध, पानी का पानी नहीं हो जाता, तब तक आप किसी को अपराधी कहने का अधिकार नहीं रखते।

वर्ष 2005 के चुनाव में भी 10-5 का आँकडा आया था और संस्थापक पैनल ने श्रीमती पुष्पा बूब को विपक्षी पैनल से होने के बावजूद वाईस चेयरमैन पद सौंपकर सामूहिक जिम्मेदारी की स्थापित परंपरा का निर्वाह किया था, लेकिन दुर्भाग्यवश 2020 में ऐसा हो न सका, जिसका खामियाजा सबको भुगतना पड रहा है। जो बैंक 765.89 प्रतिशत की वृद्धि दर से 2020 तक विकास की नित नई ऊँचाइयाँ छू रहा था, उसे किसकी बुरी नजर लग गयी कि वह धडाम से औंधे मुँह गिर पडा।

कारोबार 4450 करोड से सीधे घटकर 2700 तक आ गया। समाज को तो 2020 के नतीजे देखकर ऐसा लगा था कि उसने सही लोगों को चुन कर भेजा। उसे उम्मीद थी कि चुनाव के बाद दलगत राजनीती से ऊपर उठकर दोनों ही सिर्फ बैंक हित में उनसे जो भी अच्छा होगा, वो कार्य करेंगे। अफसोस है कि बैंक के साथ घोर अन्याय हुआ और इसे न्याय तभी मिलेगा, जब दोनों ही गुट ये शपथ लें कि वे अपने स्वार्थ के लिए नहीं वरन् बैंक की निरंतर उन्नति के लिए ही कार्य करेंगे। चुनाव में जो भी जीतेगा, वह निदेशक मंडल का सदस्य होगा, न कि किसी पैनल विशेष का उम्मीदवार। पैनलबाजी और पैंतरेबाजी अंशधारकों की नजर में किसी अपराध से कम नहीं।

चक्रवात दित्वाह से तबाही: दक्षिण भारत में बारिश और तूफान का कहर, उड़ानें रद्द, श्रीलंका में भी हाई अलर्ट

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)।

चक्रवात दित्वाह तेजी से दक्षिण भारत की ओर बढ़ रहा है और इसके असर से तमिलनाडु, पुड्डुचेरी और आंध्र प्रदेश में भारी बारिश और तेज हवाएं चल रही हैं। मौसम विभाग ने अगले 4 दिनों तक भारी से बहुत भारी बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी दी है।

एयर इंडिया ने यात्रियों को चेताया

एयर इंडिया ने ट्वीट कर कहा है कि चेन्नई और दक्षिण भारत के कुछ अन्य शहरों के लिए उड़ानों पर असर पड़ सकता है। यात्रियों को एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी फ्लाइट स्टेटस जांचने की सलाह दी गई है।

पुड्डुचेरी में मौसम का रेड अलर्ट

पुड्डुचेरी में प्रशासन ने लोगों से घर में रहने की अपील की है। जबकि स्कूल-कॉलेज अगले आदेश तक बंद कर दिए गए हैं। वहीं मछुआरों को समुद्र में न जाने का आदेश दिया गया है।

चक्रवात के चलते 60 सदस्यीय बचाव दल मौके पर तैनात किया गया है। राज्य में सुबह से ही आसमान बादलों से ढका है और पिछले एक घंटे से लगातार तेज बारिश हो रही है।

तमिलनाडु में तेज बारिश, 28 रेस्क्यू टीम तैनात

इधर, तमिलनाडु के रमनाथपुरम और नागपट्टिनम में बारिश और तेज हवाओं ने जनजीवन प्रभावित किया। इस वजह से चेन्नई एयरपोर्ट पर 54 उड़ानें रद्द की गई है। वहीं रेलवे ने भी कई ट्रेनों का रूट और समय बदला है। किसानों ने बताया कि एक लाख एकड़ फसल पानी में डूबी है। वहीं सरकार ने 6000 राहत शिविर तैयार किए गए हैं और लोगों से सुरक्षित रहने की अपील की है।

आंध्र प्रदेश में अगले चार दिन भारी बारिश की चेतावनी

आंध्र प्रदेश में 30 नवंबर से 3 दिसंबर तक भारी बारिश और 70 किमी प्रति घंटे की तक की हवाओं का अलर्ट जारी है। मछुआरों को समुद्र में जाने की सख्त मनाही है।

चक्रवात का नाम क्यों 'दित्वाह'?

इस तूफान का नाम यमन ने सुझाया था। 'दित्वाह' यमन के सोकोट्रा द्वीप पर स्थित दित्वाह लैगून (खारे पानी की झील) के नाम पर रखा गया है।

श्रीलंका में आपातकाल, 123 की मौत

चक्रवात दित्वाह श्रीलंका में भयानक तबाही के बाद भारत की ओर बढ़ा है। राष्ट्रपति दिसानायके ने आपातकाल लागू किया। अस्पताल, सेना और राहत एजेंसियों को तेजी से काम करने का आदेश। सरकारी आंकड़े के मुताबिक, अब तक 123 लोगों की मौत, 130 लापता हैं। वहीं भारत ने 27 टन राहत सामग्री और बचाव दल भेजे हैं। कोलंबो एयरपोर्ट पर फंसे भारतीयों की मदद के लिए इमरजेंसी हेल्पलाइन शुरू की गई है।

दिल्ली: एमसीडी के 12 वार्डों में आज होंगे उपचुनाव, 3 दिसंबर को आएंगे नतीजे

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के 12 वार्डों में नए पार्षद चुनने के लिए रविवार को उपचुनाव होंगे। त्रिकोणीय मुकाबले को राजधानी में भाजपा के नेतृत्व वाली रेखा गुप्ता सरकार के कामकाज पर एक तरह से जनमत संग्रह के रूप में देखा जा रहा है। उपचुनावों के नतीजे 3 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे। इससे पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) दोनों ने उपचुनावों के प्रचार किए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भाजपा की कमान संभाली, जबकि पूर्व सीएम और आप नेता आतिशी ने अपनी पार्टी के प्रचार अभियान का नेतृत्व किया। दोनों पार्टियों के वरिष्ठ नेता शहर भर में घूमे और इस करीबी मुकाबले में समर्थन हासिल करने के लिए अपील की। इस चुनाव में 12 सीटों के लिए 53 उम्मीदवार मैदान में हैं। जिन 12 खाली वार्ड में उपचुनाव होने हैं, उनमें से नौ पर भाजपा का कब्जा है। पिछले नगर निगम चुनाव दिसंबर 2022 में 250 सीटों पर हुए थे। पार्टी की स्थिति में कई बदलावों के बाद, वर्तमान एमसीडी सदन में भाजपा के 115 पार्षद हैं। भाजपा रविवार को होने वाले उपचुनावों में 12-0 से जीत हासिल करने का लक्ष्य लेकर चल रही है ताकि 250 सदस्यों वाले नगर निगम सदन में 125 के पूर्ण बहुमत के आंकड़े तक पहुंच सके।भाजपा के अच्छे प्रदर्शन से मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कद बढ़ने की उम्मीद है और उनकी ई-बस, स्वास्थ्य और बीमा कल्याण योजनाओं और छठ भक्तों के लिए व्यवस्थाओं के लिए एक सकारात्मक सार्वजनिक रिपोर्ट कार्ड पेश करने की उम्मीद है।

यह मुकाबला आप के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसके पास अभी 99 पार्षद हैं और वह इस साल फरवरी में विधानसभा चुनावों में भाजपा को सत्ता सौंपने के बाद शहर की राजनीति में खोई हुई जमीन वापस पाना चाहती है।

कांग्रेस भी उपचुनावों में कुछ वार्ड जीतने की पूरी कोशिश कर रही है क्योंकि वह शहर की राजनीति में अपनी जगह बनाए रखना चाहती है, जिस पर अभी भाजपा और आप का दबदबा है। पिछले 12 महीनों में इन सीटों से पार्षदों के संसद और दिल्ली विधानसभा के लिए चुने जाने के बाद उपचुनाव जरूरी हो गए थे। सीएम रेखा गुप्ता समेत 11 पार्षद विधानसभा सदस्य (एमएलए) चुने गए थे। द्वारका-बी वार्ड पिछले साल से खाली है, जब भाजपा की कमलजीत सहरावत वेस्ट दिल्ली से सांसद चुनी गई थीं।खाली वार्डों में मुंडका, शालीमार बाग-बी, अशोक विहार, चांदनी चौक, चांदनी महल, द्वारका-बी, डिचाओं कलां, नारायणा, संगम विहार-ए, दक्षिण पुरी (एससी), ग्रेटर कैलाश और विनोद नगर शामिल हैं। ये वार्ड मुंडका, वजीरपुर, मटियाला, नजफगढ़, राजेंद्र नगर, देवली और पटपड़गंज जैसे मुख्य विधानसभा क्षेत्रों में आते हैं।

चुनाव आयोग ने दोगुनी की बीएलओ की सैलरी ईआरओ और एईआरओ को भी मिलेगा मानदेय

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग ने बूथ लेवल ऑफिसर्स, बीएलओ सुपरवाइजर्स और अन्य चुनावी अधिकारियों के लिए सैलरी और मानदेय में बड़ा बदलाव किया है। आयोग ने घोषणा की है कि बीएलओ की सैलरी अब दोगुनी कर दी गई है, जबकि बीएलओ सुपरवाइजर्स की सैलरी और

इंसेंटिव में भी बढ़ोतरी की गई है। यह फैसला चुनाव प्रणाली को मजबूत करने और फील्ड में काम करने वाले कर्मचारियों की मेहनत को सम्मान देने के उद्देश्य से लिया गया है। चुनाव आयोग के अनुसार, इलेक्टोरल रोल लोकतंत्र की नींव हैं और इन्हें तैयार करने के पीछे एक बड़ी मशीनरी काम करती है। इसमें इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स, असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स, बीएलओ सुपरवाइजर्स और बीएलओ शामिल हैं, जो बिना किसी भेदभाव के निष्पक्ष और पारदर्शी मतदाता सूची तैयार करते हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, बीएलओ की सैलरी पहले 6,000 रुपए थी, जो अब बढ़ाकर 12,000 रुपए कर दी गई है। वहीं, इलेक्टोरल रोल में बदलाव के लिए बीएलओ को मिलने वाला इंसेंटिव 1,000 रुपए से बढ़ाकर 2,000 रुपए कर दिया गया है। बीएलओ सुपरवाइजर्स की सैलरी 12,000 रुपए से बढ़कर 18,000 रुपए हो गई है।

सबसे बड़ी घोषणा यह रही कि पहली बार एईआरओ और ईआरओ को भी मानदेय दिया जाएगा, जिसमें ईआरओ को 30,000 रुपए और एईआरओ को 25,000 रुपए दिए जाएंगे। इसके अलावा, आयोग ने बिहार से शुरू होने जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के तहत बीएलओ के लिए 6,000 रुपए के स्पेशल इंसेंटिव को भी मंजूरी दी है।चुनाव आयोग के इस कदम से जमीनी स्तर पर काम कर रहे कर्मचारियों को उचित सम्मान और आर्थिक समर्थन मिलेगा। इससे उनका मनोबल बढ़ाने की कोशिश की गई है। भारत निर्वाचन आयोग की तरफ से सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को पत्र लिखा गया है।

कार्टून कॉर्नर

UAE ने पाकिस्तानियों को वीजा देना बंद किया, 70-80% आवेदन रिजेक्ट हो रहे

मध्य प्रदेश: शराब के फर्जी चालान स्कैम में ईडी का एक्शन, 70 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क

इंदौर, 29 नवंबर (एजेंसियां)। डायरेक्टरेट ऑफ एनफोर्समेंट (ईडी), इंदौर सब-जोनल ऑफिस ने 28 नवंबर को एक प्रोविजनल अटैचमेंट

ऑर्डर जारी किया है, जिसमें शराब के फर्जी चालान स्कैम के मामले में 28 एसेट्स (क्राइम से हुई कमाई) अटैच किए गए हैं। प्रोविजनल रूप से अटैच की गई एसेट्स में इंदौर, मंदसौर और खरगोन में अलग-अलग जगहों पर मौजूद जमीन और फ्लैट के रूप में अचल एसेट्स शामिल हैं, जो अलग-अलग शराब कॉन्ट्रैक्टर्स की हैं। अटैच की गई प्रॉपर्टीज की मौजूदा मार्केट वैल्यू 70 करोड़ रुपये से ज्यादा है। ईडी ने इंदौर के रावजी पुलिस स्टेशन में अलग-अलग शराब कॉन्ट्रैक्टर्स के खिलाफ ट्रेजरी चालान की जालसाजी और हेराफेरी करके सरकारी रेवेन्यू को नुकसान पहुंचाने के आरोप में दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। आरोपी लोग छोटी रकम के चालान बनाकर बैंक में जमा करते थे।चालान के तय फॉर्मेट में, 'रुपये अंकों में' और 'रुपये शब्दों में' लिखा होता था। वैल्यू आंकड़ों में भरी जाती थी, लेकिन 'रुपये शब्दों में' के लिए खाली जगह छोड़ी जाती थी। रकम जमा करने के बाद, जमा करने वाला बाद में रकम को 'रुपये अंकों में' में बदल देता था और बढ़ी हुई रकम को 'रुपये शब्दों में' की खाली जगह में भर देता था, और ऐसी बढ़ी हुई रकम के बदले हुए चालान की कॉपी संबंधित देसी शराब गोदाम या विदेशी शराब के मामले में जिला आबकारी ऑफिस में जमा कर दी जाती थी।इसे देसी शराब गोदाम या इंदौर के जिला आबकारी ऑफिस में अधिकारी को दिखाकर और शराब ड्यूटी/बेसिक लाइसेंस फीस/मिनिमम गारंटी के तौर पर रकम जमा करके, एनओसी ले ली जाती थी। इस तरह, कम ड्यूटी देने के बावजूद ज्यादा शराब का स्टॉक जमा कर लिया गया, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान हुआ।

ट्रंप-मादुरो में तनाव बढ़ा, अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- पूरी तरह बंद किया जाएगा वेनेजुएला का हवाई क्षेत्र

वॉशिंगटन, 29 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव बढ़ता ही जा रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि वेनेजुएला के ऊपर और उसके आसपास का हवाई क्षेत्र पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। ट्रंप की सोशल मीडिया पोस्ट पर वेनेजएला की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई।

ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा, 'सभी एयरलाइन, पायलट, ड्रग और मानव तस्करों से कहना चाहता हूं कि कृपया वेनेजुएला और आसपास का हवाई क्षेत्र पूरी तरह बंद मानें।' ट्रंप का यह पोस्ट ऐसे समय में आया है, जब अमेरिकी अधिकारियों की ओर से वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी सरकार के खिलाफ बयानबाजी हो रही है।

अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि यह कदम मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लड़ाई का हिस्सा है। वहीं, विशेषज्ञों और मानवाधिकार पर्यवेक्षकों ने चेतावनी दी कि वॉशिंगटन गैरकानूनी मादुरो को सत्ता से हटाने की तैयारी कर रहा लगता है।अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने कैरिबियाई क्षेत्र में एक विमानवाहक पोत तैनात किया है और उन जहाजों पर बमबारी की है जिन पर ड्रग तस्करी में शामिल होने का आरोप था, जिसमें दर्जनों लोगों की मौत हो गई। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने इसकी निंदा की है। इस हफ्ते की शुरुआत में ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि वह जल्द ही वेनेजुएला में ड्रग तस्करों को जमीनी स्तर पर निशाना बनाना शुरू कर देंगे।

मादुरो ने गुरुवार को राष्ट्रीय टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में कहा कि वेनेजुएला के लोग डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा था कि अमेरिका बहाने बना रहा है और झूठ फैला रहा है, ताकि वह वेनेजुएला में दखल को सही साबित कर सके।

रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन मादुरो की सरकार पर सिलसिलेवार तरीके से दबाव बढ़ा रहा है। हालांकि, इस तरह की रिपोर्ट सामने आई है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने वेनेजएला के समकक्ष से बात की है। शुक्रवार को न्यूयॉर्क टाइम्स ने बताया कि ट्रंप ने पिछले हफ्ते मादुरो से बातचीत की और अमेरिका में दोनों नेताओं के बीच संभावित बैठक को लेकर चर्चा हुई। अखबार ने कई जानकारों के हवाले से बताया कि फिलहाल ऐसी कोई बैठक तय नहीं है। अगर यह बैठक होती भी है तो यह मादुरो और अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच पहली मुलाकात होगी।

मानव जन्म मोक्षमार्ग का सबसे बड़ा अवसर: साध्वी मेधाश्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजाजीनगर स्थानक में आयोजित धर्मसभा में साध्वी मेधाश्री एवं साध्वी आगमश्री ने आध्यात्मिकता, संयम और पुरुषार्थ से युक्त जीवन के महत्व पर प्रेरक प्रवचन दिए। साध्वी मेधाश्री ने अपने उद्बोधन में श्रवण को जीवन का प्रथम धर्म बताया। उन्होंने कहा कि सुनना ही वह साधन है जिसके माध्यम से जीव आत्मा से परमात्मा की दिशा में अग्रसर होता है। प्रभु महावीर ने हमें पाप-पुण्य, संसार-संयम और कल्याण के मार्गों का ज्ञान दिया है। उन्होंने कहा धर्म का मार्ग ही सच्चा और मोक्ष का मार्ग है। मानव जन्म मोक्षमार्ग का सबसे बड़ा अवसर है। जीवन का लक्ष्य पंचम गति की प्राप्ति होना चाहिए। मोक्ष की सिद्धि पुरुषार्थ से ही संभव है। सभा को संबोधित करते हुए साध्वी आगमश्री ने कहा कि संसार सुख-दुख का मिश्रण है, परंतु परिस्थितियां कैसी भी हों, हमें समभाव बनाए रखना चाहिए। धैर्य और समता से ही जीवन की समस्याओं का समाधान संभव है। उन्होंने कहा पुरुषार्थ संसार के मार्ग पर नहीं, संयम के मार्ग पर करना चाहिए। कुछ समस्याएं तत्काल हल नहीं होतीं, वहां धैर्य ही सबसे बड़ा उपचार है। धर्मसभा में अनेक श्रद्धालु तथा संघ के सदस्यों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। रविवार को संघ के तत्वावधान में साध्वी मंडल के सानिध्य में आचार्य आनंदऋषि, कर्नाटक गज केसरी गणेशीलाल महाराज का दीक्षा दिवस एवं जैन दिवाकर चौथमल महाराज का पुण्य स्मृति दिवस तप त्याग द्वारा मनाया जाएगा। आभार ज्ञापन संघ युवाध्यक्ष धीरज नाहर ने किया और संचालन मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

कांग्रेस कभी दलित मुख्यमंत्री नहीं बनाएगी: गोविंद करजोल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सांसद गोविंद करजोल ने शुक्रवार को कहा मुझे यकीन है कि कांग्रेस कभी किसी दलित को किसी राज्य का मुख्यमंत्री नहीं बनाएगी। करजोल ने कहा आजादी के बाद से, कांग्रेस ने कभी किसी दलित को मुख्यमंत्री नहीं बनाया। मुझे यकीन है कि अब वह ऐसा नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि उन्हें कांग्रेस में पावर शेयरिंग की लड़ाई में कोई दिलचस्पी नहीं है क्योंकि यह उसका अंदरूनी मामला है। यह उन पर है कि वे सिद्धरामैया को मुख्यमंत्री बनाए रखते हैं या नहीं। लेकिन मैं यह जानता हूं। कांग्रेस को दलितों की कोई परवाह नहीं है। वह उन्हें सिर्फ वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल करती है। मुसलमानों के साथ भी ऐसा ही है। उन्हें भी वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है लेकिन कांग्रेस में उन्हें कोई पार्टी पोस्ट नहीं मिलती। बहुत पहले, कांग्रेस नेताओं ने पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम के खिलाफ साजिश की थी और उन्हें हराया था। हाल ही में, कर्नाटक में, कुछ कांग्रेस नेताओं ने जी. परमेश्वर के खिलाफ भी काम किया, जिन्हें अगला मुख्यमंत्री बनाया गया था और यह पक्का किया कि वह चुनाव हार जाएं। करजोल ने कहा डॉ. परमेश्वर ने पार्टी के लिए छह साल तक कड़ी मेहनत की। लेकिन कांग्रेस में उन्हें न्याय नहीं मिला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में गांधी-नेहरू परिवार की पारंपरिक लीडरशिप ने मल्लिकार्जुन खड़गे से फैसले लेने की ताकत छीनकर उन्हें पार्टी का मैसेंजर बना दिया है। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि वह खुद को बेबस महसूस कर रहे होंगे, क्योंकि वह अपने ही गृह क्षेत्र में भ्रम खत्म नहीं कर पा रहे हैं।

बोलने के बाद नहीं बल्कि बोलने से पहले सोचना चाहिए: साध्वी भव्यगुणा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री भवतारक पार्श्वनाथ जैन संघ आडगुडी में विराजित साध्वी भव्यगुणा ने कहा की वाणी का संयम खोने से ही हिंसा व अशांति का जन्म होता है। सदा अपनी वाणी पर संयम रखना चाहिए। बोलने के बाद नहीं बल्कि बोलने से पहले सोचना चाहिए कि उसके क्या परिणाम हो सकते है। हमारे परिवार से लेकर समाज, गांव से लेकर देश तक हर जगह आपसी क्लेश व कलह का मुख्य कारण वाणी का संयम नहीं रहना ही सामने आएगा। उन्होंने कहा कि सच्चा श्रावक वहीं है जिसकी भावनाएं हमेशा निर्मल व पवित्र रहे ओर वह सदा परहित की सोच रखे।

हम संसार से मुक्त होना चाहते हैं तो उन पदार्थो व वस्तुओं से दूर होना होगा जो हमारे अंदर राग-द्वेष उत्पन्न करते है। राग-द्वेष के भाव रहने तक हमारे में ममत्व भाव रहेगा ओर हमारा आत्मकल्याण नहीं हो पाएगा। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि कभी भी पापी से नहीं पाप से, दोषी से नहीं दोष से घृणा की जानी चाहिए। हम पाप को हटा देंगे तो पापी भी सुधर जाएगा। इसी तरह दोष समाप्त हो जाए तो दोषी भी निर्मल हो सकता है। इसलिए जीवन में हमेशा गलत कार्य करने वाले की बजाय गलत कार्य से नफरत करनी चाहिए। जब गलत कार्य होंगे नहीं तो किसी के प्रति नफरत का भाव नहीं रहेगा। मन व भावों से की जाने वाली आराधना ही सार्थक होती है। हस्तीमल बाफना, कमलचंद बाफना, सुनील बाफना, अनिल बाफना, संगीता बाफना, अरुणा बाफना, उर्मिला जैन ने सेवा का लाभ लिया साध्वीवृंद की विहार सेवा में अर्हम ग्रुप से मुकेश जैन, जितु, सुनील कुंकुलोल ने लाभ लिया।

पति की हत्या के आरोप में महिला समेत दो गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मदनायकनहल्ली पुलिस ने एक 28 साल की महिला और उसके 20 साल के दोस्त को अपने पति की हत्या करने और लाश को जलाकर मामले को छिपाने की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान शरणम्मा और वीरभद्र के तौर पर हुई है, दोनों कंस्ट्रक्शन के काम में लगे थे।

मृतक की पहचान 30 साल के सुरेश के तौर पर हुई है, जिसकी शादी शरणम्मा से चार साल पहले हुई थी। सुरेश की लाश 20 नवंबर को मदनायकनहल्ली के पास आधी जली हुई मिली थी। हालांकि मौके पर कोई सुराग नहीं मिला और शुरू में लाश की पहचान भी पता नहीं चली, लेकिन पास की एक जगह से सीसीटीवी फुटेज में एक कार क्राइम सीन की तरफ जाती हुई दिखी। करीब 350 सीसीटीवी रिकॉर्डिंग देखने के बाद, पुलिस को पता चला कि कार सुरेश के अपने घर से निकली थी। शक और बढ़ गया, क्योंकि शरणम्मा ने लाश मिलने के एक दिन बाद 21 नवंबर को ब्यादरहल्ली में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। उसके रोल पर शक होने पर, पुलिस ने शरणम्मा को हिरासत में लिया और उससे पूछताछ की, जिससे सच सामने आ गया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शरणम्मा का वीरभद्र के साथ अवैध संबंध था। कहा जाता है कि शरणम्मा ने अपने पति को खत्म करने के लिए वीरभद्र के साथ मिलकर एक प्लान बनाया और उसे लगभग पूरी तरह से अंजाम दिया। 19 नवंबर को, जब सुरेश सो रहा था, तो दोनों आरोपियों ने उस पर हमला किया और बाद में उसे मदनायकनहल्ली ले गए, जहां उन्होंने कथित तौर पर उसे आग लगा दी। अब, पुलिस उन दूसरे लोगों की तलाश कर रही है जिन्होंने आरोपियों की मदद की थी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जनमन कन्नडा संध द्वारा श्रीनगर में आयोजित कर्नाटका राज्योत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने मां भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर ध्वजारोहण किया। साथ ही विद्यार्थियों में शिक्षण सामग्री वितरित करते हुए अपने वक्तव्य में कहा हमें अपनी भाषा एवं संस्कृति पर गर्व है और हमें उससे जुड़े रहना है। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

सिद्धरामैया की सीएम कुर्सी पक्की हो, इसके लिए प्रशंसकों ने भगवान से प्रार्थना की

चिक्कमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के सीएम बने रहने की उम्मीद में, जिले के कांग्रेस नेताओं और उनके समर्थकों ने शहर के तालुक कार्यालय के पास गणपति मंदिर में खास प्रार्थना की और दुआ मांगी। मंदिर में, नेताओं ने सिद्धरामैया के लिए न्याय की तस्वीर पकड़ी और नारे लगाए कि सिद्धरामैया सत्ता में बने रहें। प्रार्थना के बाद, उन्होंने मंदिर के सामने नारियल फोड़े और मांग की कि सीएम का पद न बदला जाए। बाद में बोलते हुए, गारंटी सदस्य केम्पनहल्ली पुनीत ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री ने पिछले चार दशकों से बिना किसी काले धब्बे और भ्रष्टाचार के शासन किया है। उन्होंने कहा कि वह देश में एक ऐसे विरले व्यक्ति हैं जिन्होंने सभी के लिए समानता, दबे-कुचले वर्ग का समर्थन करने और सभी को न्याय दिलाने के आदर्श वाक्य के साथ शासन किया है। सिद्धरामैया के अहिंसक रुख की वजह से ही कांग्रेस ने जिले में पांच सीटें जीतीं। खासकर कुछ विधायक पहली बार विधानसभा में पहुंचे हैं। इसलिए, उन्होंने मांग की कि सीएम के खिलाफ कोई हथकंडा न अपनाएं और उनका पूरा समर्थन करें। कुरुबा समाज के निदेशक एन.डी. चंद्रप्पा ने कहा कि राष्ट्रीय नेताओं को सिद्धरामैया के लिए कोई मुश्किल खड़ी नहीं करनी चाहिए, जो राज्य में दो टर्म तक मुख्यमंत्री रहे हैं, और उन्हें सीएम बने रहने देना चाहिए। अगर आने वाले चुनाव के समय की वजह से अहिंदा नेता हार जाते हैं, तो अहिंदा भाई बंट जाएंगे और पार्टी को बड़ा नुकसान होगा। पहले से ही, कांग्रेस देश में सिर्फ तीन राज्यों में पावर में है। सिद्धरामैया सिर्फ कर्नाटक में बैकवर्ड क्लास के मुख्यमंत्री के तौर पर पावर में हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें बने रहना चाहिए।

खाने की तलाश में निकले तेंदुए को वन विभाग

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हेबरी-करकला बॉर्डर पर बसे पदुकुदुरु में थिम्मप्पा पुजारी के घर के पास खाने की तलाश में आए एक तेंदुए को वन विभाग ने पकड़ लिया और बाद में जंगल में छोड़ दिया। तेंदुआ घर के पास एक बाहरी कमरे के पास बैठा मिला, ऐसा लग रहा था कि वह शिकार का इंतजार कर रहा है। जब लोगों ने अजीब आवाजें सुनीं और दूर से तेंदुए को देखा, तो उन्होंने तुरंत वन विभाग को बताया। विभाग के लोग मौके पर पहुंचे और पिंजरा लेकर ऑपरेशन शुरू किया। करीब दो घंटे की कड़ी मेहनत के बाद, तेंदुए को सुरक्षित रूप से पकड़कर जंगल में ले जाया गया। विभाग के मुताबिक, तेंदुए की उम्र करीब तीन साल बताई जा रही है। मेडिकल जांच के बाद, उसे सुरक्षित जंगल वाले इलाके में छोड़ दिया गया। करकला रेंज के वन अधिकारी प्रभाकर कुलाल, डिप्टी रेंज फॉरेस्ट अधिकारी करुकर आचार्य, चंद्रकांत पोल, रोहिणी, गार्ड और स्थानीय लोगों ने ऑपरेशन में हिस्सा लिया।

साहित्य संसार, एक विमर्श विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बीएमएस कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट के सभागार में शुक्रवार को बीएमएससीसीएम साहित्य साधक मंच, बेंगलूरु और कर्नाटक राज्य विश्वविद्यालय कॉलेज हिंदी प्राध्यापक संघ के संयुक्त तत्वावधान में बाबा नागार्जुन का साहित्य संसार, एक विमर्श' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ दीप प्रज्वलित करके किया गया। जिसमें महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना भी प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष हिंदी विभाग, बेंगलूरु विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष प्रो. प्रभाशंकर प्रेमी ने कहा कि नागार्जुन को पढ़ते हुए कबीर की याद आती है। वे महाप्राण निराला और राहुल सांकृत्यायन की परंपरा के कवि हैं। वे एक तरफ प्रगतिशील हैं तो दूसरी ओर बौद्ध। इस अवसर पर डॉ. प्रेमी ने नागार्जुन की रचनाओं को वेदों से जोड़ने की कोशिश भी की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वेद में उन सभी चुनौतियों का जिक्र किया गया है जिनसे हम आज दो चार हो रहे हैं। डॉ. प्रेमी का विचार है कि जब जनता का दमन अधिक बढ़ जाता है तभी श्रेष्ठ रचनाकार का जन्म होता है, नागार्जुन एक ऐसे ही रचनाकार थे जिनका उदय शोषण और दमन के गर्भ से हुआ है। बीज वक्ता प्रो. विनय कुमार यादव ने अपने उद्बोधन में नागार्जुन की काव्य पंक्तियों को उद्धृत करते हुए इस तथ्य को स्पष्ट किया कि कैसी भुखमरी और गरीबी के बीच उनके द्वारा धारदार रचनाओं का सृजन किया गया है। सत्ता को सच्चाई से रूबरू कराने वाले नागार्जुन ने कभी सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। उन्होंने मुसहर समाज की दयनीय स्थिति पर भी अपनी बात रखी। अगले कड़ी में कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. पंकज चौधरी ने कहा कि नागार्जुन हिंदी साहित्य के महान रचनाकार रहे हैं। वे उन चुनिंदा साहित्यकारों में से एक हैं जिनका गद्य और पद्य पर समान अधिकार है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. अमिता दुबे ने कहा कि टेक्नोलॉजी कभी भी पुस्तकों का विकल्प नहीं हो सकती है। नागार्जुन की रचनाओं में गांव की सौंधी खुशबू है। उनमें इतनी ताकत थी कि वे सीधे सत्ता से सवाल करने से हिचकते नहीं थे। मंच का संचालन करते हुए डॉ. कृष्णा अनुराग ने कहा कि आज पूरी दुनिया अकेलेपन, अवसाद, अस्मितागत और अस्तित्वगत संकटों से जूझ रही है। ऐसे समय में नागार्जुन जैसे कालजयी साहित्यकार की रचनाएं जीवन के विविध पक्षों और रंगों को उद्घाटित करती हैं। उनकी कृतियां यांत्रिक बन रहे लोगों को पुनः जीवंत बनाती हैं और मानवता की राह दिखलाती हैं।

डी.के. सुरेश ने दिल्ली में हाईकमान के नेताओं से मुलाकात की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जहां मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बेंगलूरु में बैठक करके एकता का मंत्र दोहराया, वहीं पूर्व सांसद डी.के. सुरेश ने दिल्ली में हाईकमान के नेताओं से मुलाकात की और उन पर अपनी बात रखने का दबाव बनाने की कोशिश की। रिपोर्टर्स से बात करते हुए डी.के. सुरेश ने कहा कि वह एक निजी कार्यक्रम के लिए दिल्ली आए थे। उन्होंने कहा कि वह रविवार तक दिल्ली में रहेंगे और अगर उनके वरिष्ठ ने उन्हें समय दिया तो वह उनसे मिलेंगे। उन्होंने यह कहकर उत्सुकता जगाई कि वरिष्ठों के साथ बैठक के बाद क्या हुआ, यह वह मीडिया को बताएंगे। लंच के बाद मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उनके बीच कोई मतभेद नहीं है। यह कहना उनका कर्तव्य है कि हम मिलकर पार्टी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने राज्य के लोगों से वादा किया है और हमें उसी के अनुसार काम करना है। जब उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया अपना वादा नहीं तोड़ेंगे, तो उनका मतलब कुछ और था। लेकिन इसे तोड़-मरोड़कर पेश किया गया। अब जब दोनों नेताओं ने एक साथ बात कर ली है, तो उन मुद्दों पर दूसरों के बयान देने का कोई मतलब नहीं है। डी.के. शिवकुमार कई बार सोनिया गांधी के त्याग और गांधी परिवार के त्याग और बलिदान के बारे में बात करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह इनका जिक्र करके कार्यकर्ताओं और नेताओं को प्रोत्साहित भी करते हैं। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने भ्रमों को दूर करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि दोनों ने पहले ही साफ कर दिया है कि अगर और सफाई की जरूरत हुई तो हाईकमान के नेता दखल देंगे। डी.के. शिवकुमार और सिद्धरामैया पार्टी संगठन और दूसरे मुद्दों को लेकर हाईकमान के नेताओं से मिल रहे हैं। इसमें कुछ खास नहीं है। डी.के. शिवकुमार गुटबाजी में शामिल नहीं होते।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॥ श्री राणी सत्यै नमः ॥ ॥ श्री हनुमंते नमः ॥
श्री दादी धाम प्रचार समिति, बेंगलोर
द्वारा आयोजित
श्री दादीजी की विशाल भजन संध्या एवं वार्षिकोत्सव
रविवार, 7 दिसम्बर 2025, अपराह्न 3 बजे से, आरती रात्रि 9 बजे
विशेष आकर्षण: भव्य श्रृंगार, अखंड ज्योति, चुनड़ी उत्सव, गजरा उत्सव, मेहंदी उत्सव, छप्पन भोग, लक्की ड्रॉ निःशुल्क कूपन (झुंझुनू धाम)
* आमंत्रित कलाकार * मोनू मोर, कोलकाता
* कार्यक्रम स्थल * श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ ट्रस्ट, नं. 554, 555 - HBCS, आइडियल होम्स लेआउट, राजराजेश्वरी नगर, बेंगलोर
* आमंत्रित कलाकार * वर्षा सोनी, सूरत
आप सपरिवार, ईष्ट - मित्रों सहित सादर आमंत्रित हैं।
* कार्यक्रम संयोजक * विनय राय : 96119 30686, बिमल जिलोका : 93412 58465
* कार्यक्रम सहसंयोजक * अनूप अग्रवाल : 93425 39940, शंकर सुल्तानिया : 81054 78349, राजेन्द्र बजाज : 98807 11225, अजय सिंघानिया : 93420 15693
आयोजक : श्री दादी धाम प्रचार समिति, बेंगलोर
अध्यक्ष : शिवकुमार टेकड़ीवाल 93425 04568 सचिव : संजय चौधरी 97411 25482 कोषाध्यक्ष : प्रकाश चौधरी 93412 10277
कार्यक्रम स्थल पर महाप्रसाद की व्यवस्था है।

कर्नाटक में नेतृत्व संकट के बीच साथ में किया नाश्ता

नेतृत्व के मुद्दे पर कांग्रेस हाईकमान के फैसले को मानेंगे: सीएम सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही खींचतान के बीच, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनके डिप्टी और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार 8 दिसंबर, 2025 से उत्तरी कर्नाटक के बेलगावी में होने वाले राज्य विधानसभा के सत्र से पहले एक अस्थाई समझौते पर पहुंच गए हैं। यहां शनिवार को मुख्यमंत्री के घर, कावेरी पर ब्रेकफास्ट बैठक के बाद, सिद्धरामैया और शिवकुमार दोनों ने मिलकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और एक बार फिर दोहराया कि वे नेतृत्व के मुद्दे पर कांग्रेस हाईकमान के फैसले को मानेंगे। बैठक में यह इशारा मिला कि विधानसभा सत्र के खत्म होने तक नेतृत्व का गतिरोध पूरी तरह से हल होने की उम्मीद नहीं है। यह सत्र 8 दिसंबर से दो हफ्ते के लिए होगा। इससे पार्टी हाईकमान को भी इस संकट से शांति से निपटने की रणनीति बनाने के लिए कुछ समय मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, हम एक हैं। मेरे और शिवकुमार के बीच कोई मतभेद नहीं हैं। हमने तय किया है कि हाईकमान जो भी कहेगा, हम उसे सुनेंगे। कोई विवाद नहीं है अभी भी कोई नहीं है। लेकिन मीडिया के एक हिस्से ने भ्रम पैदा किया है। विधायकों के दिल्ली जाने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जब से उन्होंने कैबिनेट में फेरबदल करने की घोषणा की है, विधायक पार्टी के टॉप नेताओं से अपने लिए मंत्री पद मांगने के लिए दिल्ली गए हैं। उन्होंने कहा विधायकों ने सरकार के खिलाफ कुछ नहीं कहा है। मुख्यमंत्री ने कहा जैसे हमने 2023 के विधानसभा चुनावों में काम किया, वैसे ही हम 2028 के विधानसभा चुनावों में भी काम करेंगे और पार्टी की सत्ता में वापसी पक्की करेंगे। हमने भविष्य में ग्रामीण और शहरी निकायों के चुनावों पर भी चर्चा की है। इसी तरह की बातें कहते हुए शिवकुमार ने कहा हम दोनों ने पहले भी साथ काम किया है और भविष्य में भी मिलकर काम करेंगे। हम हाईकमान के फैसले का पालन करेंगे। कोई ग्रुप नहीं है। सिर्फ कांग्रेस ही ग्रुप है। उन्होंने कहा आज मैं बहुत खुश हूं। आज सीएम और मैंने साथ में नाश्ता किया। हमारा मकसद 2028 के विधानसभा चुनाव में सत्ता बनाए रखने के लिए कांग्रेस और सरकार को मजबूत करना है। हम जानते हैं कि हमारी पार्टी देश में मुश्किल दौर से गुजर रही है। लेकिन फिर भी, हमें भरोसा है कि कर्नाटक का बड़ा रोल होगा, और हम 2028 में भी वही बहुमत दोहराएंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें मल्लिकार्जुन खड़गे की लीडरशिप में 2029 के लोकसभा चुनाव में सत्ता में आने के लिए काम करना होगा। शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस राज्य में भारी बहुमत के साथ सत्ता में आई, और हम कर्नाटक के लोगों की उम्मीदों को पूरा करने के लिए काम करते हैं।

केंद्र और राज्य ने हाई कोर्ट में मेंगलूरु जेल जैमर मुद्दे को स्वीकार किया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्र और राज्य सरकारों ने हाई कोर्ट के सामने माना है कि शहर के कुछ हिस्सों में मोबाइल नेटवर्क की दिक्कतें मेंगलूरु के कोडियालबेल में जिला जेल में लगे मोबाइल जैमर से जुड़ी हैं। कोर्ट ने दोनों सरकारों को 1 दिसंबर तक आधिकारिक तौर पर किए गए सुधार के उपायों की जानकारी देने का निर्देश दिया है। मेंगलूरु बार एसोसिएशन ने इस मुद्दे को लेकर हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। कोर्ट के पहले के निर्देश के बाद, टेलीकॉम कंपनी के अधिकारियों ने मेंगलूरु जेल और आस-पास के इलाकों का दौरा किया, जैमर की वजह से नेटवर्क में आई रुकावटों की स्टडी की और एक रिपोर्ट सौंपी। सुनवाई के दौरान, केंद्र और राज्य दोनों सरकारों के वकीलों ने अपनी दलीलें पेश कीं। केंद्र सरकार के टेलीकम्युनिकेशन डिपार्टमेंट ने राज्य जेल डिपार्टमेंट को लिखकर इस समस्या को हल करने के लिए जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया है और जैमर की वजह से नेटवर्क में आई रुकावटों की जानकारी दी है। इस बीच, राज्य जेल विभाग ने भी सेंट्रल टेलीकम्युनिकेशन डिवीजन को लिखकर इस समस्या को हल करने के लिए कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। बार एसोसिएशन की तरफ से वकील पी. पी. हेगड़े ने कहा कि हालांकि मेंगलूरु जेल के अंदर जैमर है, लेकिन जेल के अंदर मोबाइल नेटवर्क ठीक से काम कर रहे हैं। लेकिन, जेल के बाहर 900 मीटर के दायरे में जिसमें ऑफिस, कोर्ट, एसोसिएशन, बैंक और कॉलेज शामिल हैं, मोबाइल नेटवर्क में दिक्कतें बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए जेल जैमर को हटा देना चाहिए। सभी दलीलें सुनने के बाद, कोर्ट ने केंद्र और राज्य दोनों सरकारों को 1 दिसंबर तक जेल जैमर की वजह से नेटवर्क की दिक्कतों को ठीक करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में आधिकारिक रूप से बताने का निर्देश दिया।

यह बेवजह की अफवाह है कि बैठक में सत्ता साझेदारी के मुद्दे पर चर्चा होगी: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने मजाकिया लहजे में कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री नाश्ता करेंगे। हम नाश्ता नहीं करेंगे, हम कुछ नहीं खाएंगे। जब रिपोर्टरों ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बीच पावर शेयरिंग पर भ्रद दूर करने के लिए हुई बैठक के बारे में पूछा, तो मंत्री परमेश्वर ने कहा वे नाश्ता करेंगे। क्या आपको कुछ कहना है। हम नाश्ता नहीं करेंगे, हम कुछ नहीं खाएंगे। उन्होंने हमें आमंत्रित नहीं किया। एक-दूसरे के साथ नाश्ता करने का कोई मतलब नहीं है। वे दोनों हर दिन एक साथ प्रोग्राम में हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सब साथ हैं। यह बेवजह की अफवाह है कि बैठक में सत्ता साझेदारी के मुद्दे पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि हमें ऐसा कोई विकास नहीं दिख रहा है। यह सबकी इच्छा है कि कोई भ्रम न हो। हाईकमान ने भी इसी वजह से दोनों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई गलतफहमी है, तो वे उसे बैठक में सुलझा लेंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हम लंच और स्नैक्स के लिए अक्सर मिलते हैं। यह बहुत अच्छी बात है कि सब कुछ खुल गया है। हममें से किसी ने नहीं कहा कि हम दिल्ली जाएंगे। अगर हमें जाना होगा तो हम जाएंगे। ऐसी अफवाहें थीं कि पावर-शेयरिंग की लड़ाई में परमेश्वर लकी हो जाएंगे। लेकिन परमेश्वर का बयान है कि सब कुछ उन दोनों के बीच हो रहा है। ऐसा लगता है कि वह इस बात की बेसब्री दिखा रहे हैं कि हमें गिना नहीं जा रहा है।

सिद्धरामैया और शिवकुमार नाश्ता चाहे जो भी करें, यह एक ब्रेक बैठक नहीं: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार नाश्ता चाहे जो भी करें, यह एक ब्रेक बैठक है। उन्होंने कहा कि सीएम और डीसीएम यह कहकर ब्रेक मीटिंग कर रहे हैं कि हमारे बीच कुछ नहीं हुआ है। इडली और डोसा के साथ जो चाहें खाएं। लेकिन यह एक ब्रेक बैठक होगी। कर्नाटक का संकट इस बात का ताजा उदाहरण है कि कांग्रेस हाईकमान कितना कमजोर है। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने खुद कहा है कि उनके पास कुछ नहीं है, हाईकमान सब देख लेगा। अगर किसी नेशनल पार्टी के अध्यक्ष ने यह कहा है, तो इसका मतलब है कि देश में कांग्रेस की क्या हालत होगी, यह आप तय करें। अगर हाईकमान के नेता मजबूत होते, तो यह हालत नहीं बनती। सिद्धरामैया और डी.के. शिवकुमार किसी की नहीं सुन रहे हैं। उन्होंने कहा है कि उन्हें बेंगलूरु में बैठकर खुद ही इसे सुलझा लेना चाहिए ताकि दिल्ली लेवल पर हमारी बेइज्जती न हो। इसका मतलब है कि कांग्रेस एक ऐसी पॉलिटिकल पार्टी बन गई है, जहां न कोई बोलने वाला है और न कोई सुनने वाला। अगर पावर है, तो कांग्रेस नेताओं को कहने दो कि सिद्धरामैया और डीके शिवकुमार के बीच पावर डील हुई है। किसी को नहीं पता कि पावर डील किसके बीच हुई थी। डीके शिवकुमार कहते हैं कि यह पांच लोगों के बीच बातचीत थी। लेकिन सिद्धरामैया कह रहे हैं कि ऐसी कोई डील नहीं हुई। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के लोग आपकी पावर चेयर के लिए आंसू बहा रहे हैं। यह जानते हुए कि सिद्धरामैया और डीके शिवकुमार हमारी बात नहीं सुनेंगे, कांग्रेस लीडर सोनिया गांधी और उनके बेटे राहुल गांधी विदेश चले गए। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि उनके हाथ में कुछ नहीं है। किसी को नहीं पता कि कांग्रेस प्रभारी रणजीत सिंह सुरजेवाला कर्नाटक कब आए थे। उन्होंने लोगों से वादा किया था कि वह उन्हें एक स्टेबल सरकार देंगे। तो क्या यह एक स्टेबल सरकार है। राज्य में कई ज्वलंत समस्याएं हैं। एक तरफ गन्ना किसानों की समस्या हल नहीं हो रही है। दूसरी तरफ मक्के की खरीद शुरू किए बिना केंद्र सरकार पर उंगली उठाई जा रही है। अगर हर बात के लिए केंद्र पर उंगली उठाई जाती है, तो राज्य सरकार की क्या जिम्मेदारी है। देश में कांग्रेस सिर्फ तीन राज्यों में सत्ता में है। अगर अभी चुनाव हुए, तो तीनों राज्यों से कांग्रेस की पकड़ खत्म हो जाएगी। लोग उनके गलत शासन से तंग आ चुके हैं। पिछले एक साल में एक भी विकास का काम नहीं हुआ है। अशोक ने तीखा हमला किया कि ऐसी जनविरोधी सरकार सत्ता में थी या नहीं।

बेलगाम में कम से कम 20 दिन का सत्र हो: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि राज्य सरकार ताकत दिखाने के लिए बेलगावी सत्र कर रही है। यह 8 दिन से ज्यादा नहीं चल सकता। भाजपा और जेडीएस की एक बैठक रेडिसन ब्लू होटल में हुई। बाद में, उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात की। उन्होंने सत्तारूढ पार्टी कांग्रेस की आलोचना की कि वह इस सत्र का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए बिल पास करने के लिए कर रही है। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु विकास, बेंगलूरु निगम इस तरह के मुद्दे उठाए गए हैं। उन्होंने पूछा कि अगर बेंगलूरु के मुद्दे उठाए जा रहे हैं तो नॉर्थ कर्नाटक में सत्र करने का क्या मतलब है। पहले, जब कुमारस्वामी और येदियुरप्पा वहां थे, तो वहां एक बिल्डिंग बनी थी। वे नॉर्थ कर्नाटक पर चर्चा करने के लिए सत्र करते थे। बेलगावी में कम से कम 20 दिन का सत्र हो। उन्होंने मांग की कि वहां की समस्याओं पर चर्चा हो। नॉर्थ कर्नाटक के मुद्दे पर आखिरी में विचार करने की बात कही गई थी। लेकिन अंत में मुख्यमंत्री ने भाषण दिया और चले गए। उन्होंने शिकायत की कि इंडस्ट्री लगाने, स्कूल शुरू करने और सिंचाई प्रोजेक्ट्स के मामले में फ्रॉड हुआ है। उन्होंने आलोचना की कि तुंगभद्रा बांध का गेट तोड़े एक साल हो गया है। उन्होंने एतराज जताया कि 12 करोड़ दिए जाने चाहिए, लेकिन यह देने लायक नहीं है। भाजपा और जेडीएस नेताओं ने पिछले सत्र में भी मिलकर काम किया है। उन्होंने बताया कि हमारे सभी नेता मुडा स्कैम, साइट रिटर्न, वाल्मीकि कॉर्पोरेशन स्कैम में मंत्री के इस्तीफे का मुद्दा, क्रिकेट स्टेडियम में 11 बेगुनाह लोगों की मौत पर असरदार तरीके से काम किया है। सरकार गलत रास्ते पर है। यह लोगों से किए वादों के खिलाफ जा रही है। कांग्रेस सरकार 60 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार बन गई है। ऐसी हालत हो गई है कि कर्नाटक को एटीएम में बदला जा रहा है और पैसा कांग्रेस सेंट्रल हाईकमान को भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि वे इसके खिलाफ लड़ेंगे। हमने बैठक में विधानसभा सत्र से जुड़े 10-12 मुद्दों पर चर्चा की। इस बैठक में केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी आए और उन्होंने सुझाव दिया। इसी तरह, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र ने सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि हम उन सभी पर विचार करेंगे। एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि बैठक में यह तय हुआ कि नॉर्थ कर्नाटक रीजन की समस्याओं को पहले दिन से ही प्राथमिकता के तौर पर लिया जाएगा। यादगीर, कलबुर्गी, बीदर, बागलकोट, बीजापुर, बेलगावी और रायचूर में बाढ़ के हालात थे। उन्होंने शिकायत की कि सरकार इस मुद्दे पर तीन-चार महीने बाद अपनी नींद से जाग रही है।

कार दुर्घटना में कर्नाटक के पांच लोगों की मौत

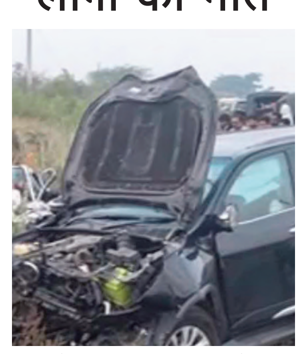

कोलार/शुभ लाभ ब्यूरो। आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले के कोटेकल गांव के पास एक दूसरी कार से आमने-सामने की टक्कर में कर्नाटक के एक परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई, जिसमें दो बच्चे भी शामिल थे। वे लोग दर्शन करने के लिए मंत्रालय जा रहे थे। मृतकों की पहचान कोलार जिले के बंगारूपेट तालुक के चिक्का होसाहल्ली गांव के वेंकटेशप्पा, सतीशकुमार, मीनाक्षी और उनके दो बच्चों के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी एन भार्गवी ने बताया कि यह हादसा सुबह करीब 4.30 बजे नेशनल हाईवे 167 पर हुआ। एमिगनुर मंडल के कोटेकल गांव में सुबह-सुबह दो कारों के बीच आमने-सामने की टक्कर में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। भार्गवी ने बताया कि हादसे में फॉर्च्यूनर कार में सवार दो लोग घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है और उसे इलाज के लिए कुरनूल सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चश्मदीदों ने बताया कि अडोनी की ओर जा रही फॉर्च्यूनर कार तेज रफ्तार से जा रही थी, तभी उसकी टक्कर दूसरी दिशा से आ रही स्विफ्ट कार से हो गई।

कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन चुनाव

हाई कोर्ट ने अध्यक्ष पद के लिए के.एन. शांत कुमार के नामांकन को वैध घोषित किया

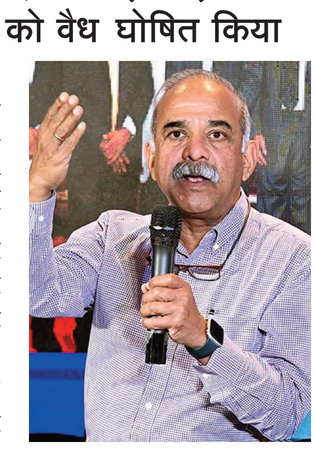

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक हाई कोर्ट ने चुनाव अधिकारी (ईओ) के उस फैसले को रद्द कर दिया है जिसमें द प्रिंटर्स (मैसूरु) प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर के.एन. शांत कुमार के नामाकंन पत्र को खारिज कर दिया गया था, और कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) के अध्यक्ष पद के लिए उनके नामांकन पत्र को वैध घोषित कर दिया है।

न्यायाधीश सूरज गोविंदराज ने शनिवार को यह आदेश दिया और ईओ के 24 नवंबर के फैसले को चुनौती देने वाली कुमार की याचिका को स्वीकार कर लिया। नामांकन पत्र इसलिए खारिज कर दिए गए क्योंकि स्पोर्ट्स क्लब, जिसकी केएससीए में इंस्टीट्यूशनल मेंबरशिप है, और जिसे कुमार रिप्रेजेंट करते हैं, का 200 का बकाया था। कुमार का नामांकन पत्र खारिज होने से पूर्व क्रिकेटर वेंकटेश प्रसाद के अध्यक्ष पद पर बिना किसी विरोध के चुने जाने का रास्ता बन गया था, क्योंकि उनका पत्र सही पाया गया था और अध्यक्ष पद के लिए तीसरी उम्मीदवार कल्पना वेंकटचार ने प्रसाद के समर्थन में अपना नामांकन वापस ले लिया था। कोर्ट के आदेश से, अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराने का रास्ता तैयार हो गया है। कोर्ट ने कहा कि चुनाव की बाकी प्रक्रिया कोर्ट द्वारा पहले तय किए गए कार्यक्रम के अनुसार होगी और चुनाव 7 दिसंबर को होने हैं। कोर्ट ने ईओ को अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की लिस्ट जारी करने का भी निर्देश दिया।

कुमार की तरफ से यह कहा गया कि ईओ द्वारा उनके नामांकन पत्र की स्क्रूटनी से पहले ही बकाया पेमेंट कर दिया गया था, क्योंकि बाय-लॉ में सिर्फ यह कहा गया है कि फाउंडर इंस्टीट्यूशनल मेंबर तब तक चुनाव नहीं लड़ सकते जब तक उन पर 100 से ज्यादा की सब्सक्रिप्शन फीस का पेमेंट बकाया है। इस बीच, केएससीए के सीईओ ने कोर्ट को बताया कि उन मेंबर की लिस्ट तैयार की गई थी जिन्होंने मेंबरशिप का पेमेंट नहीं किया है और इसलिए मेंबर को इलेक्शन प्रोसेस शुरू होने से पहले मेंबरशिप फीस के बकाया पेमेंट के बारे में नहीं बताया जा सकता था, क्योंकि बाय-लॉ के अनुसार, यह किसी मेंबर को इलेक्शन में वोट डालने और किसी भी बकाया पेमेंट के पेंडिंग होने तक चुनाव लड़ने से रोकता है।

प्रसाद और कल्पना की तरफ से यह कहा गया कि कुमार का नॉमिनेशन पेपर रिजेक्ट करना सही था क्योंकि नॉमिनेशन पेपर भरने से पहले एरियर का पेमेंट किया जाना चाहिए था।

बीएमटीसी ने वज्र एसी साप्ताहिक पास का किराया घटाकर 700 किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रीमियम सार्वजनिक परिवहन को और सस्ता बनाने के लिए, बेंगलूरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (बीएमटीसी) ने शुक्रवार को अपनी वज्र एसी बस सर्विस के लिए साप्ताहिक पास के किराए में कमी की घोषणा की है। बदला हुआ किराया तुरंत लागू होगा। 1 अगस्त 2025 से, वज्र एसी वीकली पास की कीमत 750 थी, जिसमें टोल चार्ज शामिल नहीं थे। बीएमटीसी ने अब इसकी कीमत घटाकर 700 कर दी है, जिससे रेगुलर यात्रियों के लिए 50 की कमी आई है। निगम ने एक विज्ञप्ति में कहा कि यह फैसला यात्रियों को ज्यादा कॉम्पिटिटिव कीमत देने और शहर में पब्लिक ट्रांसपोर्ट की ओर ज्यादा झुकाव को बढ़ावा देने के लिए लिया गया था। वज्र एसी बसें, जो कई आईटी कॉरिडोर और हाई-डेंसिटी रूट पर चलती हैं, कार्यालय जाने वाले और रोजाना इस्तेमाल करने वाले लोग प्राइवेट गाड़ियों और राइड-हेलिंग सर्विस के विकल्प के तौर पर बहुत ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। अधिकारियों ने कहा कि किराए में इस बदलाव से उन हजारों रोजाना यात्रियों को फायदा होने की उम्मीद है जो साप्ताहिक पास पर निर्भर हैं। बीएमटीसी ने यह भी साफ किया है कि वज्र साप्ताहिक पास सिर्फ डिजिटल फॉर्मेट में ही जारी किया जाएगा।

30 गांवों को तंबाकू मुक्त बनाने का लक्ष्य 639 शिक्षण संस्थान तंबाकू मुक्त घोषित

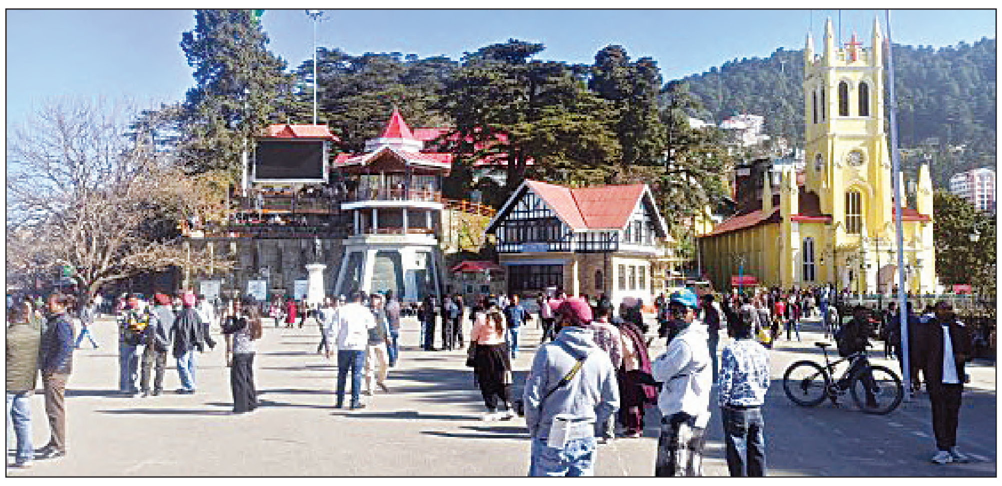

शिमला,29 नवंबर (एजेंसियां)। जिले में युवाओं को नशे से दूर रखने और तंबाकू सेवन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। जिला स्तरीय तंबाकू नियंत्रण समिति की बैठक शनिवार को उपायुक्त अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में शिमला में आयोजित हुई, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी, हितधारक और राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम से जुड़े प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक में तंबाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 के तहत चल रही गतिविधियों और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

उपायुक्त अनुपम कश्यप ने कहा कि जिला शिमला में 30 गांवों को तंबाकू मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए ग्राम स्तर पर समन्वय समिति गठित की जाएगी, जिसमें ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी शामिल होंगे। गांव में एक तंबाकू एंबेसडर भी नियुक्त किया जाएगा, जिसकी सामाजिक प्रतिष्ठा हो और लोग उसकी बात मानते हों। सभी मानकों को पूरा करने के बाद ही गांव को तंबाकू मुक्त घोषित किया जाएगा।

अभियान के तहत अब तक 2458 जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा चुकी हैं। 639 शिक्षण संस्थानों को तंबाकू मुक्त घोषित किया गया है और 16 फ्लाइंग स्क्वाड काम कर रहे हैं। प्रतिदिन औसतन 28 सोशल मीडिया पोस्ट साझा की जा रही हैं, जबकि 14 प्रशिक्षण कार्यक्रम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित किए गए हैं।

उपायुक्त ने कहा कि तंबाकू सेवन एक गंभीर सामाजिक और स्वास्थ्य समस्या है जिससे युवाओं को बचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि तंबाकू मुक्त वातावरण तैयार करने के लिए सभी विभागों का संयुक्त प्रयास जरूरी है। अभियान 9 अक्तूबर से शुरू होकर 8 दिसंबर तक चलेगा, जिसके दौरान स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सभी गतिविधियों का अभिलेख राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा और इसकी निगरानी स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय करेगा।

बैठक में उजढझ- अधिनियम 2003 के तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध नियमों के कड़ाई से पालन पर जोर दिया गया। साथ ही हिमाचल प्रदेश खुदरा व्यापार लाइसेंस अधिनियम 2016 के अंतर्गत तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर नियंत्रण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि तंबाकू नियंत्रण कानूनों का सख्त क्रियान्वयन किया जाएगा और जनता को इसके दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। बैठक के अंत में सभी अधिकारियों और प्रतिनिधियों को तंबाकू मुक्त अभियान की शपथ दिलाई गई।

अंतर्राज्यीय स्मैक कारोबारी सास-दामाद 206 ग्राम स्मैक, 50 हजार नगद के साथ गिरफ्तार

बीहार,29 नवंबर (एजेंसियां)।

जिले की पलासी थाना पुलिस ने शनिवार को गुप्त सूचना पर अंतर्राज्यीय स्मैक कारोबार करने वाला सास और दामाद को 206 ग्राम स्मैक,50 हजार रूपये नगद के साथ गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।जानकारी एसपी अंजनी कुमार ने दी।एसपी अंजनी कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में जानकारी देते हुए बताया कि पलासी थाना में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार को गुप्त सूचना मिली कि कलियागंज से आ रही राज दुलारा बस संख्या बीआर 38 पी 3278 में एक महिला और एक पुरुष स्मैक लेकर पलासी की ओर आ रहा है।प्रमोद कुमार ने इसकी सूचना थानाध्यक्ष समेत वरीय अधिकारियों को दी।जिसके बाद एसपी अंजनी कुमार ने तुरंत ही पलासी थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया।छापामारी दल पलासी चौक पर पहुंचकर बस का इंतजार करने लगी।बस के आने पर जब बस की तलाशी ली गई तो दो अलग अलग सीट पर एक महिला और एक पुरुष संदिग्ध हालत में बैठी मिली।पूछने पर नाम पता बदल बदलकर बता रही थी।जिसके बाद छापामारी दल ने दोनों को बस से उनके समानों के साथ नीचे उतारकर तलाशी ली तो पश्चिम बंगाल के मालदा जिला के महेशापुर नयाग्राम कलिया चौक के 40 वर्षीय सलिअख शेख पिता सोलू शेख के पास से एक मोबाइल और मालदा के खनता कलिया चौक की रहने वाली महिला 58 वर्षीया बेहुला पति मंसूर अली के कपड़ों में छिपाकर रखे गए काले रंग के पालीथिन में 206 ग्राम स्मैक और 50 हजार नगद राशि बरामद की गई।दोनों आपस में सास और दामाद है और दोनों मिलकर स्मैक कारोबार करने की बात पुलिसिया पूछताछ में स्वीकार की।मामले को लेकर पलासी थाना में कांड संख्या 471/25 दिनांक 29.11.25 धारा 8(सी),20(बी),22(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज किया गया है।एसपी ने बताया कि स्मैक की खरीद बिक्री से जुड़े अन्य पहलुओं को लेकर पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। छापामारी दल में पलासी थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार,सब इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार,अमरनाथ राय, रौशन कुमार सिंह,श्यामा सिंह और सशस्त्र बल के जवान थे।

हाइलाइफ एग्जीबिशन-फैशन स्पेशल एडिशन का ग्रैंड लॉन्च जिसमें डिज़ाइनर वियर, ट्रेंडिंग फैशन, ईयर एंड स्पेशल, ज्वेलरी, फैशन वियर, साड़ी, वेडिंग वियर, लग्ज़री, लाइफस्टाइल, डेकोर और भी बहुत कुछ शामिल है - हाइलाइफ एग्जीबिशन 29 और 30 नवंबर और 1 दिसंबर, 2025 को हैदराबाद में HICC - नोवोटेल, हाईटेक सिटी, हैदराबाद में हो रहा है। हाइलाइफ एग्जीबिशन में 350 से ज़्यादा डिज़ाइनर शामिल हो रहे हैं। एक्ट्रेस चांदनी भगवानानी, एक्ट्रेस मालवी मल्होत्रा, उर्मिला चौहान (मिस इंडिया तेलंगाना - 2023), फैशन लवर्स, फैशन के शौकीनों ने हाइलाइफ एग्जीबिशन के ग्रैंड लॉन्च में शिरकत की, जो 29 और 30 नवंबर और 1 दिसंबर, 2025 को हैदराबाद में HICC - नोवोटेल, हाईटेक सिटी, हैदराबाद में हो रहा है।

उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में पेंशनर्स ने निकाला कैंडिल मार्च

लखनऊ,29 नवंबर (एजेंसियां)। केन्द्रीय आठवें वेतन आयोग के विचारणीय विषय में जनवरी 2026 के पूर्व के सेवानिवृत्त पेंशनर्स के पेंशन के पुनरीक्षण एवं महंगाई राहत तथा अन्य लाभ को शामिल किये जाने की मांग को लेकर आज उत्तर प्रदेश के जनपदों में पेंशनर्स ने आमसभा कर कैंडिल मार्च निकालकर स्थानीय प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपने का काम किया है और ज्ञापन की प्रतियां केन्द्रीय वित्तमंत्री, प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा सम्बन्धितों को भेजा है। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन के आवाहन पर हुये इस कार्यक्रम में कर्मचारियों एवं शिक्षकों के सेवारत संगठन सहित दर्जनों विभागों से जुड़े पेंशनर्स ने बड़ी संख्या भागीदारी कर आंदोलन को धार दिया है। लखनऊ में यह कार्यक्रम बीएन सिंह प्रतिमा स्थल पर किया गया। आमसभा के पश्चात् गांधी प्रतिमा तक कैंडिल मार्च निकालकर सरकार को सद्बुद्धि के लिए प्रार्थना की गई और पुलिस कमिश्नर के माध्यम से प्रधानमंत्री, वित्तमंत्री एवं मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा गया। प्रदेश भर के जनपदों से विभिन्न श्रोतों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर महामंत्री ओपी त्रिपाठी ने दावा किया कि आज कार्यक्रम में प्रदेश भर में लगभग 50,000 पेंशनर्स ने भाग लिया। पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अमरनाथ यादव ने कहा कि वित्त विधेयक 2025 के माध्यम से बदलाव कर सेवानिवृत्त तिथि के आधार पर पेंशनर्स में भेद करने का अधिकार अपने हाथ में लिया था, और उसका क्रियान्वयन 8वें केन्द्रीय वेतन आयोग के विचारणीय विषय से सरकार रिपोर्ट लागू होने की प्रस्तावित तिथि 1 जनवरी 2026 से पूर्व के सेवानिवृत्त पेंशनर्स को बाहर का रास्ता दिखाकर किया है।

दीक्षा दिवस पर केटीआर ने कांग्रेस पर विश्वासघात का लगाया आरोप

हैदराबाद, 29 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दीक्षा दिवस के अवसर पर, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने केसीआर के 2009 के आमरण अनशन की वर्षगांठ को याद किया, जिसने तेलंगाना आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी । केटीआर ने कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए उसे तेलंगाना की कहानी में स्थायी खलनायक बताया और राज्य के लोगों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि केसीआर के प्रयासों के बिना, आज तेलंगाना का अस्तित्व ही नहीं होता।

केटीआर ने तेलंगाना के लोगों द्वारा दिए गए बलिदानों और छह दशकों के दौरान कांग्रेस शासन द्वारा किए गए अन्याय को याद किया। उन्होंने घोषणा की कि बीआरएस सचिवालय के प्रवेश द्वार पर राजीव गांधी की प्रतिमा के स्थान पर तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा स्थापित करेगी, जो तेलंगाना के गौरव की पुनर्स्थापना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लिए संघर्ष सिर्फ़ इतिहास नहीं, बल्कि एक पहचान है जिसकी हर दिन रक्षा की जानी चाहिए। केटीआर ने कांग्रेस नेतृत्व पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पार्टी को के चंद्रशेखर राव (केसीआर) के 2009 के अनशन पर टिप्पणी करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

उन्होंने कहा, आंदोलन के दौरान किसी को पता नहीं था कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कहाँ हैं। आज वह केसीआर के अनशन के बारे में बेबाकी से बोल रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि केंद्र सरकार और तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व, दोनों ने ही केसीआर से अनशन के राजनीतिक प्रभाव को देखते हुए उसे वापस लेने का आग्रह किया था।

तेलंगाना के इतिहास में कांग्रेस को स्थायी खलनायक बताते हुए उन्होंने कहा कि आंदोलन के दौरान युवाओं की मौत के लिए पार्टी नेतृत्व के हाथ खून से रंगे हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, केसीआर जैसे तीन अक्षरों के बिना, तेलंगाना नहीं होता। केटीआर ने सत्तारूढ़ पार्टी को चुनौती दी कि वह कांग्रेस में शामिल हुए विधायकों से इस्तीफ़ा दिलवाकर नया जनादेश हासिल करे।

दीक्षा दिवस के महत्व पर केटीआर ने कहा कि यह दिन शहीदों और आंदोलन में शामिल लाखों लोगों के बलिदान की सामूहिक पुष्टि का प्रतीक है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए कहा कि बीआरएस ने तेलंगाना के गठन के बाद शिष्टाचार के नाते सोनिया गांधी को धन्यवाद दिया था, लेकिन उन्हें कभी 'बलि देवता' नहीं कहा। उन्होंने कहा, आप चाहें तो हमारा अपमान कर लें, लेकिन तेलंगाना का अपमान न करें।

तेलंगाना की पहचान को कमजोर करने के लिए कांग्रेस की बीआरएस की आल-ोचना को दोहराते हुए केटीआर ने घोषणा की कि यदि पार्टी सत्ता में वापस आती है तो सचिवालय के प्रवेश द्वार पर राजीव गांधी की प्रतिमा के स्थान पर तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा स्थापित करेगी।

केसीआर के 2009 के उपवास को लोकतांत्रिक विरोध आंदोलनों में एक निर्णायक क्षण बताते हुए, केटीआर ने इसकी तुलना भारत के स्वतंत्रता संग्राम के निर्णायक मोड़ से की। उन्होंने कहा कि इस उपवास ने समाज के सभी वर्गों को ऊर्जा प्रदान की और तेलंगाना आंदोलन को एक अजेय शक्ति में बदल दिया। उन्होंने याद दिलाया कि बीआरएस विधायकों ने इस मुद्दे पर बार-बार इस्तीफा दिया, और कांग्रेस नेताओं पर अपने पदों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया।

केटीआर ने कहा कि दीक्षा दिवस को दशहरा जैसे प्रमुख त्योहारों की तरह ही मनाया जाना चाहिए, जो न्याय की जीत का प्रतीक है। उन्होंने लोगों से पिछले छह दशकों में हुए अन्याय और अधूरे वादों को याद करने का आग्रह किया। रानी रुद्रमा देवी, सम्मक्का-सरलम्मा, कोमुराम भीम और चकाली ऐलम्मा सहित तेलंगाना के ऐतिहासिक प्रतीकों का उल्लेख करते हुए उन्होंने दिल्ली की सामंती मानसिकता के खिलाफ प्रतिरोध का आह्वान किया।

उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि तेलंगाना आंदोलन से उपजी बीआरएस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो राज्य के हितों की रक्षा करने में सक्षम है।

उन्होंने कहा, चुपचाप रहकर भी केसीआर राजनीति को हिला देते हैं। उनकी आवाज़ से तेलंगाना फिर से उठ खड़ा होगा।

इस बीच, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने 21 नवंबर को आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार की नव घोषित हैदराबाद औद्योगिक भूमि परिवर्तन नीति (एचआईएलटीपी) - जो आउटर रिंग रोड (ओआ-रआर) के अंदर औद्योगिक भूमि को बहु-उपयोग क्षेत्रों में परिवर्तित करने का प्रयास करती है - भारत के सबसे बड़े भूमि घोटाले का एक साधन है और इसे तत्काल वापस लेने की मांग की।

केटीआर ने दावा किया कि इस घोटाले से राज्य के खजाने को 5 लाख करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है।

विशेष वर्ग का वर्चस्व और मुसलमानों को अपमानित करने का कृत्य स्वीकार्य नहीं : मौलाना महमूद मदनी

भोपाल,29 नवंबर (एजेंसियां)। भोपाल में जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी की अध्यक्षता में शनिवार को प्रबंधन कमेटी की सभा हुई, जिसमें वक्फ संशोधन अधिनियम, इस्लामोफोबिया, कथित लव जिहाद, मदरसों की सुरक्षा, इस्लामी माहौल में आधुनिक शिक्षा, समान नागरिक संहिता और फिलिस्तीन में जारी नरसंहार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर स्पष्ट रुख प्रस्तुत किया गया। बैठक में देश भर से प्रबंधन कमेटी के 1500 सदस्यों ने भाग लिया। सुबह के पहले सत्र में मौलाना महमूद असद मदनी ने कहा कि देश की वर्तमान परिस्थितियां काफी संवेदनशील और चिंताजनक हैं। यह कहना बेहद दुखद है कि एक वर्ग विशेष का वर्चस्व स्थापित करने और अन्य वर्गों को कानूनी रूप से मजबूर, सामाजिक रूप से अलग-थलग करने और आर्थिक रूप से अपमानित और वंचित करने के लिए आर्थिक बहिष्कार, बुलडोजर कार्रवाई, मॉब लिंचिंग, मुस्लिम वक्फ संपत्तियों में तोड़फोड़ और धार्मिक मदरसों और इस्लामी प्रतीकों के खिलाफ नकारात्मक अभियान चलाकर नियमित और संगठित प्रयास किए जा रहे हैं। मौलाना मदनी ने धर्मांतरण कानून को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि देश का संविधान हमें अपने धर्म का पालन करने और उसका प्रचार करने की अनुमति देता है, लेकिन इस कानून में संशोधन करके इस मौलिक अधिकार को खत्म किया जा रहा है। इस कानून का इस्तेमाल इस तरह किया जा रहा है कि धर्म का प्रचार करना अपराध और सजा योग्य बन जाए। दूसरी ओर, 'घर वापसी' के नाम पर हिंदू धर्म अपनाने वालों को खुली छूट है। उनसे न तो कोई सवाल किया जाता है और न ही कोई कानूनी कार्रवाई की जाती है। ऐसा लगता है कि समाज को एक खास धार्मिक दिशा की ओर धकेला जा रहा है।

मौलाना मदनी ने 'लव जिहाद' जैसी मनगढ़ंत अवधारणा पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि इस्लाम विरोधी तत्वों ने जिहाद जैसे पवित्र धार्मिक शब्द को गाली और हिंसा का पर्याय बना दिया है और लव जिहाद, जमीन जिहाद, शिक्षा जिहाद, थूक जिहाद जैसे जुमलों से मुसलमानों को बदनाम किया जा रहा है और उनके धर्म का अपमान किया जा रहा है। दुर्भाग्य से, कुछ सरकारी और मीडिया कमी भी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करने से बाज नहीं आते।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इस्लाम में जिहाद एक पवित्र कर्तव्य है, जिसका उद्देश्य प्रताड़ना का अंत, मानवता की रक्षा और शांति स्थापित करना है, और यहां तक कि उत्पीड़न और अराजकता को रोकने के लिए युद्ध भी जायज है। लेकिन यह हमेशा ध्यान में रखना चाहिए कि जिहाद कोई व्यक्तिगत या निजी पहल नहीं है, बल्कि केवल एक सशक्त और संगठित राज्य ही शरीआ के सिद्धांतों के अनुसार इस पर निर्णय ले सकता है। उन्होंने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष देश है जहां इस्लामी राज्य की अवधारणा मौजूद नहीं है, इसलिए यहां जिहाद के नाम पर कोई बहस ही नहीं। मुसलमान संवैधानिक रूप से बाध्य हैं और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए सरकार जिम्मेदार है।

मौलाना मदनी ने स्पष्ट किया कि इस्लाम के अनुसार, 'जिहाद-ए-अकबर' मनुष्य के भीतर की बुराई, लालच, लोभ, क्रोध और आत्म-विद्रोह से लड़ने का नाम है, जो हर युग का सबसे बड़ा संघर्ष है। इस अवसर पर दारुल उलूम देवबंद के मोहतमिम और हदीस के शेख मौलाना मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी ने तजकिया नफ्स (आत्म शुद्धि) पर संबोधित करते हुए कहा कि हमारा मुख्य लक्ष्य धर्म है। हम अपनी पीढ़ियों की रक्षा और धर्म की रक्षा के लिए जमीयत से जुड़े हैं और किसी भी कार्य की सफलता ईमानदारी पर निर्भर करती है, जबकि ईमानदारी का आधार नीयत की शुद्धता पर है।

जमीयत उलमा-ए-हिंद के उपाध्यक्ष और दारुल उलूम देवबंद के प्रोफेसर मौलाना मोहम्मद सलमान बिजनौरी ने कहा कि ईमान सबसे बड़ी नेमत है और इसकी रक्षा के लिए हर त्याग दिया जा सकता है। इसी उद्देश्य से इस्लामी माहौल वाले स्कूलों की स्थापना अपरिहार्य हो गई है, अन्यथा हमारी पीढ़ियां बौद्धिक और धार्मिक भटकाव का शिकार हो सकती हैं। उन्होंने मदरसों पर लग रहे आरोपों को निराधार बताया और विरोधियों को खुद मदरसों का दौरा करने का न्योता दिया, क्योंकि यह संस्थान खुली किताब की तरह पारदर्शी हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय मुसलमान कभी भी देश विरोधी तत्वों के साथ नहीं रहे हैं और न ही कभी रहेंगे। अंत में उन्होंने कहा कि हम अपने धर्म की शिक्षाओं के अनुसार इस देश से प्यार करते हैं और एक व्यक्ति जितना अच्छा मुसलमान होगा, उतना ही वह अपनी मातृभूमि से प्यार करेगा। इनके अलावा, दारुल उलूम देवबंद के प्रोफेसर मौलाना मुफ्ती मोहम्मद सलमान मंसूरपुरी ने धार्मिक शिक्षा के महत्व पर विस्तृत भाषण दिया।

जमीयत उलमा कर्नाटक के अध्यक्ष मुफ्ती इफ्तिखार कासमी, दारुल उलूम देवबंद के प्रोफेसर मौलाना अब्दुल्ला मारूफी, मौलाना अमीनुल हक महासचिव जमीअत उलमा यूपी, जमीअत उलमा तेलंगाना के उपाध्यक्ष मौलाना अब्दुल कवी, मुफ्ती अशफाक काजी मुंबई, मौलाना नदीम सिद्दीकी महाराष्ट्र, मौलाना साजिद फलाही, मुफ्ती अब्दुल रज्जाक अमरोहवी, मौलाना याह्या करीमी, मौलाना जैनुल आबिदीन कर्नाटक, और मौलाना मुफ्ती सलीम साकरस ने भी विभिन्न विषयों पर संबोधन दिया। मौलाना नियाज अहमद फारूकी ने सालाना बजट पेश किया।

20 दिसंबर तक पूर्ण कर लें खिचड़ी मेले से जुड़े सभी कार्य : सीएम योगी

गोरखपुर । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि गोरखनाथ मंदिर में मकर संक्रांति पर लगने वाले विश्व प्रसिद्ध खिचड़ी मेले से जुड़े सभी कार्य 20 दिसंबर तक हर हाल में पूर्ण कर लिए जाएं। खिचड़ी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा व सहूलियत प्राथमिकता होनी चाहिए। यह ध्यान रखा जाए कि श्रद्धालुओं को कहीं कोई दिक्कत न हो। सीएम योगी ने शनिवार पूर्वाह्न गोरखनाथ मंदिर के सभाकक्ष में खिचड़ी मेला की तैयारियों को लेकर महापौर और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखनाथ मंदिर के खिचड़ी मेले से न सिर्फ पूर्वी उत्तर प्रदेश वरन बिहार, नेपाल से लगायत देश-दुनिया के सनातन मतावलंबियों की आस्था जुड़ी है। इसके दृष्टिगत मेले में सभी बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था की जाये जिससे मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। दूरदर्शन व आकाशवाणी के जरिए मेले का सजीव प्रसारण किया जाएगा ताकि वे लोग भी मेले में वर्चुअल सहभागी हो सकें जो किंचित कारणों से इसमें शामिल नहीं हो पा रहे हों। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों की तरफ से खिचड़ी मेला को लेकर की जा रही तैयारियों की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने कहा कि जो भी कार्य शेष रह गए हैं, उन्हें शीघ्रता से पूरा कर लिया जाए। ध्यान रहे सभी कार्य 20 दिसंबर तक पूरे हो जाने चाहिए। सभी श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सहूलियत में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने खिचड़ी मेला में स्वच्छता और सफाई पर खास ध्यान देने के साथ इस मेले को जीरो वेस्ट इवेंट बनाने के लिए नगर निगम को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मेला क्षेत्र में पर्याप्त स्थायी एवं अस्थायी प्रकाश व्यवस्था भी कराएं। उन्होंने कहा कि समय रहते

मंदिर मार्ग की सभी स्ट्रीट लाइट का परीक्षण कर कोई दिक्कत मिलने पर उसे दुरुस्त कर लिया जाए।

बैठक में सीएम योगी ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए खिचड़ी मेला स्पेशल ट्रेनों का संचलन किया जाएगा। इसके लिए रेलवे प्रशासन से संवाद कर अलग-अलग स्टेशनों से मेला स्पेशल ट्रेनों का संचलन कराने की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाएगी। स्पेशल ट्रेनों के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाए। शहर के ठहराव वाले स्टेशनों से इलेक्ट्रिक सिटी बसों की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखनाथ मंदिर के खिचड़ी मेला में आने के लिए श्रद्धालुओं को सुदूर ग्रामीण क्षेत्र तक परिवहन की सुविधा मिलनी चाहिए। परिवहन विभाग इसके लिए अभी से बसों के इंतजाम की तैयारी शुरू कर दे। किन स्थानों से खिचड़ी मेला स्पेशल बसों का संचलन किया जाएगा, इसका व्यापक प्रचार प्रसार भी किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खिचड़ी मेला के समय शीतलहर का भी दौर रहता है। इस दौरान आमजन की सुविधा के लिए पर्याप्त संख्या में अलाव जलवाने के पर्याप्त इंतजाम होने चाहिए। अलाव के लिए लकड़ी की व्यवस्था के लिए उन्होंने वन विभाग को निर्देशित किया।

सीएम योगी ने खिचड़ी मेला में सतर्कता और सुरक्षा व्यवस्था को शीर्ष प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा चुस्त दुरुस्त होनी चाहिए। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए महिला पुलिस की पर्याप्त संख्या में तैनाती और महिला हेल्प डेस्क की स्थापना सुनिश्चित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था की कंट्रोल रूम से एकीकृत निगरानी करने के साथ ही पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस मेले के दौरान पीए सिस्टम के माध्यम से श्रद्धालुओं को लगातार जरूरी जानकारी भी देती रहे। इसके साथ ही मुख्य मेला दिन और भीड़ होने के अन्य दिनों पर भीड़ नियंत्रण पर पूरा फोकस होना चाहिए। उन्होंने भीड़ नियंत्रण के लिए एनसीसी और सिविल डिफेंस की सेवा लेने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस को सुरक्षा और सतर्कता पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

सीएम योगी ने कहा कि यातायात प्रबंधन के लिए पर्याप्त यातायात पुलिस और होमगार्ड्स की तैनाती के साथ लगातार सीसीटीवी मॉनिटरिंग की जाए। वाहनों की पार्किंग और डायवर्जन की तैयारी अभी से होनी चाहिए।

बैठक में सीएम योगी ने निर्देश दिया कि नगर निगम, गोरखपुर विकास प्राधिकरण तथा लोक निर्माण विभाग की जिम्मेदारी है कि वे सभी सड़कों को भी समयबद्ध ढंग से ठीक करायें जिससे किसी को भी आवगमन में असुविधा न हो। सीएम योगी ने कहा कि स्वास्थ्यमेलेग को मेला के दौरान विशेष तौर पर अलर्ट रहना होगा। मेला परिसर में हेल्थ कैम्प भी लगाया जाए। अस्पतालों को भी एलर्ट मोड पर रखने की आवश्यकता होगी ताकि आकस्मिक जरूरत पर किसी तरह की परेशानी न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भी ध्यान रखा जाए कि खिचड़ी मेले में आने वाला कोई भी श्रद्धालु खुले में न सोये, उसे निकट के रैन बसेरों में सम्मानपूर्वक आवासित कराया जाए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी रैन बसेरों में पर्याप्त बिस्तर, कंबल तथा सफाई आदि की व्यवस्था बेहतर हो। सभी रैन बसेरों में जरूरी इंतजाम अभी से सुनिश्चित किए जाएं। श्रद्धालुओं के भोजन संबंधी सुविधा के लिए सीएम योगी ने कम्युनिटी किचन और भंडारों के आयोजन के लिए लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता भी जताई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खिचड़ी मेले में बहुत सी अस्थायी दुकानें भी लगती हैं। इन सभी दुकानों की समय रहते इलेक्ट्रिक सेफ्टी जांच हो जानी चाहिए। मेले में लग रहे झूलों की सुरक्षा की समय रहते परख कर ली जाए। इसके साथ ही मेले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों के गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य वस्तुओं के नमूनों की जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखा जाए कि मेले में किसी भी प्रकार का मिलावटी खाद्य पदकार का मिलावटी खाद्य पदार्थ न बिकने पाए।

उत्तर प्रदेश के मंत्री जयवीर सिंह ने 8.2 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ रेट पर केंद्र सरकार की सराहना की

मैनपुरी, 29 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री जयवीर सिंह ने 8.2 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ रेट को लेकर केंद्र सरकार की सराहना की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल वित्तीय प्रबंधन और साहसिक फैसलों से देश की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। मंत्री जयवीर सिंह ने शनिवार को आईएएनएस से बातचीत में जीडीपी ग्रोथ में सुधार पर देश के लोगों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी। उन्होंने कहा, जीएसटी में कटौती और वित्तीय प्रबंधन को दुरुस्त करने के लिए ठोस कदम उठाए गए। इसके लिए प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री और पूरी सरकार बधाई की पात्र हैं। अमेरिका जैसे देश के टैरिफ के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

जयवीर सिंह ने यह भी कहा कि सामरिक और आर्थिक क्षेत्रों में भारत ने वैश्विक स्तर पर मजबूत स्थिति हासिल की है, जो हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा, सामरिक क्षेत्र में एक-दो देशों को छोड़ दें तो सबसे शक्तिशाली देशों की श्रेणी में भारत खड़ा है। यह हर हिंदुस्तानी के लिए

गौरवशाली क्षण है। राष्ट्र के हर नागरिक को अपने आपको इस पर गौरवान्वित महसूस करना चाहिए।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर को लेकर उठे विवाद पर मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि देश के 12 राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है और यह मतदाता सूची को पारदर्शी तथा त्रुटिरहित बनाने का काम है। उन्होंने कहा, एसआईआर से केवल वही लोग परेशान हैं जिनके दो या तीन स्थानों पर वोट बने हुए थे या जिन्होंने अवैध तरीके से वोट बनवाए थे। सही मतदाता सूची बनने से लोकतंत्र और मजबूत होगा।

उन्होंने आगे कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव की तरह सही मतदाता सूची से वास्तविक मतदान प्रतिशत सामने आएगा और लोकतंत्र को नई ताकत मिलेगी।

इस दौरान, उन्होंने राज्यसभा में भाषणों के दौरान 'जय हिंद' और 'वंदे मातरम' जैसे नारों पर रोक लगाने वाली एडवाइजरी पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि यह कोई राजनीतिक विषय नहीं है।

जयवीर सिंह ने कहा, देशभक्ति गीतों या राष्ट्रगान के जरिए देश की भावना, देश के लिए प्यार या देश के प्रति सम्मान दिखाने वाले किसी भी व्यक्ति को कोई एतराज नहीं होना चाहिए। यह कोई राजनीतिक विषय नहीं है। यह विषय राष्ट्र धर्म से जुड़ा है। देश के प्रति सम्मान दिखाना हमारे देश के गर्व और गरिमा से जुड़ा है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में तेजी से आगे बढ़ रहा भारत', जीडीपी ग्रोथ सुधार पर बोले यूपी के उपमुख्यमंत्री

लखनऊ, 29 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी टैरिफ के दबाव के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था जुलाई-सितंबर तिमाही में 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। इस पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने प्रतिक्रिया दी है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। जीडीपी की ग्रोथ रेट संदेश देती है कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती है। भारत सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है और विकास कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि देश सुरक्षित दिखाई दे रहा है और इसे दुनिया मान भी रही है। भारत के खिलाफ साजिश करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि भारत ने जीडीपी में बड़ी छलांग लगाई है, ये सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हर सेक्टर में तेजी से काम हुआ है। कृषि विज्ञान से लेकर अंतरिक्ष विज्ञान तक हर दुनिया के साथ कदम ताल मिलाते हुए बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा, जीडीपी की ग्रोथ इस बात का एहसास कराती है कि भारत आर्थिक क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ा है। 2014 में भारत अर्थव्यवस्था के मामले में 11वें पायदान पर था, जो अब चौथे स्थान पर है और जल्द हम तीसरे स्थान पर होंगे।इससे पहले, जीडीपी ग्रोथ रेट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लीडरशिप में भारत की अर्थव्यवस्था मजबूती और स्पष्टता के साथ आगे बढ़ रही है।मुख्यमंत्री योगी ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, वित्तीय वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ लगातार सुधारों, स्थिर गवर्नेंस और डेवलपमेंट पर ध्यान देने वाले नजरिए की सफलता को दिखाती है। नया भारत आश्वस्त होकर महत्वाकांक्षी और लंबे समय की ग्रोथ के लिए एक साफ रोडमैप के साथ आगे बढ़ रहा है।

गांवों में नालियों एवं आंतरिक सड़कों का निर्माण प्राथमिकता पर किया जाय : केशव

लखनऊ, 29 नवंबर (एजेंसियां)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि गांवों में पानी की निकासी हेतु नाली एवं पर्याप्त सड़कों का होना ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए बहुत आवश्यक है, कहीं कहीं वर्षा ऋतु में जल भराव की समस्या गम्भीर हो जाती है, जिससे ग्रामीणों को असुविधा होती है। ग्रामीण क्षेत्र में पर्याप्त आंतरिक गलियां उपलब्ध हो और भराव,जल प्लावन की स्थिति बिल्कुल भी न हो, इस हेतु उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को व्यापक दिशा निर्देश दिए हैं।उन्होंने ग्रामों में जलभराव की समस्या के निदान हेतु नाली एवं नागरिक सुविधाओं हेतु आंतरिक सड़कों का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर कराये जाने के निर्देश देते हुए कहा है कि मनरेगा गाइड लाइन्स में निहित प्राविधानों के तहत यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराये जांय।ग्राम्य विकास आयुक्त जी एस प्रियदर्शी ने बताया कि शासन द्वारा सभी जिला अधिकारियों,जिला कार्यक्रम समन्वयक मनरेगा को समय- समय पर जारी शासनादेशो दिशा निर्देशों का हवाला देते हुए कहा गया है कि आपरेशन कायाकल्प के अन्तर्गत मनरेगा एवं राज्य वित्त चतुर्थ राज्य वित्त,14वां वित्त आयोग की धनराशि को अभिसरण कर प्रत्येक ग्राम पंचायत में वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना के अनुरूप कार्यस्थलों का चिन्हांकन करके आवश्यकतानुसार पक्का खड़न्जा ,नाली निर्माण कार्य कराये जांय।मनरेगा आपरेशनल गाइडलाइन व मास्टर सर्कुलर का उल्लेख करते हुए मनरेगा गाइडलाइन के अनुसार कार्य कराये जाने की अपेक्षा की गयी है । यह भी इंगित किया गया है कि मनरेगा में श्रम सामग्री अनुपात 60:40 प्राविधानित होने के कारण सामग्री मद सीमित रहेगा। इस सामग्री मद में नागरिक सुविधाओं के लिए आंतरिक सड़कों एवं जल प्रवाह हेतु नालियों का बनाया जाना प्राथमिकता पर वांछनीय है।

राष्ट्रीय अभिभावक सम्मेलन का शुभारम्भ

बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के कल्याण की समाज की सामूहिक जिम्मेदारी : थावरचंद गहलोत

लखनऊ 29 नवम्बर । डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ में राष्ट्रीय संस्थान बौद्धिक दिव्यांगजन सशक्तिकरण के तत्वावधान में 31वें राष्ट्रीय अभिभावक सम्मेलन 2025 का शुभारम्भ कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप तथा मुख्यमंत्री सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी की उपस्थिति में शनिवार को हुआ । राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने कहा कि बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के समग्र कल्याण की जिम्मेदारी समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। अभिभावकों को गार्जियनशिप संबंधी प्रक्रियाओं में सहयोग मिलना अत्यंत आवश्यक है ताकि बच्चों का भविष्य सुरक्षित रह सके। उन्होंने परिवार संगठन द्वारा पिछले 30 वर्षों में किए गए सराहनीय कार्यों का उल्लेख करते हुए नीति-निर्माण में उनकी सक्रिय भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।प्रदेश के दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार बौद्धिक दिव्यांग बच्चों की शिक्षा, प्रशिक्षण और पुनर्वास के लिए हर संभव कदम उठा रही है। प्रदेश सरकार की योजनाओं और नीतियाँ को जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू करते हुए, प्रत्येक पात्र दिव्यांगजन को लाभान्वित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री सलाहकार अवनीश अवस्थी ने समाज के सभी वर्गों से आह्वान किया कि वे बौद्धिक दिव्यांगजन को अवसर प्रदान कर समाज की मुख्यधारा में सम्मिलित करने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएँ।कार्यक्रम के दौरान अनेक महत्वपूर्ण गतिविधियाँ सम्पन्न हुईं, जिनमें पैरिवार की वार्षिक रिपोर्ट 2024-25 का विमोचन और सौम्या उपाध्याय 'तताई' द्वारा लिखित पुस्तक हू न्यू द फॉरगेटन यू का लोकार्पण किया गया। पैरिवार राष्ट्रीय पुरस्कार 2025 प्रदान किए गए, जिनमें रोशनी सोसायटी हल्द्वानी, परिवार पलक्कड़ और मेसेनी पोंग पोंगें को सम्मानित किया गया। स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड गेम्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आठ बौद्धिक दिव्यांग पैराअथलीटों को सम्मानित किया गया। शाम के सत्र में बौद्धिक दिव्यांगजन प्रतिभागियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी को प्रभावित किया ।दो दिवसीय सम्मेलन में 11 तकनीकी सत्र, 4 पैनल चर्चाएँ और एक सांस्कृतिक संध्या आयोजित की जाएँगी। इस राष्ट्रीय अभिभावक सम्मेलन का उद्देश्य अभिभावकों, विशेषज्ञों, स्वयं-प्रतिनिधियों, विश्वविद्यालयों, सरकारी संस्थानों और नीति-निर्माताओं को एक साझा मंच उपलब्ध कराना है, जिससे बौद्धिक दिव्यांगजन के नेतृत्व निर्माण, समावेशन, अधिकारों, भविष्य की सुरक्षा और नीति-निर्माण पर राष्ट्रीय स्तर पर संवाद स्थापित हो सके।

किसानों को आर्थिक रूप से 'समृद्ध' कर उत्तर प्रदेश को सशक्त बना रही योगी सरकार

लखनऊ, 29 नवंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार किसानों को आर्थिक रूप से 'समृद्ध' कर उत्तर प्रदेश को सशक्त बना रही है। सीएम योगी के निर्देश के उपरांत 48 घंटे के भीतर धान और बाजरा किसानों को किया जा रहा भुगतान इसका उदाहरण है। पहली अक्टूबर से धान खरीद शुरू हुई थी, तबसे 28 नवंबर तक धान किसानों को 1868.35 करोड़ व बाजरा किसानों को 263.03 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। यही कारण है कि योगी सरकार की पारदर्शी नीतियों की बदौलत अपनी उपज का लाभकारी मूल्य प्राप्त करने के लिए किसान फसल की बिक्री राजकीय क्रय केंद्रों पर कर रहे हैं। क्रय केंद्रों पर 17 फीसदी नमी तक का धान खरीदा जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर समय-समय पर धान खरीदारी की समीक्षा हो रही है। किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, खाद्य व रसद विभाग लगातार इसकी मॉनिटरिंग कर रहा है। पहली अक्टूबर से 28 नवंबर तक के मध्य सरकारी क्रय केंद्रों पर 1.40 लाख से अधिक किसानों ने धान बिक्री की। इसके एवज में किसानों को अब तक 1868.35 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। बचे किसानों के लिए भी सरकार द्वारा तत्काल भुगतान की प्रक्रिया चालू है।

यूपी में श्री अन्न की खरीद भी पहली अक्टूबर से जारी है। श्री अन्न के अंतर्गत बाजरा किसान भी सरकारी क्रय केंद्रों पर अपनी फसल को लेकर जा रहे हैं। 28 नवंबर तक लगभग 22000 किसानों को 263.03 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। शेष बचे किसानों को भी तत्काल भुगतान करने की प्रक्रिया पर जोर दिया जा रहा है। बाजरा की बिक्री के लिए 64 हजार से अधिक किसानों ने पंजीकरण भी करा लिया है।

बाजरा का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2775 रुपए प्रति कुंतल तय किया गया है। बाजरा खरीद सिर्फ 33 जनपदों में ही हो रही है। इसके लिए 281 क्रय केंद्रों की स्थापना की जा चुकी है। धान खरीद (कॉमन) 2369 रुपए तथा (ग्रेड-ए) 2389 रुपए प्रति कुंतल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर हो रही है।

सीएम योगी ने हाल में बैठक लेकर अधिक से अधिक किसानों से क्रय केंद्रों पर धान की खरीद कराने का निर्देश दिया था। इसके पीछे उनकी मंशा अधिक से अधिक किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ दिलाना था। उत्तर प्रदेश में धान खरीद प्रणाली को लेकर योगी सरकार की मंशा धरातल पर मजबूती से दिखाई दे रही है। ई-पॉप मशीनों से बायोमीट्रिक सत्यापन, पंजीकृत किसानों से ही खरीद, बिचौलियों की समाप्त होती भूमिका और 48 घंटे में भुगतान आदि ने व्यवस्था को पारदर्शी बनाया है। रिकॉर्ड स्तर की धान खरीद, राइस मिलों को मिली राहत और किसानों के लिए की गई सुविधाओं ने उनकी आमदनी, भरोसे और आत्मनिर्भरता को नई दिशा दी है।

अखिलेश यादव ने एसआईआर को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा

लखनऊ, 29 नवंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने एसआईआर को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग और भाजपा दोनों मिले हुए हैं। एसआईआर के बहाने वोट डालने का अधिकार छीना जा रहा है। अखिलेश यादव ने शनिवार को राज्य के कुछ बीएलओ की मौत के बाद उनके परिजनों को आर्थिक मदद के तौर पर दो-दो लाख रुपए के चेक सौंपे। उन्होंने कहा कि अभी हम लोग मृतक बीएलओ के परिवार की 2 लाख रुपए से मदद कर रहे हैं, लेकिन सरकार से मांग है कि एक करोड़ से इस परिवार की मदद हो, सरकारी नौकरी दी जाए। लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि बीएलओ पर जल्दबाजी का दबाव बनाया गया, जिसके कारण उन्होंने आत्महत्या की।उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी की शुरुआत से मांग रही है कि बीएलओ के ऊपर काम का दबाव न बढ़ाया जाए, क्योंकि एसआईआर बहुत जिम्मेदारी का काम है और सावधानी से काम करना होता है। एक बार फॉर्म रिजेक्ट हुआ तो वोट नहीं बना तो लोगों को कागजात लेकर भाग दौड़ करने पड़ेगी। उन्होंने सवाल उठाए कि एसआईआर को लेकर भाजपा जल्दबाजी में क्यों है?सपा प्रमुख ने दावा किया कि नगरपालिका के सफाई कर्मचारियों को

भी सहायक बनाया हुआ है। उन्होंने कहा, एसआईआर के फॉर्म में कई टेक्निकल चीजें हैं, अगर वह बीएलओ नहीं कर पाता है, तो उसके लिए सहायक एक सफाई कर्मचारी बनाया गया है। इस फॉर्म को बंटवाने में जल्दी हो रही है।अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि सरकारी डाटा बता रहा है कि सभी फॉर्म बांटे जा चुके हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर वह फॉर्म अभी नहीं बंटे हैं। उन्होंने आशंका जताई कि फिर उसी तरह कलेक्शन का रिकॉर्ड बनाया जाएगा।उन्होंने कहा कि यह सोची समझी साजिश और षड्यंत्र है। बाबा साहेब भीमराव की ओर से दिए गए वोट डालने के अधिकार को छीनने की तैयारी हो रही है।उपचुनावों का उदाहरण देते हुए अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि जिस समय उपचुनाव हो रहा था, चुनाव आयोग ने बूथ लुटने दिया और बीजेपी के लोगों को वोट डालने दिया।

नाड़ी शोधक प्राणायाम है अनुलोम विलोम

अनुलोमविलोम प्रणायाम में सांस लेने व छोड़ने की विधि को बार-बार दोहराया जाता है। इस प्राणायाम को नाड़ी शोधक प्राणायाम भी कहते है। अनुलोम-विलोम को रोज करने से शरीर की सभी नाड़ियों स्वस्थ व निरोग रहती है। इस प्राणायाम को हर उम्र के लोग कर सकते हैं। वृद्धावस्था में अनुलोम-विलोम प्राणायाम योगा करने से गठिया, जोड़ों का दर्द व सूजन आदि शिकायतें दूर होती हैं।

विधि

दरी व कंबल स्वच्छ जगह पर बिछाकर उस पर अपनी सुविधानुसार पद्मासन, सिद्धासन, स्वस्तिकासन अथवा सुखासन में बैठ जाएं। फिर अपने दाहिने हाथ के अंगूठे से नासिका के दाएं छिद्र को बंद कर लें और नासिका के बाएं छिद्र से सांस अंदर की ओर भरे और फिर बाईं नासिका को अंगूठे के बगल वाली दो अंगुलियों से बंद कर दें। उसके बाद दाहिनी नासिका से अंगूठे को हटा दें और सांस को बाहर निकालें। अब दाईं नासिका से ही सांस अंदर की ओर भरे और दाईं नाक को बंद करके बाईं नासिका खोलकर सांस को 8 की गिनती में बाहर निकालें। इस क्रिया को पहले 3 मिनट तक और फिर धीरे-धीरे इसका अभ्यास बड़ाते हुए 10 मिनट तक करें। 10 मिनट से अधिक समय तक इसका अभ्यास नहीं करना चाहिए। इस प्रणायाम को सुबह-सुबह खुली हवा में बैठकर करें।

लाभ

इससे शरीर में वात, कफ, पित्त आदि के विकार दूर होते हैं। रोजाना अनुलोम-विलोम करने से फेफड़े शक्तिशाली बनते हैं। इससे नाड़ियां शुद्ध होती हैं जिससे शरीर स्वस्थ, कांतिमय एवं शक्तिशाली बनता है। इस प्रणायाम को रोज करने से शरीर में कॉलेस्ट्रोल का स्तर कम होता है। अनुलोम-विलोम करने से सर्दी, जुकाम व दमा की शिकायतों में काफी आराम मिलता है। अनुलोम-विलोम से हृदय को शक्ति मिलती है। इस प्राणायाम के दौरान जब हम गहरी सांस लेते हैं तो शुद्ध वायु हमारे खून के दूषित तत्वों को बाहर निकाल देती है। शुद्ध रक्त शरीर के सभी अंगों में जाकर उन्हें पोषण प्रदान करता है। अनुलोम-विलोम प्राणायाम सभी आयु वर्ग के लोग कर सकते हैं और सुविधानुसार इसकी अवधि तय की जा सकती है।

सावधानियां

कमजोर और एनीमिया से पीड़ित रोगियों को इस प्राणायाम के दौरान सांस भरने व छोड़ने में थोड़ी सावधानी बरतनी चाहिए। कुछ लोग समय की कमी के चलते जल्दी-जल्दी सांस भरने और निकालने लगते हैं। इससे वातावरण में फैला धूल, धुआं, जीवाणु और वायरस, सांस नली में पहुंचकर अनेक प्रकार के संक्रमण को पैदा कर सकते है। प्रणायाम के दौरान सांस की गति इतनी सहज होनी चाहिए। प्राणायाम करते समय स्वयं को भी सांस की आवाज नहीं सुनाई देनी चाहिए।

आपकी आवाज से आप तक पहुंचेगा सामान

वैसे तो दुनिया में बोझा उठाने के लिए या यूं कहें कि किसी चीज को इधर से उधर पहुंचाने के लिए शारीरिक कष्ट देना पड़ता या किसी की चीज की सहायता से कोई भी वस्तु इधर से उधर पहुंचाई जाती है लेकिन वैज्ञानिकों ने इसका भी हल ढूंढ लिया है। अब आपकी कई वस्तु किसी चीज की सहायता से नहीं बल्कि आपकी आवाज से इधर से उधर पहुंच जाएगी। जानकारी के अनुसार वैज्ञानिकों ने एक अनूठी सोनिक ट्रैक्टर बीम का विकास किया है जो ध्वनि तरंगों का उपयोग कर वस्तुओं को उठाने और एक जगह से दूसरी जगह ले जाने में सक्षम होगा। इस खोज में भारतीय मूल का एक वैज्ञानिक भी शामिल है। अनुसंधानकर्ताओं ने जो ट्रैक्टर बीम विकसित किया है वह एक ध्वनिक होलोग्राम उत्पन्न करने के लिए उच्च क्षमता के ध्वनि तरंगों का इस्तेमाल करता है जो छोटी वस्तुओं को उठाने और एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने में सक्षम होता है। ट्रैक्टर बीम का अभिप्राय एक ऐसे उपकरण से है जो शारीरिक संपर्क के बगैर किसी भी वस्तु को खींच लेता है। विज्ञान कथा लेखकों की रचनाओं और स्टार ट्रेक जैसे प्रोगामों में सामान को पकड़ने, उठाने और एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के लिए ट्रैक्टर बीम की अवधारणा का उपयोग किया गया है जिससे वैज्ञानिक और इंजीनियर बहुत हद तक प्रभावित हुए।

इन कपल के शौक भी अजीबोगरीब

समुद्र की यात्रा के भारी-भरकम बजट को पूरा करने के लिए 29 साल की चार्ली स्मिथ और 34 साल के उसके मंगेतर कैप्टन ने अपना घर बेचने का फैसला किया और अपनी शादी के प्लान को भी ठंडे बस्ते में डालने के साथ ही अपनी नौकरी भी छोड़ दी। अपने सपने को जीने के लिए 29 साल की चार्ली स्मिथ मॉडल और आईटीवी रीजनल वेटर प्रजेंटर थी। वहीं, कैप्टन आर्किटेक्चर डिजाइनर रहे हैं। अब इस कपल ने फैसला किया कि वो अपना समुद्र की लहरों पर चलते हुए दुनिया घूमने का सपना पूरा करेंगे। हालांकि, इससे पहले उन्होंने कभी नाव में सफर नहीं किया था और उन्हें नौकायन का कोई खास अनुभव भी नहीं था। वे इस साल मई में जर्सी में अपने घरों को छोड़कर नई जिंदगी की तलाश में लहरों के सफर पर निकल पड़े। अभी तक वे पश्चिम में मेडिटेरिएन, फ्रांस, स्पेन, इटली, इल्बा, कोर्सिका, सार्डिनिया और बेलिएरिक द्वीप समूह में घूम चुके हैं। इस दौरान उन्होंने यूरोप में कई खूबसूरत समुद्री स्थानों को देखा। चार्ली ने बताया कि वे दोनों घंटों तक कॉकपिट पर बैठे रहते है और कई बातों पर चर्चा भी करते हैं।

अबकी बार गोवा गए तो क्या पता क्लब में ही मिल जाए 'फेनी'

गोवा की दो चीजें बहुत मश्हूर हैं, एक समुद्री तट यानी बीच और दूसरी वहां की लोकल और लोकप्रिय शराब फेनी। अगर आप अक्सर गोवा जाते रहते हैं और फेनी आपको बहुत पसंद है, तो आपके लिए ये अच्छी खबर साबित हो सकती है। कौन जाने कि कुछ दिनों बाद जब आप गोवा की ट्रिप पर जाएं, तो आपको फेनी के लिए कहीं बाहर जाने की जरूरत ही न हो। गोवा की लोकप्रिय 'फेनी' क्लब और पाटिज़्यों में पी जाने वाली एक प्रमुख शराब बन सकती है यदि इसे थोड़े बेहतर स्वाद के साथ बनाया जाए। फेनी से जुड़े हितधारक आजकल इसी मुहीम में लगे हैं।

क्या है सिरदर्द

सिरदर्द से तात्पर्य है सिर के एक या एक से अधिक हिस्सों में और साथ ही गर्दन के पिछले भाग में हल्की या तेज पीड़ा हो सकती है। सुबह के वक्त सिरदर्द किसी गंभीर बीमारी की तरफ इशारा नहीं करते, ये आपकी अनियमित दिनचर्या का हिस्सा हो सकते हैं। आमतौर पर सिरदर्द को माइग्रेन, तनाव और क्लस्टर की तीन श्रेणियों में बांटा जाता है। इससे जुड़ी खास बात यह है कि जितने अधिक लोग इससे पीड़ित हैं, उतनी ही अधिक इसके दर्द को नजरअंदाज करने वालों की संख्या भी है। कुल 5 करोड़ पीड़ित लोगों में से केवल 2 प्रतिशत ही माइग्रेन के उपचार के लिए डॉक्टर से संपर्क करते हैं।

गर्भवती हैं तो अंगूर और पपीता न खाएं

गर्भावस्था में क्या खाए जाए से जरूरी यह जानना है कि क्या न खाया जाए। घर-परिवार की बुजुर्ग महिलाएं अपने अनुभव के आधार पर यह राय देती रहती हैं।

चलिए जानते हैं कि गर्भावस्था में कौन सी सब्जियों और फलों से परहेज करना चाहिए। आइए जानें, गर्भवस्था के दौरान कौन-कौन से फल और सब्जियां ना खाएं। गर्भावस्था के दौरान इन फलों के सेवन बचें

पपीता खानें से बचें

कोशिश करें कि गर्भावस्था के दौरान पपीता ना खाए। पपीता खाने से प्रसव जल्दी होने की संभावना बनती है। पपीता, विशेष रूप से अपरिपक्व और अर्द्ध परिपक्व लेटेक्स जो गर्भाशय के संकुचन को ट्रिगर करने के लिए जाना जाता है को बढ़ावा देता है। गर्भावस्था के तीसरे और अंतिम तिमाही के दौरान पका हुआ पपीता खाना अच्छा होता हैं।

पके हुए पपीते में विटामिन सी और अन्य पौष्टिक तत्वों की प्रचुरता होती है, जो गर्भावस्था के शुरूआती लक्षणों जैसे कब्ज को रोकने में मदद करता है। शहद और दूध के साथ मिश्रित पपीता गर्भवती महिलाओं के लिए और विशेष रूप से स्तनपान करा रही महिलाओं के लिए एक उत्कृष्ट टॉनिक होता है।

अनानास से बचें

गर्भावस्था के दौरान अनानस खाना गर्भवती महिला के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। अनानास में प्रचुर मात्रा में ब्रोमेलिन पाया जाता है, जो गर्भाशय ग्रीवा की नरमी का कारण बन सकती हैं, जिसके कारण जल्दी प्रसव होने की सभांवना बढ़ जाती है।

हालांकि, एक गर्भवती महिला अगर दस्त होने पर थोड़ी मात्रा में अनानास का रस पीती है तो इससे उसे किसी प्रकार का नुकसान नहीं होगा। वैसे पहली तिमाही के दौरान इसका सेवन ना करना ही सही रहेगा, इससे किसी भी प्रकार के गर्भाशय के अप्रत्याशित घटना से बचा जा सकता है।

अंगूर से बचें

डॉक्टर गर्भवती महिलाओं को उसके गर्भवस्था के अंतिम तिमाही में अंगूर खाने से मना करते है। क्योंकि इसकी तासिर गरम होती है। इसलिए बहुत ज्यादा अंगूर खाने से असमय प्रसव हो सकता हैं। कोशिश करें कि गर्भावस्था के दौरान अंगूर ना खाए।

गर्भावस्था के दौरान इन सब्जियों से बचें

गर्भवती महिलाओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण सलाह ये होती है कि वो कच्चा या पाश्चरीकृत नहीं की हुई सब्जी और फल ना खाए। साथ ही ये भी महत्वपूर्ण है कि आप जो भी खाए वो अच्छे से धुला हुआ और साफ हो। ये गर्भावस्था के दौरान आपको संक्रमण से बचाने के लिए महत्वपूर्ण है। फलों और सब्जियों को गर्भावस्था आहार का एक अभिन्न अंग माना जाता है। इसलिए जम कर खाए लेकिन साथ ही इन कुछ बातों का ध्यान भी जरूर रखें, और बचें रहे गर्भवस्था के जटिलओं से।

कैंसर रोगी के लिए फायदेमंद है एलोवेरा

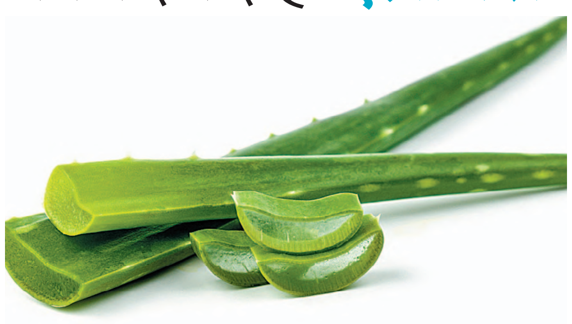

प्रकृति ने मानव जीवन को अनेक उपहार दिए हैं। वनस्पतियों के रूप में प्राप्त ये उपहार वरदान स्वरूप हैं। प्रकृति का ऐसा ही एक औषधीय पौधा है एलोवेरा। एलोवेरा को घृतकुमारी भी कहा जाता है। इसकी पत्तियां कैंसर जैसे असाध्य रोग को मात देने का दावा करती है। एलोवेरा की खास बात है कि यह एंटीबायोटिक और एंटीसेप्टिक के रूप में काम करता है। एलोवेरा शरीर में जाकर खराब सिस्टम को ठीक करता है। इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होता।

कैसा होता है एलोवेरा

एलोवेरा में कई गुण है, इसमें 75 प्रतिशत पानी, 70 तरह के मिनरल, एंजाइम्स, प्रोटीन, एमिनो एसिड और विटामिन होते हैं। इस पौधे के पत्ते सीधे जमीन से ही निकलते हैं। यह 2 से 3 फीट लम्बे और 3 से 4 इंच चौड़े होते हैं। इसके दोनों ओर नुकीले कांटे होते हैं। इसके पत्ते गहरे हरे रंग के मोटे, चिकने और गूदेदार होते हैं। जिन्हें काटने या छीलने पर घी जैसे गुदा (जैल) निकलता है। इसलिए इस पौधे को घृतकुमारी व घी ग्वार भी कहा जाता है।

कैंसर में फायदेमंद है एलोवेरा

एलोवेरा की पत्तियों का इस्तेमाल औषधि के साथ-साथ सौंदर्य प्रसाधनों में भी किया जाता है। अगर कैंसर व सोराइसिस के मरीज तीन माह तक एलोवेरा का जूस पीएं तो इसका उनके शरीर पर अच्छा असर देखने को मिलता है। एलोवेरा में कैंसररोधी तत्व पाए जाते हैं जो कि कैंसर की कोशिकाओं को बढ़ने से रोकते हैं। कैंसर रोगियों के लिए रोज सुबह शाम 50 ग्राम एलोवेरा का जूस पीना लाभकारी होता है। एलोवेरा के जूस का नियमित सेवन शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बड़ाता है। इससे कैंसर ठीक होने की संभावना बढ़ जाती है।

इस दौरान रोगी को केला, पपीता, अंकुरित चना व हरी सब्जियां ले सकते हैं। कैंसर के उपचार में आयुर्वेदिक व प्राकृतिक चिकित्सा काफी लाभदायक होती है। कैंसर जैसे असाथ्य रोग में एलोवेरा जैल का इस्तेमाल काफी फायदेमंद होता है। ऐसा देखा गया है कि एलोवेरा में निहित औषध तत्व उन कैंसरग्रस्त कोशिकाओं की भी रोकथाम कर लेते है जिन्हें कीमोथैरेपी भी रोक नहीं पाती। कैंसर के इलाज में जब अंग्रेजी दवाएं काम नहीं करती तो ऐसे में एलोवेरा का सेवन अत्यंत लाभकारी होता है। ऐसे में ऐलोवेरा कैंसर के इलाज में काफी मददगार साबित होता है। सिर्फ एलोवेरा या दवाएं देने के बजाय अगर एलोवेरा और हल्की मात्रा में कैंसर रोधक दवाएं साथ-साथ दी जाएं तो कैंसर कोशिकाओं पर काफी कारगर असर पड़ता है।

नाखून बताते हैं सेहत का हाल

नाखून सिर्फ सुंदर हाथों की शोभा ही नहीं बढ़ाते बल्कि आपकी सेहत का हाल भी बयां करते हैं। छोटे-छोटे तंतुओं से बने नाखूनों में पोरों के इर्द-गिर्द के क्षेत्र में उनके स्वास्थ्य का राज छिपा होता है। निम्न लिखें तमाम कारण अस्वस्थ नाखूनों के लिए जिम्मेदार होते हैं। 1 आयरन और विटामिन-बी 12 की कमी होने पर नाखून अन्दर की ओर धंस जाते हैं। 2 विटामिन-सी की कमी होने पर नाखून कटने-फटने लगते हैं। 3 धब्बे युक्त खुरदरे नाखून फोलिक एसिड, प्रोटीन की कमी या फिर रक्त संचार व्यवस्था का सही न होना दर्शाते हैं। 4 जिन लोगों की किडनी खराब होती है इसका संकेत उनके नाखूनों से ही मिल जाता है। ऐसे लोगों के नाखूनों का आधा हिस्सा औरों की तुलना में ज्यादा पीलापन लिए होता है। नाखूनों को स्वस्थ और सुंदर बनाए रखने के लिए अपनाएं देसी नुस्खें 1 नाखूनों को गुनगुने दूध में भिगोएं। 2 दूध और कैल्शियमयुक्त भोजन नाखूनों को मजबूत बनाता है। 3 नाखूनों की सफाई के लिए साबुन के झाग वाले पानी में 5 मिनट तक नाखून और हाथ डुबोकर रखें। बाद में साफ पानी से हाथ धो लें और नर्म तौलिए से हल्का थपथपाकर हाथ सुखा लें। 4 नाखूनों पर रात को ग्लिसरीन लगा कर सोएं इससे नाखूनों में होने वाला दर्द ठीक होता है। 5 विटामिन बी काम्पलैक्स नाखूनों को मजबूत बनाने में सहायक है। 6 नींबू के छिल्के को नाखूनों पर रगड़ने से नाखून साफ और चमकदार बनते हैं। 7 नाखूनों की सफाई के लिए हाइड्रोजन पैरॉक्साइड की कुछ बूंदें नाखूनों पर लगाकर रूई से अच्छी तरह पोंछ लें। गंदगी साफ हो जाएगी। 8 नींबू और नमक या नींबू और दही से नाखूनों की मालिश करें। नाखून स्वस्थ और चमकदार बनेंगे। 9 कमजोर नाखूनों को जैतून के गुनगुने तेल की मालिश करने से नाखून मजबूत बनते हैं। 10 कैल्शियम और विटामिन डी नाखूनों के लिए अच्छा होता है। आप सलाद और चुकंदर खाकर शरीर में इस कमी को पूरा कर सकते हैं। कुछ दिनों में पीले, बेजान नाखून सुंदर दिखने लगेंगे। 11 गुनगुने सरसों के तेल से हल्की मालिश करने से नाखूनों में लालिमा आती है।

नवजात के नाखून होते हैं कोमल

नवजात के नाखूनों की देखभाल करने की विशेष जरूरत हैं, क्योंकि यदि आपने इन पर ध्यान नहीं दिया तो इसमें जमा गंदगी के कारण बच्चे को संक्रमण हो सकता है। संक्रमण के कारण बच्चे का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। बच्चों के नाखूनों की देखभाल के लिए जरूरी है हाथों की सही तरीके से देखभाल की जाए। नाखून बच्चे के उंगलियों के ऊपरी हिस्से के लिए सुरक्षा कवच की भांति काम करते हैं। इसलिए जरूरी है कि आप अपने बच्चे के नाखूनों का सही ख्याल रखें। उन्हें साफ और सही आकार में रखें।

क्यों जरूरी है नाखून की देखभाल

- बच्चों को सही और गलत की जानकारी नहीं होती है जिसके कारण वे अक्सर नाखून चबाते हैं।
- बच्चे यदि नाखून काटेंगे तो उसमें मौजूद कीटाणुओं के संक्रमण से वे बीमार हो सकते हैं।
- बच्चों के नाखून लंबे होने से पहले काट दीजिए, नहीं तो इसके कारण वे खुद को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- बच्चे यदि बढ़े नाखूनों को मुंह से काटते हैं तो उसके कारण वे उंगलियों की त्वचा को भी नुकसान पहुंचान सकते हैं।

नाखून और संक्रमण

नवजात को कोई भी बीमारी बहुत आसानी से हो सकती है, क्योंकि उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली बहुत कमजोर होती है। इसलिए बच्चों को बीमारियों से बचाने के लिए उनके नाखूनों को निश्चित समय पर काटते रहें। इसलिए यह जरूरी है कि आप अपने बच्चों को नाखूनों की सही प्रकार से देखभाल करें। पालतू जानवर से खेलने, कूड़ा फेंकने और खांसने व छींकने के बाद भी बच्चों के हाथ जरूर धोएं। नवजात के हाथ केवल पानी से न साफ करें, हाथ साफ करते वक्त साबुन का प्रयोग करें। नाखूनों को छोटा रखने के लिए उन्हें काटते रहें।

ऐसे करें नवजात के नाखूनों की देखभाल

- ऐसे नेलकटर्स का इस्तेमाल करें जो सिर्फ बच्चों के लिए बनाए गए हों।
- नवजात शिशु के नाखून बहुत ही जल्दी बढ़ते हैं और इन्हें हफ्ते में कम से कम दो बार जरूर काटना चाहिए।
- नेल फाइल के सहारे नाखून के नुकीले किनारों को समतल बनाने की कोशिश करें।
- नवजात के नाखूनों को तभी काटें जब बच्चा सो रहा हो।
- नवजात के नाखून काटते वक्त ध्यान रखें, जिससे की बच्चे की त्वचा को किसी भी प्रकार की क्षति ना होने पाए।
- अंगूठे को नाखून को काटते वक्त विशेष ध्यान रखें, क्योंकि अन्य उंगलियों की तुलना में वह थोड़ा सख्त होती है।
- नवजात के नाखूनों के अलावा हाथों की देखभाल पर विशेष ध्यान दीजिए। नवजात के हाथों को साफ करते वक्त सेनेटाइजर का प्रयोग कीजिए। बच्चों का नेलकटर चुनने में यदि आपको परेशानी हो रही हो तो चिकित्सक से सलाह कीजिए।

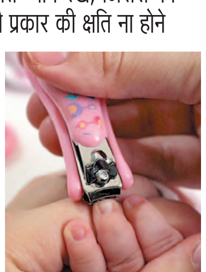

रेसिपी

मसाला बाटी

सामग्री

1 कप दरदरा गेहूं का आटा, 1/2 कप सूजी, 1/4 कप पिघला हुआ घी, 1/2 कप दूध, नमक स्वादअनुसार, 1 कप उबले और दरदरे क्रश किए हुए हरे मटर, 1 1/2 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून जीरा,1/4 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1/4 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी-स्पून धनिया पाउडर, नमक स्वादअनुसार, अन्य सामग्री, घी, तलने के लिए, परोसने के लिए, पिघला हुआ घी, 1 व्यंजन विधी दाल, 1 व्यंजन विधी चुरमा

विधि

सभी सामग्री को एक गरेह बाउल में मिलाकर, बिना पानी का प्रयोग किए सख्त आटा गूंथ लें। 3-4 मिनट तक अच्छी तरह गूंथते रहें। 20 मिनट के लिए रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में तेल गरम करें और जीरा और हींग डालें। जब बीज चटकने लगे, हरे मटर, अदरक- हरी मिर्च का पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, लगातार हिलाते हुए, 2-3 मिनट तक पका लें। आंच से हठाकर भरवां मिश्रण को पुरी तरह से ठंडा होने के लिए रख दें। भरवां मिश्रण को 10 भाग में बांट लें और एक तरफ रख दें।

छेना मालपुवा

सामग्री

4 1/2 कप वसा भरपुर दूधर 1 1/2 टेबल-स्पून नींबू का रसर र1 1/4 कप शक्करर मालपुवे के लिए 1 कप छेना (व्यंजन विधी उपर देखें)र एक चुटकी जायफल पाउडरर 1 1/2 टेबल-स्पून कोर्नफ्लॉर, केसर के कुछ लच्छेर घी, तलने के लिएर सजाने के लिएर 1 टेबल-स्पून बादाम की कतरन,1 टेबल-स्पून पिस्ता की कतरन

विधि

एक गहरे नॉन-स्टिक पॅन में दूध गरम करें, नींबू का रस डालकर हल्के हाथों मिला लें। दूध फटकर पानी अलग हो जाएगा। यह पानी पार्दर्शी होना चाहिए, जिससे यह सुनिश्चित हो कि दूध पुरी तरह फट गया है। 3 से 4 मिनट तक रख दें। छन्नी से सारा पानी छान लें और छेना को 10-15 मिनट के लिए रखकर, सारा पानी निकलने दें। छेना को प्लेट में निकाल लें और हल्के हाथों मलते हुए नरम बना लें, इस बात का ध्यान रखें कि बहुत जोर से ना मलें। एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में शक्कर और 1 कप पानी को अच्छी तरह मिला ले और लगातार हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 5 मिनट तक पका लें। आंच से हठाकर एक तरफ रख दें। सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में मिलाकर आटा गूथ लें। आटे को 10 भाग में बांट लें। एक समतल जगह पर गीला सूती कपड़े का छोटा टुकड़ा रखें, आटे के 1 भाग को बीच मे रखकर दुसरे गीले कपड़े के टुकड़े से ढ़क दें। गीले हाथों से फेलाकर 75 मिमी। व्यास के गोल आकार में बना लें। एक कम गहरी कढ़ाई में घी गरम करें और मालपुवा डालकर, मध्यम आंच पर उनके दोनो तफ से सुनहरा होने तक तल लें। मालपुवा को निकालकर चाश्नी में तुरंत डालें।

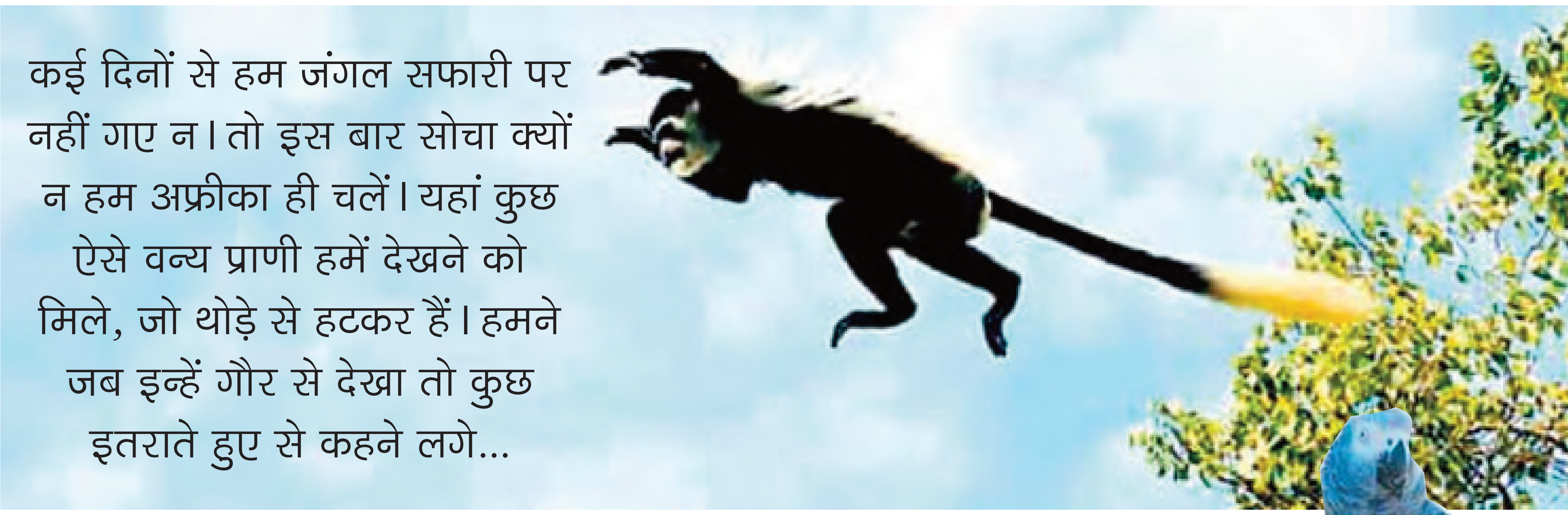

कई दिनों से हम जंगल सफारी पर नहीं गए न। तो इस बार सोचा क्यों न हम अफ्रीका ही चलें। यहां कुछ ऐसे वन्य प्राणी हमें देखने को मिले, जो थोड़े से हटकर हैं। हमने जब इन्हें गौर से देखा तो कुछ इतराते हुए से कहने लगे...

हम हैं जरा हटकर!!!

हो गई आपकी तैयारी। अरे भई! बैग पैक करने की नहीं हो रही है। थोड़ा रुकिए, हम आपको इन सबके दर्शन घर पर ही करवाते हैं। इनके बारे में कुछ जानकारी जुटा लें, तभी तो इनसे दोस्ती करने में मजा आएगा। आइए चलते हैं अफ्रीका की जंगल सफारी पर...

बंदरों की रंगीन दुनिया

बंदर भी कई तरह के देखने को मिले। कहीं ब्लैक एंड व्हाइट तो कहीं ब्लू मंकी उछल-कूद कर रहे थे। ये बंदर कोलोबस प्रजाति के होते हैं और ये ओल्ड वर्ल्ड मंकी परिवार से संबंध रखते हैं।

1. काला-सफेद कोलोबस-इसके शरीर का कुछ हिस्सा काला होता है और कुछ सफेद। जैसे पूंछ का अगला हिस्सा सफेद और पिछला हिस्सा काला, चेहरे का रंग काला और बाल सफेद। ये परिवार में रहना पसंद करते हैं। इनके परिवार में एक नर के साथ कई मादाएं और बच्चे भी रहती हैं। मादाओं का कार्य बच्चों की देखभाल करना होता है। ये शाहकारी होते हैं, जो पेड़-पौधों की पत्तियों और फलों पर निर्भर रहते हैं।

2. लाल कोलोबस- लाल कोलोबस लाल, सफेद और काले तीन रंगों के होते हैं। इसके शरीर की बनावट और खान-पान ब्लैक एंड व्हाइट कोलोबस की तरह ही होता है। लेकिन ये बहुत संवेदनशील होते हैं और मनुष्यों की बसाहटों से दूर घने जंगलों में रहते हैं। यह बड़े-बड़े झुंडों में एक साथ रहते हैं और झुंड के सभी नर झुंड की सुरक्षा करते हैं। चिम्पैंजी इनके सबसे बड़े शत्रु होते हैं। इसलिए किसी भी चिम्पैंजी के नजर आते ही नर अपने झुंड को सुरक्षित स्थान पर ले जाता है।

3. नीला बंदर- ये अधिकतर कांगो, अंगोला, और जाम्बिया के जंगलों में पाए जाते हैं। इनके चेहरे का रंग नीला होने की वजह से ही, इन्हें नीला बंदर कहा जाता है। बाकी पूरा शरीर तो काले रंग का होता है, फिर भी उसमें कुछ नीलाभ सा दिखाई देता है।

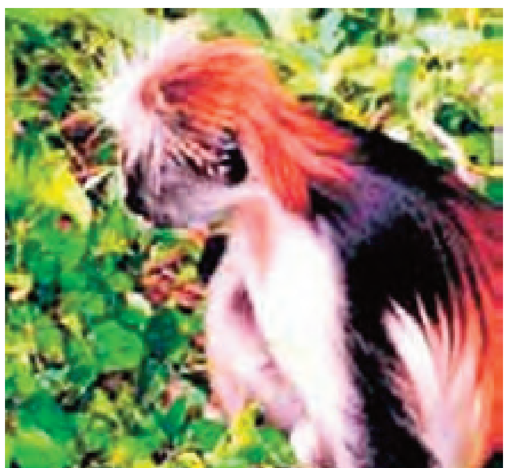

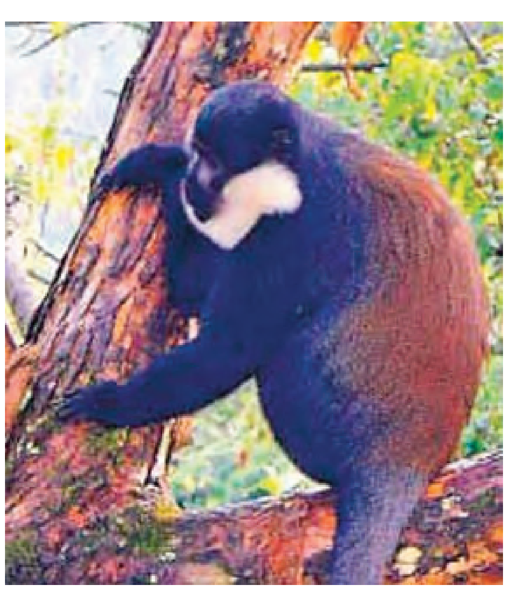

नकलची मिट्ठू

आपने अमूमन तोते हरे रंग के ही देखे होंगे। पर इन महाशय से मिलिए। ये हैं स्लेटी रंग के मिट्ठू महाराज। यह मध्य और पश्चिम अफ्रीकी देशों में पाए जाते हैं। इनकी चोंच काले रंग की, चेहरा और शरीर हल्के स्लेटी रंग का और पूंछ काली होती है। रहवासी इन्हें पालते भी हैं और इनसे बतियाते भी हैं। पक्षी विशेषज्ञों की राय में ये तोते सामान्य तोतों की अपेक्षा ज्यादा बुद्धिमान होते हैं और सीखने की क्षमता भी उत्तम होती है।

कद छोटा और कान लम्बे

देखने में कितनी सुंदर है न यह। फैनेक्स फॉक्स यानी लम्बे कान वाली लोमड़ी। यह उत्तरी अफ्रीका के सहारा रेगिस्तान में पाई जाती है। कद छोटा और कान काफी बड़े हैं इनके। यही बात खास बनाती है इन्हें। यह मांसाहारी प्राणी है, जो उड़ने वाले कीट-पतंगों का शिकार करके अपना पेट भरती है। दो फुट ऊंची छलांग लगाने में सक्षम होती है छोटी लोमड़ी।

जिराफ या जेब्रा

अच्छा बताइए तो यह कौन-सा जानवर है? घोड़ा भी लग रहा है और जेब्रा भी। सब गलत। यह महाशय हैं ओकापी, जो कांगो के निवासी हैं। इनकी शारीरिक बनावट जिराफ सी है, लेकिन टांगों पर मौजूद धारियों से यह जेब्रा की तरह दिखते हैं। 1900 से पहले इनके बारे में कोई नहीं जानता था। यह 6-8 फुट लम्बा और 5-9 फुट ऊंचा होता है। ये शाकाहारी होते हैं।

...मजा आया इस सफारी में न!!!

रंग भरो

बूझो तो जानें!!!

1. भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार कौन-सा है?
2. भारत के द्वितीय नागरिक पुरस्कार का नाम बताइए?
3. सेना के क्षेत्र में सर्वोच्च पुरस्कार का नाम बताइए?
4. 2006 में गांधी शांति पुरस्कार प्राप्त करने वाले व्यक्ति का नाम बताइए?
5. द्रोणाचार्य पुरस्कार किस क्षेत्र में दिया जाता है?
6. ज्ञानपीठ पुरस्कार किस क्षेत्र में प्रदान किया जाता है?
7. अभी-अभी किशोर कुमार पुरस्कार से किसे सम्मानित किया गया?
8. राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार किस वर्ष से शुरुआत हुई?
9. हिमालय में आंसू के आकार तालाब स्थित है, उसका नाम बताइए?
10. जामिया मिलिया यूनिवर्सिटी किस शहर में स्थित है?
11. वनरानी टॉय ट्रेन भारत के किस राज्य में चलती है?
12. महाराष्ट्र का बेरार जिला क्यों प्रसिद्ध है?

उत्तर-1.भारत रत्न, 2.- पद्म विभूषण, 3.- परमवीर चक्र, ४.- शबाना आजमी, 5. - सर्वोच्च कोच, 6. - साहित्य के क्षेत्र में, 7. - सलीम खान, 8. १९५४, 9. नैनीताल, 10. नई दिल्ली, 11. मुंबई, 12. कॉटन के लिए

कविता

सब्जीमंडी में मची है धूम

गाजर की जब से हुई है शादी,
सुनकर मूली हो गई है आधी।

टमाटर घूमे गाल फुलाए,
प्याज उसको पसंद न आए।

टिंडे के घर टीवी आया,
आलू को यह न सुहाया।

कद्दू दिन-दिन पसर रहा है,
डायटिंग करने से डर रहा है।

मिर्ची को जब गुस्सा आया,
उसने लौकी को काट खाया।

शकरकंद से भिड़ गई शलजम,
ढोल बजाए गोभी ढम-ढम।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

नेशनल गार्ड पर हमले के बाद अमेरिका ने अफगानियों के प्रवेश पर लगाई रोक

वाशिंगटन, 29 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी विदेश विभाग ने अचानक ऐलान किया कि अफगान पासपोर्ट धारकों को सभी तरह के वीजा जारी करना तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। नए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर खुद इसकी पुष्टि की और लिखा, हमारे देश और हमारे लोगों की सुरक्षा से बड़ी कोई प्राथमिकता नहीं है।

यह कड़ा कदम बुधवार को वॉशिंगटन डीसी में हुए जानलेवा हमले के फौरन बाद लिया गया, जिसमें एक नेशनल गार्ड सैनिक की मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल है। हमलावर की पहचान 31 वर्षीय अफगान नागरिक रहमानुल्लाह लाकनवाल के रूप में हुई है। लाकनवाल 2021 में बाइडन प्रशासन के 'ऑपरेशन अलाइज वेलकम' के तहत अमेरिका लाया गया था। सीआईए ने पुष्टि की है कि उसने अफगानिस्तान में अमेरिकी खुफिया एजेंसी के लिए काम किया था। हमले के बाद लाकनवाल पर फर्स्ट डिग्री मर्डर के साथ-साथ हथियारबंद हमले के दो अन्य गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

अलग से अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईए) के निदेशक जोसेफ एडलो ने घोषणा की कि अब हर शरण आवेदन पर फैसला तब तक रोका जाएगा, जब तक अधिकतम स्तर की जांच और स्क्रीनिंग पूरी नहीं हो जाती। इसका मतलब है कि फिलहाल कोई भी नया शरणार्थी अमेरिका में कानूनी दर्जा नहीं पा सकेगा। ट्रंप प्रशासन के आने के मात्र दस दिन के अंदर यह इमिग्रेशन नीति पर सबसे सख्त कार्रवाई मानी जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि 2021 में आए करीब 76,000 अफगान शरणार्थियों की दोबारा जांच का रास्ता भी इससे खुल गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अफगान पासपोर्ट पर यह प्रतिबंध तब तक जारी रहेगा, जब तक नई वीजा स्क्रीनिंग प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती। फिलहाल अफगान नागरिकों के लिए अमेरिका आने का एकमात्र रास्ता लगभग बंद हो चुका है।

न्यूज ब्रीफ

ड्रेन क्लीनर पी गया मासूम, हमेशा के लिए खो दी आवाज

बर्मिंघम। ब्रिटेन के बर्मिंघम में एक गलती से 13 महीने के मासूम बच्चे की जिंदगी हमेशा के लिए बदल गई। यहां रहने वाले सैम अनवर अलशमेरी ने घर में सफाई के लिए इस्तेमाल होने वाले ड्रेन क्लीनर को दूध समझकर पी लिया। इस वजह से मासूम का मुंह, जीभ और अंदर की नाजुक नलियां तेज रसायन से बुरी तरह जल गईं। घटना इस साल मई में हुई, जब सैम की मां बाथरूम की सफाई कर रही थीं। सफाई के दौरान उन्होंने ड्रेन क्लीनर की बोतल बाथरूम के फर्श पर रख दी। इसी दौरान खेलते-खेलते सैम बाथरूम में पहुंच गया और बोतल उठा ली। उसके पिता नदीन अलशमेरी ने बताया, 'वह समझ ही नहीं पाया कि यह खतरनाक केमिकल है। बोतल उठाते ही उसे लगा कि यह दूध है और उसने मुंह से लगा लिया। हमें समझ आते-आते उसके होंठ और जीभ जलने लगी थीं।' रिपोर्ट के मुताबिक, ड्रेन क्लीनर का असर इतना तेज था कि कुछ ही सेकंड में सैम के होंठ, मुंह और श्वासनली तक जल गई। बच्चे की जीभ बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और वह आवाज भी नहीं निकाल पा रहा था। डॉक्टरों ने परिवार को बताया कि सैम शायद ही कभी अपनी आवाज वापस पा सकेगा। पिता नदीन की मानें तो, 'अब वह कभी एक शब्द भी नहीं बोल पाएगा।' बच्चे की हालत गंभीर होने पर उसे तुरंत बर्मिंघम के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसे दिल का दौरा भी पड़ा। नदीन बताते हैं, 'उसका दिल लगभग तीन मिनट तक धड़कना बंद हो गया था, लेकिन डॉक्टरों ने उसे वापस जीवन दिया।' हालांकि उसकी श्वासनली इतनी क्षतिग्रस्त हो चुकी थी कि डॉक्टरों को उसकी नाक की नली हटाकर पेट में एक स्थायी फीडिंग ट्यूब लगानी पड़ी, जिसके जरिए अब उसे खाना दिया जाता है।

कैनेडी की हत्या के समय वहां मौजूद थी बबुश्का लेडी, हाथ में कैमरा जैसा कुछ था

वॉशिंगटन। 22 नवंबर 1963 को डलास में अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी की हत्या हुई थी। इस घटना की जांच में शक की सुई हार्वी ऑस्वाल्ड पर जाकर रुक गई थी, ली हार्वी ऑस्वाल्ड एक पूर्व अमेरिकी नौसैनिक था। जैसे-जैसे समय बीता, हत्याकांड से जुड़े वीडियो फुटेज और तस्वीरें सामने आते गए और इनकी वजह से पूरी जांच की दिशा को ही पलट दिया। ऐसे ही एक टर्निंग प्वाइंट में एक महिला की थ्योरी सामने आई थी, जो 'द बबुश्का लेडी' के नाम से मशहूर थी। इस महिला ने जेएफके की हत्या के भयानक क्षण को सबसे करीब से देखा था। कैनेडी की हत्या का रहस्य सुलझाने के लिए जांच एंजेसियां कई तरह की थ्योरीज में उलझी रहीं, जिसमें से ली हार्वी ऑस्वाल्ड था, जिसकी पुलिस हिरासत में हत्या कर दी गई थी। इसके बाद ये थ्योरी आई कि ऑस्वाल्ड इस साजिश में अकेला नहीं था। ऑस्वाल्ड ने क्यूबा के तत्कालीन पीएम फिदेल कास्त्रो को खुश करने के लिए कैनेडी को की हत्या की थी। एक और थ्योरी रूसी खुफिया एजेंसी केजीबी की तरफ इशारा करती थी। इनमें से सबसे रहस्यमयी थ्योरी 'द बबुश्का लेडी' से जुड़ी थी। जब जेएफके की हत्या की पड़ताल के लिए तस्वीरें और वीडियोज निकलवाए गए तो जांच अधिकारियों को कई बार एक महिला दिखाई दी, जो कैनेडी को गोली लगने के समय भी घटनास्थल पर ही साफ नजर आई लेकिन उसका चेहरा एक स्कार्फ से ढका था, जिसे रूसी में बबुश्का कहते हैं।

(ढाका) बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया की तबीयत बिगड़ी

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने शुक्रवार को पार्टी अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया की तबीयत को 'बेहद गंभीर' बताया और उनके जल्द स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना करने की अपील की। ढाका में पत्रकारों से बात करते हुए, बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने बताया कि पार्टी प्रमुख की स्वास्थ्य स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और डॉक्टर लगातार उनकी निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'आप सभी जानते हैं कि हमारी नेता बेगम खालिदा जिया बीमार हैं और अस्पताल में भर्ती हैं। बीती रात डॉक्टरों ने बताया कि उनकी हालत बहुत गंभीर है।' जानकारी के अनुसार, 23 नवंबर की रात खालिदा जिया को दिल और फेफड़ों में संक्रमण का पता चलने के बाद मेडिकल बोर्ड की सलाह पर ढाका के एक अस्पताल में भर्ती किया गया। वह निमोनिया से भी जूझ रही हैं और अभी अस्पताल के कोरोनरी केयर यूनिट (सीसीयू) में गहन निगरानी में हैं, जहां स्थानीय व विदेशी विशेषज्ञ डॉक्टर उपचार में लगे हुए हैं। खालिदा जिया मई 2025 में लंदन में चार महीने के चिकित्सा उपचार के बाद ढाका लौटी थीं।

श्रीलंका में चक्रवाती तूफान दित्वा से तबाही, अब तक 69 लोगों की मौत, काफी संख्या में लोग लापता

कोलंबो, 29 नवंबर (एजेंसियां)।

श्रीलंका में चक्रवाती तूफान दित्वा से भारी तबाही हुई है। लगातार मूसलाधार बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण अलग-अलग हिस्सों में स्थिति गंभीर हो गई है।इस आपदा से मरने वालों की संख्या 69 तक पहुंच गई है जबकि काफी संख्या में लोग लापता हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।इस दौरान कई पुल और सड़कों के बह जाने से स्थिति खराब हुई है। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने अधिसूचना जारी कर महत्वपूर्ण सेवाओं बिजली, पेट्रोलियम उत्पादों और गैस, अस्पताल और जलापूर्ति को आवश्यक सेवाएँ घोषित किया है।

डेली मिरर ने मौसम विभाग के हवाले से बताया है कि श्रीलंका में लगातार बना निम्न-दाब तंत्र स्थिर बना हुआ है, जिससे नमी वाली हवाएँ आ रही हैं और बार-बार तीव्र लहरें उठ रही हैं। लगातार मूसलाधार बारिश से तमाम प्रमुख जलाशय भर गए हैं। शुक्रवार को मोरागहाकांडा जलाशय अपनी अधिकतम क्षमता तक पहुँच गया जिसके बाद इसके स्पिल गेट खोल दिए गए और इसी दौरान मोरागहाकांडा-लग्गाला का विशाल पुल ढह गया। यह पुल मटाले, पोलोन्नारुवा और कुरुनेगला जिलों के बीच संपर्क के रूप में कार्य करता था।

इसी तरह हसलाका क्षेत्र में याहंगला पर्वत के पास हुए भीषण भूस्खलन के बाद 5 लोगों के शव बरामद किए गए हैं। देश के कई हिस्सों में भूस्खलन की घटनाएं हुई हैं और इन घटनाओं की आशंका कम नहीं हुई है।

प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) के अनुसार, 16 नवंबर से शुरू हुई आपदा ने अबतक देशभर के 63,000 से ज़्यादा परिवारों के 2,19,286 लोगों को प्रभावित किया है। इस आपदा में अबतक 69 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 34 लोग से अधिक लापता हैं।

सरकार ने घोषणा की है कि विदेशों में रहने वाले श्रीलंकाई और विदेशी नागरिक राहत कार्यों में योगदान दे सकते हैं। राष्ट्रपति के मीडिया प्रभाग ने कहा कि निर्दिष्ट बैंक खाते का विवरण विदेशों में श्रीलंकाई राजनयिक मिशनों और श्रीलंका स्थित विदेशी मिशनों में उपलब्ध है।

श्रीलंका की मदद के लिए भारत ने हाथ बढ़ाते हुए ऑपरेशन सागर बंधु शुरू किया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए बताया है कि ऑपरेशन सागर बंधु के तहत आईएनएस विक्रांत और आईएनएस उदयगिरी ने कोलंबो में राहत सामग्री सौंपी और आगे की कार्यवाही चल रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रभावित परिवारों की सुरक्षा, उनके प्रति सांत्वना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा है कि भारत की नेबरहुड फर्स्ट नीति के तहत भारत संकट की इस घड़ी में श्रीलंका के साथ मजबूती से खड़ा है।

मुझे या मेरी बीवी बुशरा को कुछ हुआ तो उसके जिम्मेदार आसिम मुनीर होंगे

इस्लामाबाद, 29 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान को लेकर अटकलों का दौर जारी है। इमरान की मौत की अफवाहों के बीच जेल प्रशासन ने उनके सलामत होने की बात कही है। इसी बीच इमरान खान के बेटे ने उनके जीवित होने के सबूत मांगे हैं। खास बात है कि इमरान पहले दावा कर चुके हैं कि अगर उन्हें कुछ होता है, तो इसके जिम्मेदार फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनीर होंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जेल अधिकारियों ने कहा है कि इमरान खान पूरी तरह से स्वस्थ हैं। उनके स्वास्थ्य स्थिति को लेकर अफवाहों को भी खारिज किया। अदियाला जेल प्रशासन ने एक बयान जारी कर कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के नेतृत्व को इमरान खान के स्वास्थ्य के बारे में सूचित कर दिया गया है। इमरान खान को जेल में सभी जरुरी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। जेल अधिकारियों ने बयान में कहा कि सोशल मीडिया पर इमरान की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में किए जा रहे दावों में कोई सच्चाई नहीं है। अदियाला जेल प्रशासन ने स्पष्ट कहा कि इमरान खान को अदियाला जेल से स्थानांतरित करने की खबरें भी निराधार हैं।

एक साल पहले इमरान खान ने अखबार के जरिए कही थी यह बात

एक अखबार के जरिए इमरान खान ने मुनीर पर सवाल उठाए थे। 2 मई 2024 में प्रकाशित लेख के मुताबिक सेना ने वो सबकुछ किया जो वो कर सकते हैं। अब सिर्फ मेरी हत्या करना बाकी है। मैंने सार्वजनिक रूप से कहा है कि मुझे या मेरी बीवी को कुछ होता है, तो जनरल आसिम मुनीर उसके जिम्मेदार होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस साल जुलाई में इमरान ने लिखा था, हाल के दिनों में, जेल में मेरे साथ होने वाला कठोर व्यवहार और बढ़ गया है। यही रवैया मेरी पत्नी बुशरा बीबी के खिलाफ भी अपनाया जा रहा है। यहां तक कि उनकी कोठरी का टीवी भी बंद कर दिया गया है। हम दोनों के सभी बुनियादी अधिकार चाहे वे मानवीय हों या कैदियों को दी गई कानूनी निलंबित कर दिए गए हैं।

वैज्ञानिकों ने गहरी झील से ढूंढ निकाला 600 साल पुराना रहस्य

बिश्केक। किर्गिस्तान के पूर्वी इलाके में स्थित दुनिया की आठवीं सबसे गहरी झील ईस्युक कुल के शांत पानी के नीचे सदियों से छिपा एक रहस्य आखिरकार सामने आ गया। अगर झील में तैरते हुए किसी को ऐसा रास्ता मिल जाए, तो किसी दूसरी दुनिया तक ले जाए, तो ये बात शायद ही किसी को पचेगी। हालांकि ऐसा हुआ है और पुरातत्व वैज्ञानिकों ने ढूंढ निकाली है 600 साल पुराना रहस्य उजागर कर दिया है। दरअसल वैज्ञानिकों ने यहां एक डूबा हुआ मध्यकालीन शहर, ईंटों से बने ढांचे, कब्रिस्तान और बेहद कीमती मिट्टी के पुराने आर्टिफैक्ट्स खोज निकाले हैं। ये ऐसा लग रहा था, मानो कहानियों में बसा हुआ अंडरवॉटर अटलांटिस साक्षात सामने आ गया हो। मध्यकाल में यह इलाका मशहूर सिल्क रोड का अहम पड़ाव था, जहां से पूर्व और पश्चिम के व्यापारी गुजरते थे। शोधकर्ताओं को झील के चार अलग-अलग हिस्सों में 1 से 4 मीटर की गहराई पर इस डूबे हुए शहर के निशान मिले। सबसे पहले क्षेत्र में उन्हें फायर-ब्रिक से बने कई ढांचे मिले, जिसमें एक निर्माण के भीतर अनाज पीसने वाली पुरानी मिलस्टोन यानि चक्की भी मिली। वैज्ञानिकों का मानना है कि यहां कभी एक मस्जिद या हमाम जैसी सार्वजनिक इमारत भी मौजूद थी।

यूएन रिपोर्ट : में जकार्ता बनी दुनिया का सबसे बड़ा शहर, एशिया में तेजी से हो रहा शहरीकरण

न्यूयॉर्क, 29 नवंबर (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट वर्ल्ड अर्बनाइजेशन प्रॉस्पेक्ट्स 2025 ने वैश्विक शहरीकरण की नई तस्वीर पेश की है। दुनिया की 8.2 अरब आबादी का 45 प्रतिशत, यानी लगभग 3.7 अरब लोग, अब शहरों में रहते हैं – जो 1950 के 20 प्रतिशत से दोगुना से अधिक है। मेगासिटीज (1 करोड़ से अधिक आबादी वाले शहरों) की संख्या 1975 के 8 से बढ़कर 2025 में 33 हो गई है, जिनमें से 19 एशिया में हैं। इस रिपोर्ट में नई डिग्री ऑफ अर्बनाइजेशन विधि अपनाई गई है, जो भौगोलिक डेटा (जैसे ग्लोबल ह्यूमन सेटलमेंट लेयर) पर आधारित है। यह घनी बस्तियों (1,500 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी से अधिक) को मापती है, जिससे आंकड़े अधिक तुलनीय बने। पुरानी विधियों में टोक्यो शीर्ष पर था, लेकिन नई विधि ने इंडोनेशिया की जकार्ता को दुनिया का सबसे बड़ा शहर घोषित किया। 2025 की टॉप-10 सबसे बड़ी शहरी समूहों (अर्बन एग्लोमरेशन्स) की सूची एशिया-केंद्रित है। पहले स्थान पर जकार्ता है, जहां 41.9 मिलियन (लगभग 4.19 करोड़) लोग रहते हैं। दूसरे नंबर पर बांग्लादेश की ढाका 36.6 मिलियन (3.66 करोड़) के साथ। जापान का टोक्यो, जो दशकों से नंबर वन था, अब तीसरे स्थान पर खिसक गया है

– 33.4 मिलियन (3.34 करोड़) आबादी के साथ। भारत की दिल्ली चौथे स्थान पर है (30.2 मिलियन या 3.02 करोड़), उसके बाद चीन का शंघाई (29.6 मिलियन), ग्वांगझोउ (27.6 मिलियन), फिलीपींस का मनीला (24.7 मिलियन), कोलकाता (22.5 मिलियन), सियोल (22.5 मिलियन) और मिस्त्र का काहिरा (23 मिलियन)। टॉप-10 में एशिया के 9 शहर हैं; काहिरा एकमात्र गैर-एशियाई। ब्राजील का साओ पाउलो (18.9 मिलियन) दक्षिण अमेरिका का सबसे बड़ा है, जबकि नाइजीरिया का लागोस सब-सहारा अफ्रीका का। शहरों का इतिहास मानव सभ्यता का आईना है। लगभग 9000 वर्ष पूर्व कृषि क्रांति ने शहरों को जन्म दिया। 7000 ईसा पूर्व में फिलिस्तीन का जेरिको (1000-2000 लोग) पहला बड़ा शहर था। 3100 ईसा पूर्व से मिस्त्र का मेम्फिस (30,000 आबादी) शीर्ष पर रहा। मेसोपोटामिया का अक्कड़, रोमन रोम (100 ईस्वी में 10 लाख) और मध्ययुग का बगदाद (9वीं शताब्दी में पहला मिलियन-सिटी) इसके बाद आए। 19वीं शताब्दी में औद्योगिक क्रांति ने लंदन (1800 में 9 लाख) और न्यूयॉर्क (1900 में शीर्ष) को आगे बढ़ाया। 1950 में टोक्यो नंबर वन बना, लेकिन अब एशिया का दबदबा है। 1800 में टॉप-100 शहरों में एशिया-अफ्रीका का हिस्सा अधिक था, लेकिन औपनिवेशिक युग ने यूरोप को बढ़ावा दिया। वैश्वीकरण, प्रवास और आर्थिक उछाल ने एशिया को केंद्र बनाया। जकार्ता का उदय आश्चर्यजनक है। कभी डच उपनिवेश बटाविया, अब यह 4.19 करोड़ की आबादी वाला मेगासिटी है। तेज विकास, ग्रामीण प्रवास और जन्म दर ने इसे बढ़ाया, लेकिन जलवायु परिवर्तन (समुद्र स्तर वृद्धि, बाढ़) चुनौतियां हैं। नई राजधानी नुसंतारा (बोरनियो) से राहत मिल सकती है। ढाका (3.66 करोड़) बांग्लादेश का आर्थिक केंद्र है – कपड़ा उद्योग और 1971 के बाद प्रवास ने इसे बढ़ाया। 2050 तक यह 5 करोड़ पार कर सकता है, लेकिन गरीबी, प्रदूषण और बाढ़ संकट हैं। टोक्यो (3.34 करोड़) की गिरावट जापान की कम जन्म दर (1.3 प्रति महिला) और वृद्धावस्था से है; 2050 तक 3 करोड़ रह जाएगी।

वेनेजुएला की विपक्षी नेता मचाडो नोबेल पुरस्कार लेने गई तो होंगी भगोड़ा घोषित

मचाडो पर षड्यंत्र, घृणा फैलाने और आतंकवाद का लगा है आरोप, छिप के रह रही हैं

वेनेजुएला, 29 नवंबर (एजेंसियां)।

नोबेल पुरस्कार विजेता और वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो अगर शांति पुरस्कार लेने नॉर्वे जाती हैं तो उन्हें 'भगोड़ा' करार दिए जाने का खतरा है। कोरिना मचाडो को लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए पिछले महीने नोबेल शांति पुरस्कार देने की घोषणा की गई थी। वेनेजुएला में मचाडो के खिलाफ आतंकवाद से जुड़े आरोपों समेत कई आपराधिक मामले दर्ज होने से उन्हें व्यक्तिगत रूप से पुरस्कार लेने जाने से मना करना पड़ सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 58 साल की कोरिना मचाडो कथित तौर पर देश में छिपी हैं। वेनेजुएला की इस राजनीतिज्ञ ने पिछले सप्ताह 10 दिसंबर के समारोह के लिए नॉर्वे के शहर ओस्लो की यात्रा करने की इच्छा जताई थी। हालांकि एक रिपोर्ट के मुताबिक वेनेजुएला के अटॉर्नी जनरल तारेक विलियम साब ने चेतावनी दी है कि वह कई आपराधिक मामलों का सामना कर रही हैं और यदि वह शांति पुरस्कार लेने विदेश जाती हैं तो उन्हें 'भगोड़ा' घोषित किया जाएगा। विलियम साब ने बताया कि वेनेजुएला से बाहर रहने और कई आपराधिक जांचों के कारण उन्हें भगोड़ा माना जाता है। कोरिना मचाडो पर षड्यंत्र, घृणा भड़काने और आतंकवाद के कृत्यों का आरोप है। रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त 2024 से

मचाडो छिपी हुई हैं। उस समय मादुरो ने खुद को तीसरे कार्यकाल के लिए फिर से निर्वाचित घोषित करने के बाद विरोधियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की थी। रिपोर्ट के मुताबिक मचाडो ने पिछले महीने एक साक्षात्कार में कहा था कि निकोलस मादुरो ने मुझ पर आतंकवाद का आरोप लगाया था और उन्हें छिपना पड़ा था। उन्होंने कहा कि उनके ज्यादातर सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। बचे हुए छिप गए या निर्वासन में चले गए हैं। उन्होंने कहा कि करीब 15 महीने से वह एकांतवास में हैं और उन्हें इस बात का अहसास है कि अगर वे उन्हें ढूंढ भी लेंगे तो उन्हें गायब कर ही देंगे। विश्लेषकों का मानना है कि अपनी जान और आज़ादी को जोखिम में डाले बिना, मचाडो शायद देश के अंदर रहकर ही नोबेल पुरस्कार स्वीकार करेंगी। यह सवाल इस समय वेनेजुएला की राजनीति और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार आंदोलनों के केंद्र में है। कोरिना मचाडो का नॉर्वे जाने का फैसला उनके राजनीतिक करियर और वेनेजुएला में लोकतंत्र की लड़ाई के लिए अत्यंत जोखिम भरा और अहम कदम होगा। रिपोर्ट के मुताबिक मचाडो वेनेजुएला से ही वर्चुअली या वीडियो संदेश के जरिए पुरस्कार स्वीकार कर सकती हैं। इससे वह अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा तय कर पाएंगी और देश के अंदर रहकर विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व जारी रख सकेंगी। वह अपने खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों का सामना वेनेजुएला की कोर्ट में कर सकती हैं। सरकार उन पर कानूनी दबाव बनाए रखेगी, लेकिन देश के अंदर उनकी उपस्थिति विरोधियों को जुटाए रखने में मदद करेगी।

टाटा विमेंस प्रीमियर लीग 2026 का शेड्यूल घोषित 9 जनवरी से 5 फरवरी तक होंगे मुकाबले

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टाटा विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 का शेड्यूल जारी कर दिया है। लीग का चौथा संस्करण 9 जनवरी से 5 फरवरी 2026 तक खेला जाएगा, जिसमें मुकाबले नवी मुंबई और वडोदरा में आयोजित किए जाएंगे। यह टूर्नामेंट एक बार फिर भारत और दुनियाभर की शीर्ष महिला क्रिकेटर्स के कौशल को प्रदर्शित करेगा।

सीजन की शुरुआत 9 जनवरी को नवी मुंबई में होने वाले धमाकेदार ओपनर से होगी, जहां मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस (एमआई) का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। नवी मुंबई में 9 से 17 जनवरी तक कुल 11 मैच खेले जाएंगे, जो टूर्नामेंट की रोमांचक शुरुआत तय करेंगे।

इसके बाद लीग का कारवां वडोदरा पहुंचेगा, जहां बाकी 11 मुकाबले सहित प्लेऑफ भी खेले जाएंगे। वडोदरा में पहला मुकाबला गुजरात जायंट्स और आरसीबी के बीच होगा, जिसके बाद 2025 फाइनलिस्ट दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और मुंबई के बीच हाई-वोल्टेज भिड़ंत देखने को मिलेगी। लीग चरण 01 फरवरी तक चलेगा, जिसके बाद एक दिन का ब्रेक निर्धारित है।

एलिमिनेटर मुकाबला 3 फरवरी, मंगलवार को खेला जाएगा, जिसमें अंक तालिका में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें आमने-सामने होंगी। इसके विजेता को फाइनल में जगह पाने का मौका मिलेगा। अंक तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीम सीधे 5 फरवरी 2026 को वडोदरा में होने वाले फाइनल में पहुंचेगी, जहां नए डब्ल्यूपीएल चैंपियन का ताज पहनाया जाएगा।

हाल ही में नई दिल्ली में हुए मेगा ऑक्शन के बाद टीमों की संरचनाओं में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं, जिससे डब्ल्यूपीएल 2026 अब तक का सबसे रोमांचक सीजन साबित होने की उम्मीद है। युवा भारतीय खिलाड़ियों और अनुभवी विदेशी सितारों के मिश्रण से यह टूर्नामेंट उच्च स्तरीय और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट का शानदार प्रदर्शन करेगा।

न्यूज ब्रीफ

एशिया कप इंडिया-19 में सिरसा के कनिष्क चौहान का चयन

सिरसा। आगामी 12 दिसंबर से दुबई में आरंभ होने वाले अंडर-19 क्रिकेट एशिया कप में भारतीय टीम में सिरसा के कनिष्क चौहान के चयन पर सिरसा का प्रत्येक खेल प्रेमी फूला नहीं समा रहा है। सिरसा क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव डॉ. वेद बेनीवाल व कनिष्क के प्रशिक्षक जसकरण सिंह ने शनिवार को बताया कि हरियाणा क्रिकेट 19 के कप्तान रह चुके कनिष्क चौहान अब से पूर्व अंडर-19 क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया व इंग्लेंड में भी अपनी शानदार प्रतिभा का परिचय दे चुके हैं। अब एक बार फिर कनिष्क चौहान गेंद व बल्ले से दुबई में भारत की शान बढ़ाने के लिए जलवा दिखाने के लिए तैयार हैं। पुरुष अंडर-19 एशिया कप के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का नेतृत्व आयुष म्हात्रे करेंगे। डॉ.बेनीवाल व जसकरण सिंह ने कहा कि कनिष्क चौहान की प्रतिभा व एसोसिएशन द्वारा उचित मंच प्रदान किए जाने का ही परिणाम है कि सिरसा का छोरा अंडर-19 क्रिकेट एशिया कप में भारत के लिए पसीना बहाएगा। उन्होंने पुरजोर कहा कि ऑलराउंडर कनिष्क के लिए अभी सफलता की उड़ान केवल यहीं तक सीमित नहीं है बल्कि उन्हें उम्मीद है कि वह अपनी एकाग्रता व श्रेष्ठता के आधार पर आने वाले समय में भारत की सीनियर टीम में भी जगह बनाएगा ।

बीसीसीआई विजय मर्चेंट ट्रॉफी : हिमाचल की अंडर-16 मेन टीम का चयन

धर्मशाला। बीसीसीआई विजय मर्चेंट ट्रॉफी 2025 के लिए हिमाचल की मेन टीम का चयन कर लिया गया है। हिमाचल की टीम प्रतियोगिता में अपना पहला मैच सौराष्ट्र के साथ खेलेगा। यह मैच 7 से 9 दिसम्बर तक विजयवाड़ा में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा मैच 12 से 14 दिसंबर तक हरियाणा के साथ, 18 से 20 दिसम्बर तक दिल्ली के साथ, 23 से 26 दिसम्बर तक महाराष्ट्र और 29 से 31 दिसंबर तक हैदराबाद के साथ होगा। सभी मैच विजयवाड़ा में ही खेले जाएंगे। उधर हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने इस टीम का चयन हैदराबाद और विजयवाड़ा में पुरुष अंडर-16 अभ्यास मैच और बीसीसीआई विजय मर्चेंट ट्रॉफी के लिए एक साथ किया है। अंडर-16 पुरुष टीम की कमान कांगड़ा के आदिल राणा को सौंपी गई है। इसके अलावा अभय चंदेल बिलासपुर, अखिलेश गौतम बिलासपुर, प्रिंस सुरिंदर ठाकुर बिलासपुर, अक्षित ठाकुर चंबा, कनिष्क शर्मा हमीरपुर, साहिल कुमार हमीरपुर, तनीश कुमार कांगड़ा, वेदांत शर्मा कुल्लू, आदिश मिन्हास मंडी, अथर्व आर्य शिमला, हार्दिक शर्मा सिरमौर, आर्यन मेहता सोलन, समीर सोलन, उत्तम परमार सोलन, भविष्य भारद्वाज ऊना, सुमित संधू ऊना, वैभव शर्मा ऊना को टीम में शामिल किया गया है। वहीं अजय मोहन शर्मा कोच, तरूण कुमार शर्मा सहायक कोच, गुलशन चौधरी फील्डिंग कोच, अमृत शर्मा फिजियो, शुभम् कथूरिया ट्रेनर, संदीप भास्कर वीडियो विश्लेषक, रवि कांत पार्श्व भुजा तथा मुकेश शर्मा को प्रबंधक का जिम्मा सौंपा गया है।

सुल्तान अज़लान शाह कप : भारत ने कनाडा को 14-3 से रौंदा, फाइनल में की जगह पक्की

इपोह (मलेशिया)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को अपने आखिरी राउंड-रोबिन मुकाबले में कनाडा को 14-3 से करारी शिकस्त देकर सुल्तान अज़लान शाह कप 2025 के फाइनल में जगह सुनिश्चित कर ली। भारत के डिफेंडर जुगराज सिंह टीम के शीर्ष स्कोरर रहे, जिन्होंने कुल चार गोल दागे—तीन पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए। इसके अलावा अभिषेक, अमित रोहिदास और राजिंदर सिंह ने दो-दो गोल किए। वहीं सेल्वम कार्ती, निलकांत शर्मा, संजय और दिलप्रीत सिंह ने एक-एक गोल का योगदान दिया। इस शानदार जीत के साथ भारत ने अंक तालिका में शीर्ष दो में अपनी जगह पक्की कर ली है, चाहे दिन में बाद के मुकाबलों के परिणाम कुछ भी हों। क्रेग फुल्टन की कोचिंग में खेल रही भारतीय टीम का सामना फाइनल में संभवतः बेल्जियम से होगा—वही टीम जिसने राउंड-रोबिन चरण में भारत को एकमात्र हार दी थी। फिलहाल बेल्जियम 10 अंकों के साथ मजबूत स्थिति में है और शनिवार को बाद में न्यूजीलैंड से भिड़ेगा, जिसके सात अंक हैं। न्यूजीलैंड के पास फाइनल में पहुंचने की मामूली उम्मीद है, लेकिन इसके लिए उसे कम से कम छह गोल के अंतर से जीत दर्ज करनी होगी।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के बाद तैराक श्री हरि नटराज की नजरें 2026 एशियन गेम्स पर

जयपुर, 29 नवंबर (एजेंसियां) ।

टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके तैराक श्रीहरि नटराज ने चल रहे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआइयूजी) राजस्थान 2025 में अपने शानदार प्रदर्शन से एक बार फिर सुर्खियां बटोरीं। जैन यूनिवर्सिटी की ओर से हिस्सा लेते हुए उन्होंने कुल 11 पदक जीते, जिसमें 9 स्वर्ण और 2 रजत शामिल हैं। 24 वर्षीय नटराज ने स्वीकार किया कि वे अपने श्रेष्ठ टाइमिंग के करीब भी नहीं थे, क्योंकि यह उनका ऑफ-सीजन चल रहा है। हाल ही में अहमदाबाद में हुए एशियन एक्वाटिक्स चैंपियनशिप में सात पदक जीतने के बाद वे पूर्ण रूप से उच्च स्तरीय प्रशिक्षण में नहीं थे, लेकिन फिर भी प्रतियोगिता में काफी आगे रहे और अपनी यूनिवर्सिटी को तैराकी में 45 पदकों (27 स्वर्ण सहित) की बड़ी उपलब्धि दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

एशियन और कॉमनवेल्थ गेम्स पर नजरें – नटराज अब जापान में होने वाले 2026 एशियन गेम्स और ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 पर फोकस कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'एशियन गेम्स में मैं 25 साल का हो जाऊंगा और यही उम्र तैराकों के लिए पीक होती है। अब मैं अपने गेम और शरीर को बेहतर समझता हूं, और मुझे पूरा विश्वास है कि मैं वहां पदक जीत सकता हूं।'

टार्गेट एशियन गेम्स ग्रुप में शामिल होने की उम्मीद – श्रीहरि को उम्मीद है कि एशियन एक्वाटिक्स चैंपियनशिप में मिले सात पदकों के आधार पर उन्हें टार्गेट एशियन गेम्स ग्रुप में जगह मिलेगी। उन्होंने कहा, '2018 के पहले खेलो इंडिया गेम्स के बाद मुझे टॉप्स में शामिल किया गया था और उस सहयोग ने मेरे करियर में बड़ा बदलाव लाया। अब टार्गेट एशियन गेम्स ग्रुप में शामिल होकर मैं एशियन गेम्स की तैयारी और व्यवस्थित तरीके से कर सकूंगा।' पेरिस ओलंपिक में 100 मीटर बैकस्ट्रोक हीट में बाहर होने के बाद उन्हें टॉप्स कोर ग्रुप से बाहर कर दिया गया था। अब उनका मानना है कि वे और साजन प्रकाश ही ऐसे भारतीय तैराक हैं जो एशियन गेम्स में पदक जीतने की क्षमता रखते हैं।

केआइयूजी का महत्व – नटराज ने कहा कि केआइयूजी जैसे टूर्नामेंट भारतीय वरिष्ठ तैराकों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा, 'भारत में सीनियर लेवल के तैराकों को बहुत कम घरेलू प्रतियोगिताएं मिलती हैं—एक सीनियर नेशनल और एक यूनिवर्सिटी नेशनल। ऐसे में केआइयूजी जैसे टूर्नामेंट उन्हें अतिरिक्त प्लेटफॉर्म देते हैं, जहाँ वे खुद को परख सकते हैं।' उन्होंने अंत में कहा कि केआइयूजी में हिस्सा लेना उनके लिए हमेशा खास रहा है और यह भारतीय तैराकी को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाता है।

प्रीमियर लीग 2025-26: आर्सेनल के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले कोल पामर की चेल्सी में वापसी

लंदन। चेल्सी के स्टार फॉरवर्ड कोल पामर इस सप्ताहांत आर्सेनल के खिलाफ होने वाले प्रीमियर लीग के शीर्ष मुकाबले में वापसी के लिए पूरी तरह फिट हैं। मैनेजर एंज़ो मारेस्का ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। पामर 20 सितंबर से टीम से बाहर थे—पहले ग्रोइन इंजरी के कारण और फिर पैर की अंगुली फ्रैक्चर होने की वजह से। लगभग दो महीने बाद उनकी टीम में वापसी चेल्सी के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है। मारेस्का ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हर कोई खुश है, उनके साथी खिलाड़ी खुश हैं। सबसे ज़रूरी बात यह है कि कोल खुद खुश हैं, क्योंकि फुटबॉल खिलाड़ी अंत में मैदान पर उतरना ही चाहते हैं।' पिछले सीजन में पामर चेल्सी के टॉप स्कोरर थे, जिन्होंने प्रीमियर लीग में 15 गोल दागे थे। इस सीज़न में वे अब तक सभी प्रतियोगिताओं में केवल चार मैच खेल पाए हैं और दो गोल किए हैं। मारेस्का ने आगे कहा, 'वह शायद हमारे सबसे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उनकी वापसी से हम बेहद खुश हैं। अब ज़रूरत है उन्हें धीरे-धीरे 100प्रतिशत फिटनेस तक लाने की। उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है और हमें पूरा भरोसा है कि भविष्य में भी क्लब के लिए बेहतरीन खेल दिखाएंगे।

आईसीसी टूर्नामेंट के दौरान क्रिकेटर की शर्मनाक हरकत

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां) ।

महिला पर हमला कर छीना फोन, तीन साल की जेल

पापुआ न्यू गिनी के इंटरनेशनल क्रिकेटर किपलिन डोरिगा को जर्सी आइलैंड पर डकैती का दोषी पाए जाने के बाद तीन साल की जेल की सजा सुनाई गई है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 30 वर्षीय डोरिगा, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप चैलेंज लीग में पापुआ न्यू गिनी का प्रतिनिधित्व किया था, ने टूर के दौरान एक महिला पर हमला किया और उसका मोबाइल फोन छीन लिया। डोरिगा पिछले तीन महीनों से पुलिस हिरासत में थे और अब कोर्ट ने उन्हें सजा दी है।

डोरिगा ने पीएनजी के लिए 39 वनडे और 43 टी20 मैच खेले हैं। घटना सोमवार, 25 अगस्त को सुबह करीब 2:30 बजे सेंट हेलियर में हिलेरी स्ट्रीट पर हुई। पुलिस के अनुसार डोरिगा अपने होटल लौट रहे थे और उन्होंने महिला को देखा, उसे घूंसा मारकर जमीन पर गिरा दिया और फिर उसका मोबाइल फोन छीन लिया। महिला को लगी चोट के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं मिली है। डोरिगा को उसी दिन गिरफ्तार कर पूछताछ की गई।

अगले दिन उन पर आधिकारिक रूप से डकैती का आरोप लगाया गया और उन्हें जर्सी मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया। बुधवार, 27 अगस्त को डोरिगा ने जुर्म कबूल कर लिया। शुक्रवार, 28 नवंबर को जर्सी के रॉयल कोर्ट ने उन्हें तीन साल की जेल की सजा सुनाई। स्टेट्स ऑफ जर्सी पुलिस क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट के डिटेक्टिव सार्जेंट जिम मैकग्रानाहन ने कहा कि यह एक तेज़ और प्रभावशाली जांच थी। उन्होंने बताया, आरोप की गंभीरता के कारण, जिसमें रात के समय अकेली महिला पर हमला शामिल था, पुलिस ने कई डिटेक्टिव और अन्य कर्मियों की मदद से जल्दी ही डोरिगा की पहचान की, उसे गिरफ्तार किया और चोरी का सामान बरामद किया। इस घटना ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट समुदाय में भी चिंता और शर्मिंदगी पैदा की है। डोरिगा की इस हरकत ने खेल की प्रतिष्ठा को धक्का पहुंचाया है और यह उदाहरण है कि खेलों में प्रतिभा के साथ-साथ अनुशासन और जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

ऋतुराज गायकवाड़ की टीम इंडिया में वापसी, ब्लू जर्सी में लौटने पर जताई खुशी

रांची। भारतीय क्रिकेट में ऋतुराज गायकवाड़ की टीम इंडिया में वापसी ने फैंस में उत्साह पैदा कर दिया है। गायकवाड़ को साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए चयनित किया गया है और लंबे समय बाद ब्लू जर्सी में लौटकर वह बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें टीम इंडिया के लिए फिर से खेलने का बेसब्री से इंतजार है। गायकवाड़ ने आखिरी बार 19 दिसंबर 2023 को साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे मैच खेला था, जबकि 13 जुलाई 2024 को जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 फॉर्मेट में मैदान पर दिखाई दिए थे। इस सीरीज में टीम इंडिया के नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन की चोट के कारण नहीं खेल पाएंगे, जबकि श्रेयस अय्यर स्प्लीन इंजरी के चलते सीरीज से बाहर हैं। ऐसे में ऋतुराज गायकवाड़ को मौका दिया गया है और टीम की कमान केएल राहुल को सौंपी गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर गायकवाड़ का वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, ब्लू जर्सी में वापस लौटकर अच्छा लगा। मुझे टीम इंडिया के लिए फिर से खेलने का इंतजार है। भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने गायकवाड़ के चयन पर संतोष जताया। उन्होंने कहा कि गायकवाड़ लंबे समय से क्वालिटी प्लेयर रहे हैं और यदि उन्हें यह अवसर मिलता है, तो वह देश को गर्व महसूस कराएंगे।

यूईएफए महिला नेशंस लीग – फाइनल के पहले चरण में जर्मनी और स्पेन का मुकाबला ड्रॉ

कैसरस्लॉटर्न, 29 नवंबर (एजेंसियां) ।

मौजूदा विश्व चैंपियन स्पेन ने गोलकीपर काता कॉल के शानदार प्रदर्शन की बदौलत शुक्रवार को यूईएफए महिला नेशंस लीग फाइनल के पहले चरण में जर्मनी को गोलरहित ड्रॉ पर रोके रखा। अब खिताब का फैसला मंगलवार को मैड्रिड में होने वाले दूसरे चरण में होगा। मैच के दौरान जर्मनी ने गेंद पर नियंत्रण और आक्रामकता दोनों में बढ़त बनाए रखी, जबकि स्पेन ने गहरी रक्षात्मक रणनीति अपनाते हुए मैच को ड्रॉ की दिशा में मोड़ने की कोशिश की। जर्मन खिलाड़ियों ने कई मौकों पर गोल के करीब पहुंचकर भी मौका गंवा दिया। जर्मनी की स्टार स्ट्राइकर क्लारा ब्यूहल, जिन्हें पहले हाफ में चार साफ मौके मिले, ने ज़ेडडीएफ से कहा, 'हमने बेहद साहसी खेल दिखाया। गोल न कर पाने का मलाल है।' उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन टीम का आत्मविश्वास बढ़ाता है और अब वे मैड्रिड में होने वाले निर्णायक मुकाबले को लेकर उत्साहित हैं। जर्मन कोच क्रिश्चियन वुक ने टीम की तारीफ करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने साबित किया कि वे स्पेन जैसी मजबूत टीम के खिलाफ न सिर्फ टिक सकते हैं, बल्कि अपना खेल भी खेल सकते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि कई मौकों के बावजूद गोल न कर पाना निराशाजनक रहा। मैच से पहले जर्मनी ने स्पेन से यूरो 2025 के सेमीफाइनल में मिली हार का बदला लेने की बात कही थी, लेकिन स्पेन ने उनकी हर कोशिश को नाकाम किया। हालांकि, स्पेन की कोच सोनिया बर्मुडेज़ ने कहा था कि उनकी टीम ड्रॉ के लिए नहीं खेलेगी, पर मैदान पर खेल उनकी बात के उलट दिखाई दिया।

पहले हाफ में फ्रांज़िस्का केट का शॉट रोकने के लिए काता कॉल ने बेहद अहम सेव किया। इसके तुरंत बाद जूल ब्रांड का प्रयास आयरीन पार्डेस ने गोल लाइन पर रोक लिया।

दूसरे हाफ में स्पेन के लिए एस्तेर गोंज़ालेज़ ने 52वें मिनट में पोस्ट पर गेंद मारी, जो उनकी सबसे बड़ी कोशिश रही। वहीं 71वें मिनट में ब्यूहल का शॉट भी पोस्ट से टकरा गया।

अंतिम मिनटों में जर्मनी को जीत का मौका मिला था, जब जूल ब्रांड ने गेंद स्योके नुस्केन तक पहुंचाई, लेकिन काता कॉल ने बाहर आकर खतरा टाल दिया। अब दोनों टीमों के बीच मंगलवार को मैड्रिड में होने वाला दूसरा चरण खिताब का असली फैसला करेगा।

सिक्सर्स ने लेफ्ट-आर्म तेज गेंदबाज़ लॉरेन चीटल के साथ करार दो साल बढ़ाया

सिडनी, 29 नवंबर (एजेंसियां) ।

सिडनी सिक्सर्स ने अपनी तेज गेंदबाज़ी इकाई को मज़बूती देने के लिए अपनी प्रमुख लेफ्ट-आर्म क्विक लॉरेन चीटल का करार कम से कम दो और वर्षों के लिए बढ़ा दिया है। चीटल का पिछला कॉन्ट्रैक्ट मौजूदा सत्र के अंत तक था, लेकिन अब वह महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 13 तक टीम के साथ जुड़ी रहेंगी।

चीटल पिछले नौ वर्षों से सिक्सर्स का हिस्सा हैं। वह 2017 में सिडनी थंडर से इस टीम में शामिल हुई थीं, जहां उन्होंने अपने पहले दो सत्र बिताए थे।

चीटल ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, 'सिक्सर्स मेरे करियर का बहुत बड़ा हिस्सा रहे हैं और अगले दो सत्रों के लिए टीम के साथ बने रहने पर मुझे गर्व है। मैं टीम की क्षमता पर भरोसा करती हूं और मैजेंटा जर्सी के लिए अपना सब कुछ देने के लिए तैयार हूं।' 27 वर्षीय चीटल डब्ल्यूबीबीएल में 100 विकेट के आंकड़े के करीब हैं। अब तक वे 93 मैचों में 95 विकेट ले चुकी हैं। सिक्सर्स के वर्तमान खिलाड़ियों में वह कप्तान एश्ले गार्डनर के बाद दूसरे स्थान पर हैं और टीम की सबसे सफल तेज गेंदबाज़ हैं। कम उम्र के बावजूद चीटल का अंतरराष्ट्रीय अनुभव काफी समृद्ध है। उन्होंने 17 साल की उम्र में 2016 में ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण किया था और उसी वर्ष टी20 विश्व कप में भी हिस्सा लिया था। वह तीनों प्रारूपों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुकी हैं। इस सीजन कप्तानी में बदलाव के बीच सिक्सर्स के लिए चीटल का यह नया करार नेतृत्व के लिहाज़ से भी महत्वपूर्ण है। कंधे और पीठ की चोटों के अलावा दो बार त्वचा कैंसर का सामना करने के बावजूद चीटल ने हमेशा मजबूती से वापसी की है और कठिन परिस्थितियों में जूझने के लिए जानी जाती हैं। सिक्सर्स की जनरल मैनेजर राचेल हेन्स ने कहा, 'लॉरेन टैलेंट की मिसाल हैं। टीम में सभी उन्हें बेहद पसंद करते हैं। वह शानदार आक्रामक गेंदबाज़ हैं और मैदान के अंदर व बाहर दोनों जगह नेतृत्व दिखाती हैं।

बीसीसीआई ने तोड़ी चुप्पी, चयनकर्ताओं पर उठे सवाल रणजी से गायब क्यों रहते हैं अजीत अगरकर

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में खेले गए टेस्ट सीरीज में भारत को 0-2 की शर्मनाक हार झेलनी पड़ी, जिसके बाद भारतीय चयन समिति और मुख्य कोच गौतम गंभीर दोनों पर सवालों की बौछार होने लगी है। घरेलू परिस्थितियों में लगातार दूसरी बार क्लीन स्वीप का सामना करने से क्रिकेट विशेषज्ञों और फैंस में नाराजगी बढ़ गई है। पिछले साल न्यूजीलैंड और अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली हार ने चयन और तैयारी की रणनीति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर भी आलोचना के केंद्र में आ गए हैं। पिछले एक साल में अगरकर के नेतृत्व में भारत ने करीब 30 अलग-अलग खिलाड़ियों को टेस्ट में आजमाया, लेकिन स्थायी संयोजन तलाशने में नाकाम रहा। इंग्लैंड सीरीज में सरफराज खान, ध्रुव जुरेल और रजत पाटीदार को मौका देने का श्रेय भले मिला हो, लेकिन अब सरफराज, अभिमन्यु ईश्वरन और करुण नायर जैसे अनुभवी घरेलू खिलाड़ियों को टीम से बाहर रखने पर जिम्मेदारी उन्हीं पर है।

आईपीओ से इस साल जुटाई जाएगी 1.6 लाख करोड़ से अधिक पूंजी

मीशो, एक्वस और विद्या वायर्स के निर्गम से यह साल आईपीओ के लिए रिकॉर्ड वर्ष बन सकता है

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां) ।

देश का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बाजार इस साल नए रिकॉर्ड की ओर अग्रसर है। विशेषज्ञों के अनुसार मीशो, एक्वस और विद्या वायर्स के निर्गम पूरे होने के बाद आईपीओ के माध्यम से जुटाई गई कुल पूंजी 1.6 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगी। यह पिछले साल के 1.59 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड को पार कर देगा। इस साल अब तक 93 कंपनियों के आईपीओ आए हैं, जो 2007 के बाद सबसे अधिक संख्या है। मीशो 5,421 करोड़ रुपये, एक्वस 922 करोड़ रुपये और विद्या वायर्स 300 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखती हैं। साल की शुरुआत में सेकंडरी बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण आईपीओ गतिविधि धीमी रही। मार्च में कोई नया आईपीओ नहीं आया, जबकि अप्रैल में केवल एक ही निर्गम हुआ। मई से बाजार में सुधार हुआ और जुलाई के बाद हर महीने 10 या उससे अधिक आईपीओ आए। विशेष रूप से, सितंबर में 24 से अधिक कंपनियों का सूचीबद्ध होना जनवरी 1997 के बाद किसी एक महीने में सबसे अधिक था। इक्विरस कैपिटल के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि इस तेजी का मुख्य कारण नए बिजनेस मॉडल वाली कंपनियों का बाजार में प्रवेश है। संस्थागत निवेशक अपने पोर्टफोलियो को नए क्षेत्रों के अनुसार अपडेट करना चाहते हैं और आईपीओ में उन्हें बड़ा हिस्सा मिलता है, जबकि सेकंडरी बाजार में यह मुश्किल होता है। विशेषज्ञों का कहना है कि उचित मूल्य निर्धारण और विविध कारोबारी मॉडल वाली कंपनियों की उपस्थिति ने निवेशकों का विश्वास बढ़ाया। इस साल के आईपीओ से स्पष्ट होता है कि भारतीय शेयर बाजार में नए उद्योग और नवाचार आधारित कंपनियों का दबदबा बढ़ रहा है ।

न्यूज ब्रीफ

आरबीआई ने एचडीएफसी बैंक पर 91 लाख रुपये का लगाया जुर्माना

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बैंकिंग विनियमन कानून के कुछ नियमों का उल्लंघन करने के मामले में निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक पर 91 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना निजी क्षेत्र के इस बैंक पर 'अपने ग्राहक को जानो' (केवाईसी) से जुड़ी कानूनी और नियामकीय बाध्यताओं में कमियों के लिए लगाया गया है। आरबीआई ने जारी एक बयान में कहा कि एचडीएफसी बैंक पर ये जुर्माना बैंक पर बैंकिंग विनियमन कानून के कुछ नियमों का उल्लंघन, कर्ज पर ब्याज दर से जुड़ी शर्तों का पालन न करने, वित्तीय सेवाओं के लिए जोखिम प्रबंधन और आचार संहिता के दिशानिर्देशों तथा केवाईसी से संबंधित कुछ निर्देशों का पालन न करने के कारण लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने बताया कि 31 मार्च, 2024 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के अनुसार बैंक का निगरानी मूल्यांकन करने के लिए एक सांविधिक जांच की गई थी। बैंक को इस संबंध में रिजर्व बैंक द्वारा एक नोटिस जारी किया गया था। केंद्रीय बैंक ने कहा कि बैंक के जवाब और उसके द्वारा दी गई अतिरिक्त जानकारियों पर विचार करने के बाद रिजर्व बैंक ने पाया कि बैंक के खिलाफ आरोप सही थे, जिसके लिए मौद्रिक जुर्माना लगाना आवश्यक था।

विवेक चतुर्वेदी होंगे सीबीआईसी के नए चेयरमैन, सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारी विवेक चतुर्वेदी को केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) का चेयरमैन नियुक्त किया है। वह संजय कुमार अग्रवाल की जगह लेंगे, जो 30 नवंबर को सेवानिवृत्त हो जाएंगे। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग की ओर से जारी एक आदेश के मुताबिक मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने विवेक चतुर्वेदी की सीबीआईसी के चेयरमैन पद पर नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। विवेक चतुर्वेदी 1990 बैच के भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के सदस्य हैं। चतुर्वेदी सीबीआईसी के सदस्य बनने से पहले विभाग में प्रधान महानिदेशक 'विजिलेंस' थे। वह अभी सीबीआईसी बोर्ड (टैक्स पॉलिसी और लीगल) के मेंबर के तौर पर काम कर रहे हैं। वे इस साल अगस्त में विवेक रंजन के सेवानिवृत्त होने के बाद बोर्ड में शामिल हुए। उन्होंने राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) में विभिन्न पदों पर कार्य किया है और उनके पास जांच कार्यों का अच्छा-खासा अनुभव है।

कॉइन डीसीएक्स के थर्ड पार्टी डेटा प्रदाता मिक्सपैनल में सेंधमारी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिप्टो एक्सचेंज कॉइन डीसीएक्स ने पुष्टि की कि उसके थर्ड पार्टी डेटा एनालिटिक्स प्रदाता मिक्सपैनल के सिस्टम में हुई सेंधमारी से कुछ उपयोगकर्ताओं का डेटा लीक हुआ है। कंपनी ने अपने उपयोगकर्ताओं को भेजे ईमेल में कहा कि सेंधमारी का कॉइन डीसीएक्स के बुनियादी ढांचे या उपयोगकर्ताओं के फंड पर कोई असर नहीं पड़ा। मिक्सपैनल ने 8 नवंबर को हुई सेंधमारी की जानकारी दी, जबकि कॉइन डीसीएक्स को इसके बारे में हाल ही सूचित किया गया। कंपनी के अनुसार, प्रभावित डेटा में उपयोगकर्ताओं के नाम और प्लेटफॉर्म पर उनके उपयोग की अवधि जैसी जानकारी शामिल हो सकती है। हालांकि, पासवर्ड, ओटीपी, सीड फ्रेज या अन्य संवेदनशील जानकारी सुरक्षित रही। कॉइन डीसीएक्स ने स्पष्ट किया कि सेंधमारी खास तौर पर उन्हें लक्षित नहीं करती थी और मिक्सपैनल के अन्य बड़े ग्राहकों को भी प्रभावित किया गया। कॉइन डीसीएक्स के पास 2 करोड़ से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं, लेकिन कंपनी ने प्रभावित उपयोगकर्ताओं की संख्या का खुलासा नहीं किया। इस घटना की पुष्टि के लिए कंपनी ने मिक्सपैनल के साथ सहयोग किया और आंतरिक सुरक्षा प्रक्रियाओं की समीक्षा शुरू की।

एयरबस ए-320 विमानों में तकनीकी खराबी

इंडिगो-एयर इंडिया समेत इंडियन एयरलाइंस की उड़ानें प्रभावित, एडवाइजरी हुई जारी

एयरबस का 6,000 प्लेन में बदलाव का अनुरोध, फ्लाइट में रुकावट की चेतावनी

एयरबस श्रृंखला के विमानों में समस्या के कारण उड़ानें रद्द होने, देरी की आशंका

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां) ।

एयरबस श्रृंखला के ए-320 विमानों में उड़ान नियंत्रण से संबंधित संभावित समस्या को दूर करने का काम जारी रहने के बीच एयर इंडिया, इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान सेवाएं बाधित होने की आशंका है। इससे भारत में 200 से 250 और दुनिया भर में 6,000 विमान प्रभावित होंगे।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एयरबस के एक टेक्निकल निर्देश की वजह से शनिवार को कुछ घरेलू एयरलाइंस को कई रूट पर देरी और शेड्यूल में बदलाव का सामना करना पड़ सकता है, जिससे उनके ए-320 फ्लीट पर असर पड़ सकता है। एयरबस के अलर्ट के बाद कई एयरलाइन ने देरी और कैंसलेशन की एडवाइजरी जारी की है। इंडिगो ने कहा कि वे सॉफ्टवेयर-हार्डवेयर सुधार कर रहे हैं और यात्रियों को न्यूनतम असुविधा देने का प्रयास करेंगे। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने एहतियाती कदम उठाए हैं, जबकि एयर इंडिया ने माफी मांगी है।

एयरबस ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि तीव्र सौर विकिरण के कारण ए-320 श्रृंखला के कई विमानों में उड़ान नियंत्रण से जुड़े महत्वपूर्ण डेटा के खराब होने की आशंका है। कंपनी ने जारी बयान में यह भी बताया कि इस समस्या को दूर करने के लिए सॉफ्टवेयर में जरूरी बदलाव किए जाएंगे, जिससे उड़ानों के संचालन में कुछ व्यवधान आ सकते हैं।

एयरबस ने बताया है कि 6,000 तक एक्टिव-320 एयरक्राफ्ट को अपग्रेड करने की जरूरत पड़ सकती है। ऐसे में इंडिगो, एयर इंडिया और दूसरी एयरलाइनों के ऑपरेशन में दिक्कत आने की आशंका है। भारतीय विमानन कंपनियों के पास करीब 560 ए-320 सीरीज के विमान हैं और उनमें से 200-250 को सॉफ्टवेयर परिवर्तन या हार्डवेयर में बदलाव की आवश्यकता होगी। एयरबस ने चेतावनी दी है कि ए-320 बेड़े के कुछ प्लेन्स में तेज सूरज की किरणें फ्लाइट कंट्रोल के लिए जरूरी डेटा खराब कर सकती हैं। इससे 200-250 भारतीय विमानों पर असर पड़ेगा और सॉफ्टवेयर या हार्डवेयर बदलना पड़ेगा। वहीं, इस तकनीकी समस्या या मरम्मत प्रक्रिया से कुल 6,000 विमानों पर असर पड़ेगा। एयर इंडिया ने देर रात 'एक्स' पोस्ट पर जारी एडवाइजरी में कहा कि हमें एयरबस के एक निर्देश के बारे में पता है जो उसके ए-320 फ़ैमिली एयरक्राफ़्ट से जुड़ा है, जो अभी सभी एयरलाइन ऑपरेटरों के लिए सर्विस में है। इससे हमारे फ्लीट के एक हिस्से में सॉफ्टवेयर/हार्डवेयर रीअलाइनमेंट होगा, जिससे टर्नअराउंड टाइम लंबा होगा और हमारे तय ऑपरेशन में देरी होगी। एयर इंडिया को खेद है कि जब तक पूरे फ़्लीट में रीसेट नहीं हो जाता, तब तक यात्रियों को इससे होने वाली किसी भी परेशानी के लिए हम माफी चाहते हैं। हम ग्राहकों से रिक्वेस्ट करते हैं कि वे एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी फ़्लाइट का स्टेटस चेक करें और किसी भी और मदद के लिए 011-69329333, 011-69329999 पर हमारे कॉन्टैक्ट सेंटर से संपर्क करें।

मेहुल चोकसी को कोर्ट से बड़ा झटका, एफईओ कार्रवाई रद्द करने की याचिका खारिज

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां) ।

ईडी के तर्कों को मानते हुए कोर्ट ने कहा, भारत में पेश हुए बिना 'रचनात्मक हिरासत' का दावा स्वीकार्य नहीं

हीरा कारोबारी और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी को एक बड़ा कानूनी झटका लगा है। मुंबई की एक विशेष अदालत ने चोकसी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी (एफईओ) घोषित करने की प्रक्रिया रद्द करने की उसकी याचिका खारिज कर दी। चोकसी ने अपने वकीलों के माध्यम से तर्क दिया था कि वह वर्तमान में बेल्जियम की हिरासत में है और भारत के अनुरोध पर गिरफ्तार किया गया है, इसलिए इसे रचनात्मक हिरासत माना जाना चाहिए। हालांकि, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस तर्क का कड़े शब्दों में विरोध किया और कहा कि चोकसी विदेश में कानूनी कार्यवाही का विरोध केवल इस उद्देश्य से कर रहे हैं कि उन्हें भारत लाया न जाए। ईडी ने अदालत के सामने यह भी कहा कि जब तक चोकसी भारतीय एजेंसियों को सौंपे नहीं जाते और अदालत के समक्ष पेश नहीं होते, तब तक उन्हें एफईओ घोषित करने की प्रक्रिया कानूनी रूप से पूरी तरह उचित है। विशेष न्यायाधीश ने ईडी के तर्कों से सहमति जताते हुए चोकसी की अर्जी खारिज कर दी। अदालत ने माना कि चोकसी लगातार आपराधिक कार्रवाई से बचने की कोशिश कर रहे हैं। चोकसी ने एफईओ घोषित होने का विरोध करने के लिए अब तक 37 आवेदन दायर किए, जिन्हें अदालत ने देरी की रणनीति बताया। ईडी ने वर्ष 2018 में चोकसी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने की याचिका दायर की थी। कानून के अनुसार एफईओ घोषित होने के बाद सरकार मुकदमे की शुरुआत से पहले ही आरोपी की संपत्तियां जब्त कर सकती है। चोकसी जनवरी 2018 में भारत छोड़कर विदेश भाग गया था और उस पर पीएनबी से फर्जी लेटर्स ऑफ अंडरटेकिंग जारी कर आर्थिक लाभ लेने का आरोप है।

ब्लैक फ्राइडे सेल : मॉल और ब्रांडों को बिक्री में दो अंकों की बढ़त की उम्मीद

नई दिल्ली। इस वर्ष ब्लैक फ्राइडे सेल केवल एक दिन की बिक्री नहीं रह गई है, बल्कि अब यह सप्ताह भर चलने वाला कार्यक्रम बन गया है। इसका उद्देश्य अक्टूबर के बाद आई खरीदारी की सुस्ती को खत्म करना और बाजार में उत्साह बढ़ाना है। डीएलएफ रिटेल की एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार इस सेल ने मॉल्स में ग्राहकों की आवाजाही में 20 प्रतिशत की वृद्धि की है और बिक्री में डबल डिजिट वृद्धि की उम्मीद है। फीनिक्स मॉल्स भी इस सप्ताहांत आधी रात तक खुले रहेंगे, जहां बेहतर शॉपिंग अनुभव ग्राहकों को आकर्षित कर रहा है। नेक्सस सेलेक्ट मॉल्स ने बड़े उपहार और ऐप पर बिल अपलोड करने पर दोगुना रिवॉर्ड पॉइंट जैसे ऑफ़र पेश किए हैं। अब परंपरागत इलेक्ट्रॉनिक्स और सौंदर्य उत्पादों के साथ-साथ फैशन और एक्सेसरीज में भी बिक्री में वृद्धि देखी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस सेल से मॉल्स को साल के अंत तक अच्छे कारोबार और ग्राहकों की लगातार बढ़ती संख्या का लाभ मिलेगा।

आईएमएफ करेगा भारत के राष्ट्रीय लेखा डेटा की 'सी' रेटिंग का अपग्रेड

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां) ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) जल्द ही भारत के राष्ट्रीय लेखा डेटा के लिए अपनी वर्तमान 'सी' रेटिंग को अपग्रेड करने वाला है। यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है जब केंद्र सरकार फरवरी 2026 में खुदरा महंगाई और आर्थिक उत्पादन को ट्रैक करने के लिए नई राष्ट्रीय लेखा श्रृंखला जारी करने वाली है।

नई राष्ट्रीय लेखा श्रृंखला और सुधारों के बाद रेटिंग में सुधार का संकेत

आईएमएफ ने इस सप्ताह जारी रिपोर्ट में लगातार दूसरे साल भारत के डेटा को 'सी' रेटिंग दी, जो चार स्तर वाले पैमाने में दूसरा सबसे निचला स्तर है। इसका मतलब है कि आंकड़ों में कुछ कमियां हैं, लेकिन वे आर्थिक निगरानी के लिए पर्याप्त हैं। आईएमएफ के बोर्ड में कार्यकारी निदेशक ऊर्जित पटेल और अन्य अधिकारियों ने बयान में कहा कि वे पिछले परामर्श के बाद भारत के आधिकारिक आंकड़ों में सुधारों की सराहना करते हैं और फरवरी 2026 में प्रकाशित होने वाली नई डेटा श्रृंखला के बाद रेटिंग अपग्रेड की जाएगी। आईएमएफ के कर्मचारियों ने माना कि भारत में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) निर्धारित करने के तरीके में सुधार के साथ राष्ट्रीय लेखा बेंचमार्क में बदलाव की प्रक्रिया जारी है।

इसके अलावा, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में शामिल वस्तुओं और उनके भारांश में भी बदलाव किया जा रहा है ताकि मौजूदा उपभोग पैटर्न का बेहतर प्रतिनिधित्व किया जा सके। विशेषज्ञों के अनुसार, इस अपग्रेड से वैश्विक निवेशकों और आर्थिक विश्लेषकों के लिए भारत के आर्थिक आंकड़ों की विश्वसनीयता बढ़ेगी। यह कदम न केवल डेटा की पारदर्शिता को बढ़ावा देता है, बल्कि भारत की आर्थिक निगरानी और नीति निर्माण में सुधार की दिशा में भी महत्वपूर्ण संकेत है।

महिंद्रा और टाटा ने कैफे-3 नियमों में हल्की कारों के लिए छूट का विरोध किया

कंपनियों ने कहा कि भार-आधारित छूट से निवेश और नवाचार में बाधा आएगी

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां) ।

महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा मोटर्स (पैसेंजर व्हीकल्स) ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल को पत्र लिखकर आगामी कैफे-3 कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन मानदंडों में हल्की पेट्रोल कारों के लिए प्रस्तावित छूट का विरोध किया है। कंपनियों का कहना है कि 909 किलोग्राम से कम वजन वाली कारों को विशेष छूट देने से देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने की गति धीमी होगी। महिंद्रा ने चेताया कि यह कदम कार निर्माता कंपनियों को उत्सर्जन लक्ष्य पूरा करने के लिए हाइब्रिड और अन्य उन्नत तकनीक पर ध्यान देने की बजाय पारंपरिक पेट्रोल-डीजल इंजन प्लेटफॉर्म सुधारने के लिए प्रोत्साहित करेगा। टाटा मोटर्स ने भी उल्लेख किया कि भार-आधारित छूट से निवेश और नवाचार में बाधा आएगी, क्योंकि हल्की कारों का 95 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी केवल एक ओईएम के पास है। दोनों कंपनियों ने कहा कि ऐसे बदलाव से बराबरी के अवसर प्रभावित होंगे और सुरक्षित तथा स्वच्छ कारों की दिशा में देश की प्रगति धीमी होगी। कैफे ढांचा औसत कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन लक्ष्य तय करता है, जिसे हर वाहन निर्माता कंपनी को पूरा करना होता है। लक्ष्य न पूरा होने पर ऊर्जा दक्षता ब्यूरो सख्त दंड लगा सकता है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता जल्द संभव, जवाबी शुल्क पर समाधान अंतिम चरण में

नई दिल्ली। भारत को उम्मीद है कि वर्ष के अंत तक अमेरिका के साथ संरचनात्मक व्यापार समझौता अंतिम रूप ले सकता है। दोनों देशों ने पिछले कुछ महीनों में वार्ताकार स्तर पर अधिकांश विवादित मुद्दों को सुलझा लिया है, जिनमें भारत पर लगाए गए 25 प्रतिशत के जवाबी शुल्क भी शामिल हैं। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने फिक्की की 98वीं वार्षिक आम बैठक में बताया कि समझौता तभी सार्थक होगा जब अमेरिकी पक्ष भारतीय निर्यात पर लगाए गए दो तरह के शुल्कों 25 प्रतिशत जवाबी शुल्क और रूसी तेल की खरीद से जुड़े 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क दोनों का समाधान करे। ये शुल्क अगस्त से लागू हुए थे और भारतीय निर्यातकों पर भारी बोझ डाल रहे हैं। अग्रवाल के अनुसार भारत और अमेरिका दो समानांतर ट्रैक पर बातचीत कर रहे हैं। पहला, व्यापक द्विपक्षीय व्यापार करार है, जिसे पूरा होने में समय लगेगा। दूसरा, संरचनात्मक व्यापार समझौता है जिसका उद्देश्य भारतीय निर्यात पर लगे कुल 50 प्रतिशत शुल्क बोझ को कम करना है। उन्होंने कहा कि लगभग आधा दर्जन दौर की वार्ता हो चुकी है और अब बहुत कम मुद्दे बचे हैं, जिनमें से कुछ पर राजनीतिक स्तर पर अंतिम निर्णय लिए जाने की आवश्यकता है।

दिसंबर में होगा पांच ग्रहों का गोचर

साल 2025 का आखिरी माह दिसंबर जल्द ही शुरु होने वाला है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, दिसंबर माह में 5 ग्रहों का राशि परिवर्तन हो रहा है। ग्रह-नक्षत्रों के अनुसार दिसंबर का महीना काफी महत्वपूर्ण रहने वाला साबित हो सकता है। ऐसे में हर राशि के जातकों के जीवन पर इन ग्रहों का शुभ या अशुभ असर पड़ेगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि दिसंबर में सूर्य, गुरु, मंगल, बुध और शुक्रराशि परिवर्तन करेंगे। 5 दिसंबर को गुरु मिथुन राशि में गोचर कर जाएंगे। वहीं मंगल 07 दिसंबर को धनु राशि में प्रवेश करेंगे। बुध दो बार राशि परिवर्तन करेंगे। दिसंबर में बुध वृश्चिक और धनु राशि में रहेंगे। वर्तमान समय में सूर्य वृश्चिक राशि में विराजमान है और 16 दिसंबर तक इसी राशि में रहेंगे। इसके बाद धनु राशि में गोचर करेंगे। शुक्र 20 दिसंबर को वृश्चिक राशि से निकलकर धनु राशि में गोचर कर जाएंगे। ऐसे में ग्रहों की स्थिति में बदलाव के कारण वृश्चिक, धनु और मीन राशि के जातकों को भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। खासकर करियर और व्यवसाय में नए अवसर मिलने की संभावना है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

दिसंबर में ग्रहों का गोचर

5 दिसंबर को गुरु का मिथुन राशि में गोचर

वर्तमान समय में देवताओं के गुरु कर्क राशि में विराजमान हैं। देवगुरु बृहस्पति 05 दिसंबर को मिथुन राशि में गोचर करेंगे। बृहस्पति देव मिथुन राशि में 01 जून, 2026 तक रहेंगे। इसके अगले दिन यानी 02 जून को कर्क राशि में गोचर करेंगे। गुरु के राशि परिवर्तन करने से कई राशि के जातकों को लाभ मिलेगा।

मंगल का 7 दिसंबर को धनु राशि में गोचर

वर्तमान समय में ग्रहों के सेनापति मंगल देव वृश्चिक राशि में विराजमान हैं। इस राशि में मंगल देव 06 दिसंबर तक रहेंगे। इसके अगले दिन यानी 07 दिसंबर को धनु राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में मंगल देव 15 जनवरी तक रहेंगे। इसके अगले दिन मंगल देव मकर राशि में गोचर करेंगे।

बुध का 6 और 29 दिसंबर को गोचर

वर्तमान समय में ग्रहों के राजकुमार बुध देव तुला राशि में विराजमान हैं। इस राशि में बुध देव 05 दिसंबर तक रहेंगे। इसके अगले दिन यानी 06 दिसंबर को वृश्चिक राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में बुध देव 28 दिसंबर तक रहेंगे। इसके अगले दिन बुध देव धनु राशि में गोचर करेंगे। बुध देव के दिसंबर महीने में दो बार राशि परिवर्तन करने से कई राशि के जातकों को बिजनेस में लाभ होगा।

सूर्य का 16 दिसंबर को धनु राशि में गोचर

वर्तमान समय में सूर्य देव वृश्चिक राशि में विराजमान हैं। आत्मा के कारक सूर्य देव 16 दिसंबर को धनु राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में सूर्य देव 13 जनवरी तक रहेंगे। इसके अगले दिन यानी 14 जनवरी को सूर्य देव मकर राशि में गोचर करेंगे। सूर्य देव के राशि परिवर्तन करने से कई राशि के जातकों को जॉब में सफलता मिलेगी।

शुक्र का 20 दिसंबर को धनु राशि में गोचर

सुखों के कारक शुक्र देव दिसंबर महीने में राशि परिवर्तन करेंगे। शुक्र देव 19 दिसंबर तक वृश्चिक राशि में रहेंगे। इसके अगले दिन यानी 20 दिसंबर को शुक्र देव धनु राशि में गोचर करेंगे। शुक्र देव के राशि परिवर्तन करने से कई राशि के जातकों को दिसंबर महीने में भौतिक लाभ मिल सकता है।

12 राशियों पर फायदा या नुकसान

शुभ प्रभाव - मिथुन, वृश्चिक, मकर और मीन

अशुभ प्रभाव - वृष, सिंह, तुला और कुंभ

मिलाजुला प्रभाव - मेष कर्क, कन्या और धनु

ग्रहों के गोचर का प्रभाव

बीमारियों के इलाज में भी नए-नए आविष्कार होंगे। नई-नई दवाइयां और तकनीक विकसित होगी। सूर्य, शुक्र, मंगल, गुरु और बुध के राशि परिवर्तन से व्यापार में तेजी आएगी। बीमारियों में कमी आएगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ज्यादा होंगे। सत्ता संगठन में बदलाव होंगे। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। देश में आंदोलन, हिंसा, धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, वायुयान दुर्घटना, विमान में खराबी, उपद्रव और आगजनी की स्थितियां बन सकती है।

करें पूजा-पाठ और दान

हं हनुमते नमः, ॐ नमः शिवाय, हं पवननंदनाय स्वाहा का जाप करें। प्रतिदिन सुबह और शाम हनुमान जी के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा और संकट मोचन का पाठ करें। लाल मसूर की दाल शाम 7:00 बजे के बाद हनुमान मंदिर में चढ़ाएं। हनुमान जी को पान का भोग और दो बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं। ईश्वर की आराधना संपूर्ण दोषों को नष्ट एवं दूर करती है। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती पाठ करना चाहिए। माता दुर्गा, भगवान शिव और हनुमानजी की आराधना करनी चाहिए।

रोग हरण और ऊर्जा वृद्धि के लिए पौष मास में रविवार व्रत एवं सूर्य साधना

5 दिसम्बर 2025, दिन शुक्रवार से पौष मास प्रारम्भ हो रहा है, पौष मास में सफला एकादशी, पुत्रदा एकादशी, धनु संक्रांति, खरमास, पौष पूर्णिमा का अपना विशिष्ट महत्व है। इस बार पौष मास शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी से ही नूतन नववर्ष 2026 का प्रारम्भ हो रहा है। पौष पूर्णिमा से ही तीर्थराज प्रयागराज में संगम स्नान एवं कल्पवास का शुभारम्भ हो जाता है। पौष मास की पूर्णता के बाद ही माघ का पवित्र माह प्रारम्भ होता है। पौष मास में सूर्य को अर्घ्य देने तथा उसके निमित्त व्रत करने का भी विशेष महत्व धर्मशास्त्रों में उल्लिखित है।

पुराणों के अनुसार पौष माह के प्रत्येक रविवार को तांबे के बर्तन में शुद्ध जल, लाल चंदन और लाल रंग के फूल डालकर सूर्य को अर्घ्य देना चाहिए, आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ विशेष लाभदायक होता है। पौष मास में रविवार व्रत रखना विशेष मनोकामनापूर्ति कारक होता है। पौष मास में रविवार व्रत से सूर्य भगवान की कृपा एवं आरोग्यता प्राप्त होती है।

पौष मास के रविवार को सूर्य की उपासना के लिए सूर्योदय से पहले जागना चाहिए। स्नान के बाद तांबे के कलश अथवा किसी भी धातु के पात्र में जल भरकर उसमें रोली, अक्षत और लाल रंग के फूलों को डालकर इस प्रकार से अर्घ्य देना चाहिए कि जल की धारा के बीच से उगते हुए सूर्य का दर्शन हो । रविवार के दिन व्रत रखकर सायंकाल अग्निहोत्र आदि कर बिना नमक का भोजन करना चाहिए। इस प्रकार पौष मास के प्रत्येक रविवार को सूर्य की उपासना करने से दैविक, दैहिक और भौतिक तीनों कष्टों से मुक्ति मिलती है, उपासक की बुद्धि सूर्य के प्रकाश की तरह प्रखर हो जाती है।

धर्मग्रंथों के अनुसार पौष मास में भग नामक सूर्य की उपासना होती है। ऐसी मान्यता है कि पौष मास में भगवान भास्कर ग्यारह हजार रश्मियों के साथ तपकर सर्दी से राहत देते हैं, इनका वर्ण रक्त के समान है। शास्त्रों में ऐश्वर्य, धर्म, यश, श्री, ज्ञान और वैराग्य को ही भग कहा गया है और इनसे युक्त को ही भगवान माना गया है। यही कारण है कि पौष मास का भग नामक सूर्य साक्षात परब्रह्म का ही स्वरूप माना गया है।

वास्तु के अनुसार घर में आज ही लाकर रखें ये 5 मूर्तियां, पलट जाएगी किस्मत, धन से भरी रहेगी तिजोरी

वास्तुशास्त्र में घर में मौजूद हर एक कोने और वस्तु का खास महत्व होता है। साथ ही, इससे जुड़े महत्वपूर्ण नियम और उपाय भी बताए गए हैं। जिनका ध्यान रखने से वास्तुदोष दूर हो सकता है और जातक के जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। हम घर को खूबसूरत बनाने के लिए कई प्रकार के शोपीस लाकर रखते हैं। वहीं, अगर आप वास्तु के अनुसार घर में कुछ लकी चीजें लाकर रख लें तो इससे भाग्य आपका साथ देना शुरू कर सकता है और कभी भी धन संबंधी समस्याओं का सामना करना नहीं पड़ता है। साथ ही, इन वस्तुओं को सही दिशा में रखने से परिवार के सदस्यों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं और सौभाग्य प्राप्त होता है। तो आइए जानते हैं कि वास्तु के अनुसार हमें घर में क्या-क्या रखना चाहिए।

कछुए की मूर्ति घर की इस दिशा में रखें

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में कछुए की मूर्ति रखना बहुत शुभ माना जाता है। इसे घर की सही दिशा में रखने से धन में वृद्धि हो सकती है और आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कछुए को भगवान विष्णु का एक रूप माना गया है। ऐसे में अगर आप घर में कछुए की मूर्ति लाकर रखते हैं तो उस स्थान पर माता लक्ष्मी का भी वास बना रहता है। वास्तु के अनुसार, कछुए की मूर्ति को ड्राइंग रूम में पूर्व या उत्तर दिशा की ओर रखा जा सकता है। साथ ही, कछुए को इस प्रकार रखें की वह अंदर की ओर जाते हुए नजर आए।

हाथी की मूर्ति लाकर रखने से दोषों से मिलेगी मुक्ति

माना जाता है की हाथी ऐश्वर्य का प्रतीक है। ऐसे में इसकी मूर्ति को घर में लाकर रखना बहुत शुभ होता है। वास्तु के साथ-साथ ज्योतिषशास्त्र में भी घर में हाथी की मूर्ति रखना बहुत लाभदायक माना गया है। इससे घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है और गृह क्लेश से भी मुक्ति मिल सकती है। इसके लिए आप घर में अपने सामर्थ्य अनुसार चांदी या पीतल से बनी हाथी की मूर्ति लाकर रख सकते हैं। चांदी की मूर्ति को शयनकक्ष में रखने से जातक को राहु से संबंधित दोषों से राहत मिल सकती है। चांदी या पीतल का ठोस हाथी घर में रखना उत्तम माना गया है। इससे जातक को घर में चल रही समस्याओं से मुक्ति मिल सकती है।

ऊंट की मूर्ति घर में लाएगी सुख और सौभाग्य

वास्तुशास्त्र में घर में ऊंट की मूर्ति लाकर रखना भी बहुत शुभ माना गया है। वहीं, फेंगशुई में भी इसका खास महत्व है। मान्यता है कि घर में ऊंट की मूर्ति रखने से सुख, सौभाग्य और तरक्की प्राप्त होती है। वास्तुशास्त्र के अनुसार, मूर्ति को घर में ड्राइंग रूम में रखना चाहिए। इसके लिए उत्तर पश्चिम दिशा को सबसे उत्तम माना गया है। ऐसा करने से परिवार के सदस्यों को करियर में तरक्की प्राप्त हो सकती है और नौकरी या व्यवसाय में आने वाली समस्याओं से मुक्ति मिल सकती है। साथ ही, बिगड़े हुए काम बनने शुरू हो सकते हैं।

हंस का जोड़ा दांपत्य जीवन में लाएगा खुशहाली

वैवाहिक जीवन में खुशहाली बनाए रखने और तनाव को दूर करने के लिए आप अपने घर में हंस का जोड़ा लाकर रख सकते हैं। वास्तुशास्त्र में हंस के जोड़े की मूर्ति घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। ऐसा करने से दांपत्य जीवन में आ रही समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है और पति-पत्नी के बीच का प्रेम बढ़ता है। इसके लिए हंस के जोड़े को बेडरूम में रखा जा सकता है। इसके अलावा, इसे गेस्ट हाउस में हंस का जोड़ा रखना भी अच्छा माना गया है। इससे घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

गाय की मूर्ति घर में रखने से बदल सकती है किस्मत

वास्तु के अनुसार, घर में गाय की मूर्ति रखना बहुत शुभ माना गया है। इससे घर का माहौल सकारात्मक बना रहता है। साथ ही, जातक की किस्मत पलट सकती है। मान्यता है कि संतान प्राप्ति के लिए घर में पीतल से निर्मित गाय की मूर्ति रखनी चाहिए। साथ ही, इससे संतान के सुखों में वृद्धि होती है और परिवार के सदस्यों के बीच आपसी प्रेम बना रहता है। पढ़ाई करने वाले बच्चों के लिए भी गाय की मूर्ति घर में रखना शुभ माना गया है। इससे एकाग्रता में वृद्धि होती है और जीवन में सकारात्मकता बनी रहती है।

गुरु और चंद्रमा के विशेष संयोग से मेष, मिथुन सहित अन्य राशियों का भाग्य होगा प्रबल

आज यानी 30 नवंबर 2025, रविवार को अत्यंत ही शुभ राशि परिवर्तन योग बन रहा है। दो ग्रहों के एक-दूसरे की राशि में रहने से राशि परिवर्तन योग बनता है। गुरु की स्वराशि मीन में चंद्रमा के रहने और चंद्रमा की स्वराशि कर्क में गुरु के गोचर से इस मंगलकारी योग का निर्माण हो रहा है। गुरु और चंद्रमा के इस विशेष संयोग से मेष, मिथुन सहित कई राशियों का भाग्य प्रबल होगा और धन लाभ के साथ आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। ऐसे में आइए जानते हैं कि शनिवार के दिन चंद्र मंगल योग का प्रभाव सभी 12 राशियों के करियर के लिए कैसा रहने वाला है।

मेष – आज आपके द्वादश पराक्रम भाव में चंद्रमा का प्रबल योग बन रहा है। शाम 5 बजे तक कोई खास डील फाइनल हो सकती है। राज्य से विशेष सम्मान प्राप्त होने की संभावना बन रही है। भौतिक विकास का योग भी अच्छा दिख रहा है। शाम 7 बजकर 30 मिनट पर चंद्रमा मीन राशि में प्रवेश करेंगे, इसके फलस्वरूप मंगलोत्सव में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। समाज में शुभ व्यय से आपकी कीर्ति बढ़ेगी।

वृष –आज आपका ध्यान नई योजनाओं में लगेगा। किसी देवस्थान की यात्रा से मन को सुकून मिलेगा। कानूनी विवाद में सफलता, स्थान परिवर्तन की योजना सफल हो सकती है। दिन के उत्तरार्ध में उलझनों के बावजूद पराक्रम में वृद्धि होगी। परिवार में हर्ष मंगलमय परिवर्तन व मनोरथ सिद्धि होगी। कार्यालय में भी आपके अनुकूल वातावरण बनेगा तथा आपके साथी आपका सहयोग करेंगे।

मिथुन – आज का दिन मिथुन राशि के लिए काफी रचनात्मक रहने वाला है। किसी क्रिएटिव और आर्टिस्ट काम को पूरा करने में आप दिन बिता सकते हैं। जो काम आपको सबसे ज्यादा प्रिय है आज वही करने को मिलेगा। आज आपको रिलैक्स करने में मदद मिलेगी। नई योजनाएं भी दिमाग में आयेंगी, अपने से वरिष्ठ का सहयोग पाने का प्रयास करें।

कर्क –आज का दिन काफी सृजनात्मक है, जो भी काम लगन के साथ करेंगे आज उसका फल उसी समय मिल सकता है। अधूरे काम निपट जाएंगे, महत्वपूर्ण चर्चाएं होंगी। ऑफिस में अपने विचारों के मुताबिक माहौल बन जाएगा और आपके साथी भी आपका सहयोग करेंगे। रात्रि में विवाह शादी में जाने का अवसर मिल सकता है।

सिंह –आज का दिन वैसे तो काफी व्यस्त रखने वाला है, लेकिन धर्म अध्यात्म के साथ-साथ पढ़ाई लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल लेना ही अच्छा होगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्यों में रूकावट डालने की कोशिश करेंगे। रात्रि का समय मंगलमय कार्यों में व्यतीत होगा।

कन्या –आज आपसी वार्ता व्यवहार में संयम व सावधानी बरतें। आस-पास के लोगों से टकराव की नौबत न आए इस बात का ध्यान रखें। किसी शुभ मंगल कार्य की चर्चा हो सकती है। भाग्य पर भरोसा रखें और आत्म विश्वास के साथ कार्य करें। रात्रि के समय स्थिति में और भी सुधार होगा।

तुला –आज का दिन तुला राशि के जातकों के लिए लाभकारक है। कार्य-व्यवहार से जुड़े सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं। नए प्रोजेक्ट पर भी कुछ काम शुरू हो सकता है। जमीन जायदाद के मामले में पारिवारिक और आस-पास के लोग कुछ परेशानी पैदा करने की कोशिश करेंगे।

वृश्चिक – माली हालात को लें तो आज का दिन आपके लिए काफी मजबूत है। दिनभर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। अतः कार्यशील रहें। परिवार में सुख शांति और स्थिरता का आनंद उठाएं। नौकरी या व्यापार में कुछ नवीनता ला सकें तो आगे चलकर लाभ होगा। काम में नई जान आएगी।

धनु –आज का दिन सावधानी और सतर्कता का है। बिजनेस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाए तो बड़ा लाभ होने की आशा है। रोजमर्रा के कामों से परे कुछ नए कामों में हाथ आजमाएं। किसी अपने के लिए कुछ पैसों का इंतजाम करना पड़ सकता है। नया मौका आपके आसपास है, उसे पहचानना आपके हाथ में है।

मकर –आज का दिन मकर राशि के जातकों के लिए सामान्य रहने वाला है। भागीदारी में साझे में किया व्यापार काफी फायदा पहुंचायेगा। रोजमर्रा के घरेलू कामों को निबटाने का आज सुनहरा मौका है। आज आपको पुत्र-पुत्री के संबंध में कोई बड़ा फैसला लेना पड़े। ईमानदारी और निर्धारित नियमों का ध्यान रखें। कई प्रकार के काम एक साथ हाथ में आने से व्यग्रता बढ़ सकती है।

कुंभ–आज का दिन अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने का है। मौसम परिवर्तन से शीतोष्ण विकार उत्पन्न हो सकते हैं। खान-पान में लापरवाही बिल्कुल न बरतें। व्यापार के मामले में दिन सुखद व्यतीत होगा। जल्दबाजी में कोई भूल हो सकती है, इसलिए हर काम सोच समझ कर करें।

मीन –आज का दिन मीन राशि के जातकों के लिए लाभकारी रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज हितकर रहेगा। परेशानियों को धैर्य और अपने मृदु व्यवहार से सुधार कर ठीक किया जा सकता है। अपनी बुद्धि का प्रयोग करके आप वह सब कुछ पा सकते हैं, जिसकी आपको अभी तक आप कमी रही है। किसी संकटग्रस्त व्यक्ति की सहायता कर सकें तो शुभ रहेगा।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

फिल्म इक्कीस में धर्मेंद्र के साथ काम करना इतिहास में दर्ज होने जैसा : जयदीप अहलावत

दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म 'इक्कीस' सिनेमाघरों में 25 दिसंबर को रिलीज होगी। इस फिल्म में उनके साथ बॉलीवुड अभिनेता जयदीप अहलावत ने भी स्क्रीन शेयर की है। जयदीप ने धर्मेंद्र के साथ काम करने का अनुभव बताया है। जयदीप अहलावत ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, धर्मेंद्र के साथ पर्दे पर एक ही फ्रेम में खड़े होना इतिहास में दर्ज होने लायक है। यह मेरे जीवन का एक ऐतिहासिक क्षण है कि मुझे धर्मेंद्र जैसे दिग्गज कलाकार के साथ फिल्म करने का मौका मिला, भले ही मैं उनके दौर का नहीं हूं। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। उन्होंने आगे कहा, काश मैंने उनके साथ पांच या दस फिल्में और की होती, लेकिन अब वह इस दुनिया में नहीं हैं। जयदीप ने कहा कि धर्मेंद्र के साथ काम करके मैंने बहुत कुछ सीखा। उनके बारे में मुझे कुछ भी कहने की जरूरत नहीं है, क्योंकि पूरा देश उन्हें प्यार करता है और वे हमेशा लोगों के दिलों में रहेंगे। जयदीप अहलावत ने सोशल मीडिया पर फिल्म 'इक्कीस' से धर्मेंद्र का वीडियो भी शेयर किया है। प्रोमो में अभिनेता पिंड की मिट्टी और मां के प्यार को कविता में बयां कर रहे हैं। वीडियो को शेयर कर जयदीप ने लिखा, आज भी जी करदा है, पिंड अपने नू जानवां। धरम जी सच्चे मिट्टी के सपूत थे और उनके शब्दों में उस मिट्टी का सार है, उनकी यह कविता एक तड़प है। हमें यह कालजयी कविता देने के लिए आपका दिल से धन्यवाद। ये कविता खुद धर्मेंद्र ने लिखी थी और उन्हीं की आवाज में कविता को रिकॉर्ड भी किया गया।

फिल्म 'इक्कीस' धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म है, जिसमें उन्होंने लेफ्टिनेंट एम.एल. खेत्रपाल का रोल प्ले किया है। फिल्म में अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा लीड रोल में हैं, जिन्होंने सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल का किरदार निभाया है। फिल्म अरुण खेत्रपाल की बहादुरी की कहानी को दिखाती है।

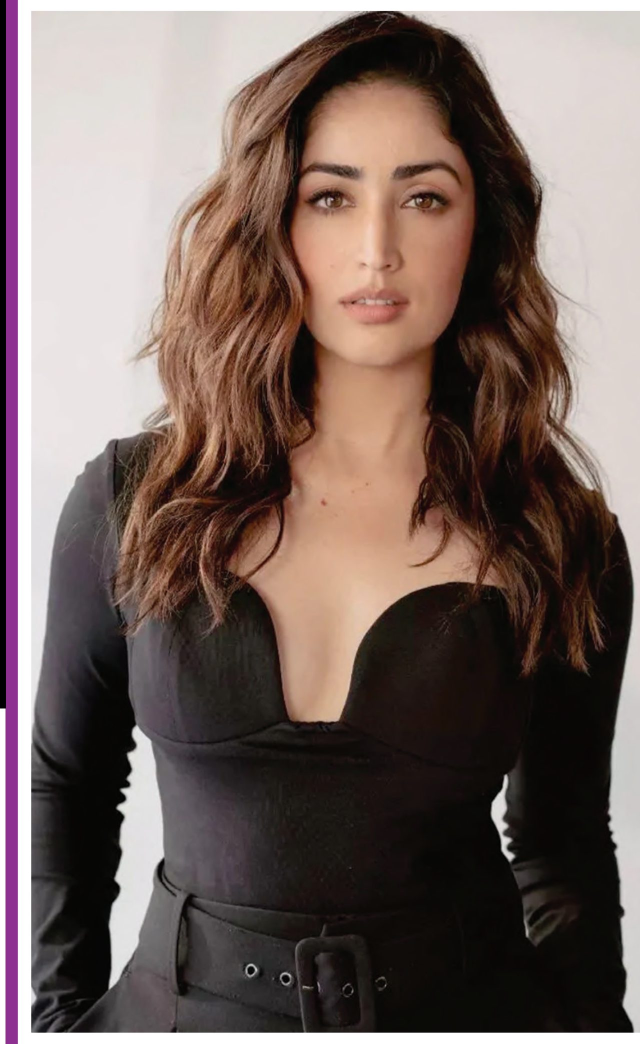

आईएएस का सपना छोड़ यामी गौतम ने अपनाया एक्टिंग करियर

विज्ञापनों के बाद बनी फिल्म स्टार

यामी गौतम आज बड़े पर्दे की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। उनकी दमदार अदाकारी लाखों लोगों को अपना दीवाना बना देती है, लेकिन बहुत कम लोग ही जानते होंगे कि उन्होंने एक्टिंग को कभी भी अपने करियर के तौर पर नहीं देखा था। छोटे से शहर हिमाचल प्रदेश से निकलकर, पढ़ाई और परिवार की जिम्मेदारियों के बीच यामी ने एक समय आईएएस अधिकारी बनने का सपना देखा था। लेकिन, जिस तरह से वह बॉलीवुड की स्टार बन गईं, यह कहानी बेहद प्रेरणादायक है। यामी गौतम का जन्म 28 नवंबर 1988 को हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में हुआ था। उनका परिवार कुछ सालों बाद चंडीगढ़ आ गया, जहां यामी ने अपनी स्कूल की पढ़ाई पूरी की। यामी के पिता, मुकेश गौतम, पंजाबी फिल्म डायरेक्टर थे, और उनके घर में फिल्मों और कला के प्रति रुचि स्वाभाविक रूप से थी। यामी की मां, अंजली गौतम, ने हमेशा पढ़ाई और करियर को लेकर प्रोत्साहित किया। यामी हमेशा से पढ़ाई में अच्छी थीं और उनका सपना बड़ा अफसर बनने का था। स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद यामी ने लॉ में एडमिशन लिया और एक समय तक उनका लक्ष्य आईएएस बनना था। वह इस सपने के लिए पूरी मेहनत कर रही थीं और यही सोच कर उन्होंने लॉ की पढ़ाई भी शुरू की। 20 साल की उम्र में यामी के जीवन में एक बड़ा बदलाव आया। दोस्तों के कहने पर उन्होंने परिवार के सामने बड़े अफसर बनने का सपना बदलकर फिल्मों और अभिनय की दुनिया में काम करने की इच्छा जताई। इसके बाद, उन्होंने मुंबई में एक्टिंग सीखना शुरू किया और धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगीं।

यामी ने एक्टिंग करियर की शुरुआत 2008 में टीवी शो 'चांद के पार चलो' से की। इसके बाद वह 'ये प्यार ना होगा कम' में नजर आईं। इन टीवी सीरियल्स ने उन्हें दर्शकों के बीच लोकप्रिय बना दिया। लोग उन्हें पसंद करने लगे। हालांकि यामी ने हिंदी फिल्मों में कदम रखने से पहले साउथ इंडस्ट्री में भी काम किया। उनकी पहली फिल्म कन्नड़ में 'उल्लास उत्साह' थी। इसके बाद उन्होंने पंजाबी फिल्म जैसे 'एक नूर' और तेलुगु फिल्म 'नुव्विला' में भी काम किया।

साल 2012 में यामी का बॉलीवुड डेब्यू 'विक्की डोनर' से हुआ। इस फिल्म में उन्होंने आयुष्मान खुराना के किरदार की पत्नी का रोल निभाया। यह फिल्म हिट रही और यामी को बड़े पर्दे पर तुरंत पहचान मिल गई। इसके बाद उन्होंने कई हिट फिल्मों में काम किया, जिनमें 'बदलापुर', 'काबिल', 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक', 'बाला', 'ओएमजी 2', और 'आर्टिकल 370' शामिल हैं। यामी की एक्टिंग की तारीफ केवल दर्शकों ने नहीं बल्कि फिल्म क्रिटिक्स ने भी की। उन्होंने अपने किरदारों में हमेशा ईमानदारी और भावनाओं का मेल दिखाया।

यामी ने करियर में कई पुरस्कार भी जीते। उन्होंने बेस्ट फीमेल डेब्यू कैटेगरी में जी सिने अवॉर्ड जीता। इसके अलावा, उन्होंने कई नॉमिनेशन में भी अपनी जगह बनाई, जिसमें फिल्मफेयर और आईफा जैसे बड़े पुरस्कार शामिल हैं। यामी ने न केवल अभिनय में बल्कि विज्ञापन और ब्रांड एंडोर्समेंट में भी अपनी पहचान बनाई। वह ब्यूटी ब्रांड, आईक्रीम, समेत कई अन्य ब्रांड्स के विज्ञापनों में नजर आईं। यामी गौतम ने 4 जून 2021 को फिल्म निर्देशक आदित्य धर से शादी की। मई 2024 में दोनों ने पहले बेटे का स्वागत किया, जिसका नाम उन्होंने वेदाविद धर रखा।

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने शेयर किया अपनी राजकुमारी का नाम

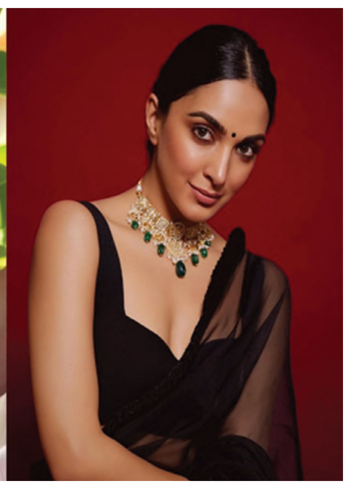

अभिनेत्री कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा कुछ समय पहले ही माता-पिता बने थे। दोनों ने शुक्रवार को अपने प्रशंसकों के साथ अपनी बेटी का नाम शेयर किया है। अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने इंस्टाग्राम पर अपनी बेटी के पैरों की तस्वीर शेयर की, जिसके साथ उन्होंने नाम का खुलासा करते हुए लिखा, हमारी दुआओं से लेकर बांहों तक। हमारी प्यारी दुलारी, राजकुमारी। सरायाह मल्होत्रा। पोस्ट शेयर करने के बाद कियारा और सिद्धार्थ के दोस्तों और साथी कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में प्यार और शुभकामनाओं की बौछार कर दी। कई लोगों ने हार्ट और फायर के इमोजी कमेंट किए।

करण जौहर ने हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया देते हुए कमेंट सेक्शन में लिखा, मेरा प्यार और आशीर्वाद हमेशा तुम्हारे साथ है।

अभिनेता वरुण धवन, संजय कपूर और मनीष मल्होत्रा ने हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। बता दें कि 15 जुलाई 2025 को कियारा ने मुंबई के रिलायंस हॉस्पिटल में बेटी को जन्म दिया था। इस बात की जानकारी सिद्धार्थ और कियारा ने सोशल मीडिया के माध्यम से दोस्तों और प्रशंसकों को दी थी। हालांकि, बेटी के जन्म को काफी समय हो गया है, लेकिन अभी दोनों ने बेटी का चेहरा रिवील नहीं किया है।

वहीं, मां बनने के बाद अभिनेत्री की पहली फिल्म वॉर-2 थी, जिसमें अभिनेत्री ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ सिद्धार्थ सिब्बल, अनुपम भट्टाचार्य, आशुतोष राणा, अनिल कपूर, वरुण वडोला, विजय विक्रम सिंह, रेशमा, केसी शंकर, और शब्बीर अहलूवालिया जैसे एक्टर्स अहम भूमिकाओं में थे।

रिलीज के बाद फिल्म ने अच्छी कमाई की थी।

अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी 'वॉर 2' में जूनियर एनटीआर खलनायक की भूमिका में हैं, जबकि कियारा आडवाणी और ऋतिक रोशन लीड रोल में हैं। यह फिल्म कबीर धालीवाल (ऋतिक रोशन) की कहानी को आगे बढ़ाती है, जो नए खतरे, खतरनाक एजेंट (जूनियर एनटीआर) से देश को बचाने की जंग लड़ता है।

दो महीने के एक्टिंग कोर्स के बाद ही चमकी थी ईशा गुप्ता की किस्मत

2012 में आई 'जन्नत 2' की सीधी-साधी जाह्नवी तौमर से 'आश्रम' की तेज-तर्रार सोनिया तक, ईशा गुप्ता ने हर किरदार से फैंस का दिल जीता है। किसी को नहीं पता था कि पहली फिल्म में अपनी खूबसूरती से सबका दिल जीतने वाली ईशा हर किरदार को पर्दे पर सादगी से उतार देंगी, लेकिन क्या आप जानते हैं कि मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत करने वाली ईशा शेफ बनकर अपना खुद का होटल चलाना चाहती थी, लेकिन ऐसा हो नहीं सका? 28 नवंबर को दिल्ली में जन्मी ईशा गुप्ता को बचपन से ही खाना बनाने का शौक था। 12 साल की उम्र में उन्होंने सोच लिया था कि वे बड़ी होकर किसी फाइव स्टार होटल में शेफ बनेंगी या खुद का रेस्तरां शुरू करेंगी, लेकिन एक्ट्रेस का शाकाहारी होना भी उनके करियर पर भारी पड़ गया। एक शेफ बनने के लिए शाकाहारी और मांसाहारी दोनों तरह के पकवानों की जानकारी होनी चाहिए, लेकिन ईशा सिर्फ शाकाहारी व्यंजनों के बारे में जानकारी रखती थी। अब ऐसे में उनके पिता के दोस्त ने ही उन्हें खुद का छोटा-मोटा रेस्तरां खोलने की सलाह दी थी, लेकिन एक्ट्रेस का ख्वाब कुछ बड़ा करने का था, जिसकी वजह से उन्होंने शेफ बनने का आइडिया ड्रॉप कर दिया।

फिल्म इंडस्ट्री में भी ईशा को फिल्में मिलने में ज्यादा मेहनत नहीं लगी। दो महीने के एक्टिंग कोर्स के बाद ही उन्हें ऑडिशन के बाद मुकेश भट्ट की फिल्म 'जन्नत 2' में रोल मिल गया। एक इंटरव्यू में खुद इस बात का जिक्र करते हुए ईशा ने बताया था कि मॉडलिंग के बाद फिल्मों में काम करने के लिए उन्होंने अनुपम खेर की एक्टिंग एकेडमी में 2 महीने एक्टिंग का कोर्स किया था और फिर ऐसे ही ऑडिशन देने के लिए चली गई थी। पहले फिल्म में प्राची देसाई लीड रोल प्ले करने वाली थी लेकिन फिल्म की शूटिंग से दो हफ्ते पहले ही उन्हें रिप्लेस कर दिया गया और वो जगह ईशा को मिली।

'जन्नत 2' के बाद ईशा के लिए फिल्म इंडस्ट्री के दरवाजे खुल गए। उन्होंने साल 2012 में ही 'राज़ 3 डी' और 'चक्रव्यूह' में भी काम किया। 'राज़ 3 डी' हॉरर फिल्म थी, जबकि 'चक्रव्यूह' में एक्ट्रेस निगेटिव रोल में दिखीं। दोनों ही फिल्मों को पर्दे पर अच्छा रिस्पांस मिला और ईशा ने 1 साल के अंदर तीन फिल्में करके अपनी पहचान बनाई, जिसके बाद ईशा 'बेबी', 'पलटन', 'रुस्तम', और 'टोटल धमाल' जैसी फिल्मों में नजर आईं।

फिल्मों में आना ईशा के लिए आसान रहा, लेकिन अपने गहरे रंग को लेकर उन्हें काफी कुछ सुनना पड़ता था। एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में खुद इस बात का खुलासा किया था कि करियर की शुरुआत में उन्हें अपने रंग को लेकर शर्मिंदा करने की कोशिश की जाती थी, लेकिन उन्हें इन बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता।

रिलीज से पहले विवादों में रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर

कांलेखक और निर्देशक आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' रिलीज से पहले ही कानूनी पचड़े में फंस चुकी है। अशोक चक्र अवार्डी शहीद मेजर मोहित शर्मा के माता-पिता ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग की है। फिल्म 5 दिसंबर को रिलीज होने वाली है। भारतीय सेना के शहीद मेजर मोहित शर्मा के माता-पिता ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। परिवार का कहना है कि फिल्म 'धुरंधर' की रिलीज पर तुरंत रोक लगाई जाए, क्योंकि ये फिल्म उनके बेटे की जिंदगी से प्रभावित लगती है और फिल्म को बनाने से पहले फिल्म प्रोड्यूसर्स ने कोई परमिशन नहीं ली है। याचिका में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन, भारतीय सेना और फिल्म के डायरेक्टर और प्रोड्यूसर को पक्षकार बनाया गया है।

इससे पहले भी सोशल मीडिया पर लगातार 'धुरंधर' की कहानी को मेजर मोहित की जिंदगी से प्रभावित फिल्म बताया जा रहा है। हालांकि 26 नवंबर को निर्देशक आदित्य धर ने फिल्म को लेकर बयान भी जारी किया था और कहा था कि फिल्म मोहित शर्मा की जिंदगी से प्रेरित नहीं है।उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा था, हमारी फिल्म धुरंधर बहादुर मेजर मोहित शर्मा के जीवन पर आधारित नहीं है। यह एक आधिकारिक स्पष्टीकरण है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि अगर हम भविष्य में मोहित सर पर बायोपिक बनाते हैं तो इसे पूरी सहमति और परिवार के साथ पूर्ण परामर्श के साथ करेंगे और इस तरह से करेंगे जिससे देश के लिए उनके बलिदान और हम सभी के लिए छोड़ी गई विरासत का सच्चा सम्मान हो। बता दें कि 'धुरंधर' के ट्रेलर रिलीज के बाद फिल्म के हर किरदार पर बात की गई, लेकिन रणवीर

प्रियंका चोपड़ा ने मनाया भारतीय महिला खिलाड़ियों की जीत का जश्न

देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा भले ही अब अमेरिका में रहती हों, लेकिन उनका दिल आज भी भारत के लिए धड़कता है। इसका जीता जागता उदाहरण देते हुए अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर देश की महिला खिलाड़ियों की शानदार कामयाबी का दिल खोलकर जश्न मनाया। प्रियंका चोपड़ा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खिलाड़ियों का जोश बढ़ाते हुए प्रेरणादायक वीडियो पोस्ट की, जिसमें भारत की महिला खिलाड़ी खेल के मैदान में कमाल दिखाती नजर आ रही हैं। वीडियो में एक के बाद एक कई ऐतिहासिक जीत के पल हैं, जो हर भारतीय का सीना चौड़ा कर रहे हैं। वीडियो में भारतीय ब्लाइंड वुमेंस क्रिकेट टीम का पहला ब्लाइंड टी-20 वर्ल्ड कप जीतना, इंडियन वुमेंस कबड्डी टीम का वुमेंस कबड्डी वर्ल्ड कप जीतना, इसके अलावा भारतीय महिला क्रिकेट टीम की आईसीसी महिला वर्ल्ड कप में शानदार जीत और अनुपमा रामचंद्रन का पहली भारतीय महिला के रूप में विश्व स्नूकर चैंपियन बनना भी दिखाया गया। अभिनेत्री ने वीडियो के साथ 'सुनो गौर से दुनिया वालों' ऐड किया। वीडियो पोस्ट करते हुए अभिनेत्री ने खिलाड़ियों को भारत की बेटियों से संबोधित किया। उन्होंने लिखा, आप सब की वजह से ही आज लाखों-करोड़ों छोटी-छोटी लड़कियां सपने देखने और उन्हें पूरा करने का हौसला रख रही हैं। ऐसे ही सपने बुनते रहो। बहुत-बहुत बधाई हो बेटा, तुम सब ने कमाल कर दिखाया!

अभिनेत्री का ये पोस्ट उनके प्रशंसकों को काफी पसंद आ रहा है। उनका कहना है कि भले ही प्रियंका दुनिया के किसी कोने में रहें, भारत के प्रति उनका प्यार और सम्मान कभी कम नहीं होगा।

एली अवराम ने बतायी 'हुमा डोल' के पीछे अपने सपनों की कहानी, बोलीं

प्रिंसेस की तरह कर रही थी महसूस

बॉलीवुड और इंटरनेशनल म्यूजिक के फैंस के लिए 'हुमा डोल' एक यादगार म्यूजिक वीडियो बन गया है। यह गाना न सिर्फ अपने खूबसूरत संगीत के लिए चर्चा में है, बल्कि इसके पीछे की कहानी भी किसी सपने की तरह है। अभिनेत्री एली अवराम ने इंटरव्यू में अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि कैसे यह प्रोजेक्ट उनके लिए दो बड़े सपनों को सच करने जैसा रहा। एली अवराम ने कहा कि उन्होंने हमेशा चाहा था कि वह मोरक्को के सुपरस्टार गायक साद लमजार्रेड के साथ किसी म्यूजिक वीडियो में काम करें। उनके लिए यह मौका लंबे समय से एक सपना बनकर रहा था। उन्होंने कहा, ''जब मैंने साद लमजार्रेड का एक सुपरहिट अरबी गाना सुना था, तब से ही मन में यही इच्छा थी कि एक दिन उनके साथ काम करेंगी। यह सपना आखिरकार 'हुमा डोल' के जरिए सच हो गया।'' गाने को एक साल पूरा होने पर जब उनसे यादों के बारे में पूछा गया, तो एली ने कहा कि उनके दिमाग में सेट की एनर्जी और उत्साह समेत कई यादें ताजा हो गईं। उन्होंने कहा, मेरे इस अनुभव ने दो सपनों को पूरा किया। पहला सपना तो साद लमजार्रेड के साथ काम करने का था और दूसरा सपना था कि मैं किसी पुराने जमाने की कहानी में एक प्रिंसेस जैसा लुक अपनाकर अभिनय करूं। 'हुमा डोल' ने मेरे इन दोनों सपनों को पूरा किया। मैं शूटिंग के दौरान सच में खुद को एक प्रिंसेस की तरह महसूस कर रही थी।

एली ने कहा, ''जब म्यूजिक वीडियो की टीम ने मुझे कास्ट करने के लिए संपर्क किया, तब एहसास हुआ कि बड़े सपने देखने से कभी डरना नहीं चाहिए। अगर आप अपने सपनों को लेकर गंभीर रहते हैं और उन्हें महसूस करने की इच्छा रखते हैं, तो एक दिन वह सच हो सकते हैं। मेरे इस अनुभव ने साबित कर दिखाया कि सपने सच में पूरे हो सकते हैं।'' 'हुमा डोल' गाने को लेकर एली ने बताया कि म्यूजिक वीडियो शूट करना उनके लिए किसी फिल्म बनाने से कम नहीं लगता, क्योंकि इसमें सिर्फ अभिनय ही नहीं, बल्कि परफॉर्मेंस और इमोशन भी देना पड़ता है। उन्हें उम्मीद है कि आगे भी उन्हें ऐसे ही शानदार और जादुई म्यूजिक वीडियो करने का मौका मिलेगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

तनाव से बचने के लिए मधुर संगीत का सहारा लें। चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आज आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी।इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक्कतें आ सकती हैं। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के चक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। घर में रस्म-रिवाज़ आदि होगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। अगर आपके जीवनसाथी की सेहत कर चलते किसी से मिलने की योजना रद्द करनी पडेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। सहकर्मियों के साथ काम करते वक़्त युक्ति और चतुरता की ज़रूरत होगी। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। अगर हाल में आप व आपका जीवनसाथी बहुत ख़ुश महसूस नहीं कर रहे थे, तो आज हालात बदल सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

भले ही आप उत्साह से लबरेज़ हों, फिर भी आज आप किसी ऐसे की कमी महसूस करेंगे जो आज आपके साथ नहीं है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस-पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अत: बाहरी लोंगों के कहने पर अमल करना ठीक नहीं होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी, हालाँकि आपके ख़र्चे बढ़ सकते हैं। उदार बनें और ईमानदारी से तारीफ़ करें। आपकी थकी और उदास ज़िन्दगी आपके जीवन-साथी को तनाव दे सकती है। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इतने रूखेपन से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको वाक़ई तसल्ली होगी। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। ख़ुद तनावग्रस्त होने की झल्लाहट आप बेवजह अपने जीवनसाथी पर निकाल सकते हैं ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। आपके जीवन-साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। किसीकी दख़लअंदाज़ी के चलते आपके और आपके प्रिय के रिश्ते में दूरियाँ आ सकती हैं। पेशेवर तौर पर आज का दिन सकारात्मक रहेगा। इसका भरपूर उपयोग करें। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़याल रखें। आपका कोई भी ग़लत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार-चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। यात्राओं से व्यवसाय के नए मौक़े मिलेंगे। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। परिवार वालों का हँसी-मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का-फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ उन लोगों में दिलचस्पी पैदा करेगा, जो आप पर नज़दीकी से ग़ौर करते हैं। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर, गुरुद्वारे या किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपके ऑफिस का कोई सहकर्मी आपकी कीमती वस्तु चुरा सकता है इसलिए आज आपको अपना सामान ध्यान से रखने की जरुरत है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र के किसी काम में खराबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। अपनी उपयोगिता की ताक़त को सकारात्मक सोच और बातचीत के ज़रिए विकसित करें, ताकि आपके परिवार के लोगों को लाभ हो। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। आज कुछ ऐसा दिन है जब चीजें उस तरह नहीं होंगी, जैसी आप चाहते हैं। मुमकिन है कि आपके माता-पिता आपको कुछ शानदार आशीर्वाद दें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। यह वह दिन है जब आपको अपनी अहम योजनाओं पर रोशनी डालने के लिए ख़ास और बड़े लोगों से मिलना चाहिए। आपका खाली वक्त आज किसी गैरजरुरी काम में खराब हो सकता है। आपकी भागदौड़ भरी दिनचर्या के कारण आपका जीवनसाथी ख़ुद को दरकिनार महसूस कर सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 30 नवंबर 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 11:00 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा रात्रि 02:41 तक
योग : वज्र प्रात: 08:42 तक
करण : तैतिल प्रात: 11:59 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 06:29, सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:25 , सूर्यास्त 05:51 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:19, सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:19, सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक चालू है , गण्डमूल रात्रि 02:42 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में

25 फ्लैगशिप योजनाओं के माध्यम से राजस्थान का चहुंमुखी विकास हो रहा सुनिश्चित

जयपुर, 29 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के संकल्प को साकार करने के लिए कृत संकल्पित होकर कार्य कर रही है। राज्य के योजनाबद्ध विकास और प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने के साथ ही, सरकार ने केन्द्र सरकार द्वारा प्रवर्तित एवं राज्य निधि से संचालित 25 प्रमुख योजनाओं को राज्य सरकार के फ्लैगशिप प्रोग्राम में शामिल किया है। इस फ्लैगशिप प्रोग्राम में ग्रामीण और शहरी विकास से लेकर कृषि, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण से जुड़ी महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल हैं। राज्य की तरक्की का ताना-बाना इन्हीं प्रमुख योजनाओं के इर्द-गिर्द बुना जा रहा है और इससे सर्वजन हिताय - सर्वजन सुखाय की भावना साकार हो रही है। राज्य की आधी आबादी का हो रहा सर्वांगीण विकास राज्य सरकार ने प्रदेश की आधी आबादी महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए अपने फ्लैगशिप प्रोग्राम में कई योजनाओं को शामिल किया है। लाड़ो प्रोत्साहन योजना सशक्तीकरण की दिशा में राज्य सरकार का एक बड़ा कदम है। योजना में गरीब परिवारों की बालिकाओं को जन्म से लेकर शिक्षा हासिल करने तक विभिन्न चरणों में डेढ़ लाख रुपये की सहायता दी जाती है। इसी प्रकार महिलाओं को विभिन्न प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से नमो ड्रोन दीदी, सोलर दीदी, लखपति दीदी, बैंक सखी, कृषि सखी एवं पशु सखी बनाने का कार्य प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प को साकार करने के लिए राज्य सरकार ने फ्लैगशिप योजनाओं के माध्यम से वंचित वर्ग का कल्याण सुनिश्चित किया है। मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना के तहत राज्य के शहरी क्षेत्रों में जरूरतमंद एवं असहाय परिवार के असंगठित श्रमिकों के साथ भवन निर्माण श्रमिक, हस्तशिल्प श्रमिक, गिग वर्कर, ट्रांसपोर्ट वर्कर, केयर वर्कर, सफाई श्रमिक, घरेलू श्रमिक आदि को विशेष अल्पावधि ऋण उपलब्ध करवाकर आर्थिक संबल दिया जा रहा है। इसके साथ ही पात्र परिवारों को

खाद्य सुरक्षा से जोड़ने के अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा पोर्टल को पुनः शुरू करते हुए अपात्र लाभार्थियों को सूची से हटाने और नए पात्र लोगों को जोड़ने का व्यापक कार्य किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत आर्थिक दृष्टि से कमजोर आय वर्ग के परिवारों को रियायती आवास उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन का उद्देश्य देश में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और चिकित्सा ढांचे का सुदृढ़ीकरण करना है। इस अभियान को फ्लैगशिप योजना घोषित करते हुए राज्य सरकार प्रदेश में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार कर रही है। नये स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्माण तथा क्रिटिकल केयर अस्पताल एवं प्रयोगशालाओं की स्थापना की जा रही है। वहीं ऊर्जा के क्षेत्र में भी राज्य में उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। पीएम-कुसुम योजना के कम्पोनेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी में प्रदेश में धरातल पर तेजी से काम हो रहा है। कम्पोनेंट ए के अन्तर्गत 2 मेगावाट क्षमता तक के सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना कर उन्हें ग्रिड से जोड़ा जा रहा है, वहीं, कम्पोनेंट बी में 7.5 एचपी क्षमता तक के स्वतंत्र सौर कृषि पंपों की स्थापना की जा रही है। कम्पोनेंट सी के तहत ग्रिड से जुड़े 7.5 एचपी क्षमता तक के मौजूदा कृषि पंपों का सौर ऊर्जा से संचालन किया जा रहा है। इसके साथ ही प्रदेश के हर उपभोक्ता को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संशोधित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के अंतर्गत विद्युत वितरण ढांचे को सुदृढ़ करने पर कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राज्य सरकार ने प्रदेश में मिशन हरियालो राजस्थान की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत राज्य में पांच साल में 50 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। इसके साथ ही वर्षाजल सहेजने की परम्परा को पुनर्जीवित करने के लिए शुरू किया गया कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान प्रदेश में भूजल स्तर की गिरावट को रोकने में महती भूमिका निभा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत राज्य सरकार भामाशाहों और प्रवासी राजस्थानियों को साथ लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में रिचार्ज शाफ्ट संरचनाओं का निर्माण करवा रही है। वहीं मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 के तहत पंचायती राज विभाग द्वारा प्रदेश के 4 हजार 700 से अधिक गांवों में वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर का निर्माण किया जा रहा है। अभियान के तहत एक लाख 10 हजार कार्य करवाने का लक्ष्य है।

प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए राज्य सरकार ने कई योजनाओं को अपने फ्लैगशिप प्रोग्राम में शामिल किया है।

साइक्लिस्ट मीनाक्षी रोहिल्ला ने जीते चार गोल्ड

गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी पदक तालिका में टॉप

जयपुर, 29 नवंबर (एजेंसियां)। गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी की साइकिल चालक मीनाक्षी रोहिल्ला ने शनिवार को यहां खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में साइक्लिंग कॉम्पिटिशन के आखिरी दिन महिलाओं की स्क्रैच जीतकर और अपने फेवरिट इवेंट में निराशाजनक तौर पर कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी की खोइरोम रेजिया देवी से पीछे रहकर चार गोल्ड और एक सिल्वर के साथ अपना अभियान खत्म किया। केआईयूजी 2025 का पांचवां एडिशन राजस्थान के सात शहरों में हो रहा है। 222 यूनिवर्सिटी के 4448 एथलीट 23 मेडल वाले खेलों में हिस्सा ले रहे हैं। ये गेम्स स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के अंडर राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स काउंसिल के साथ मिलकर हो रहे हैं और पूर्णिमा यूनिवर्सिटी इन्हें होस्ट कर रही है। गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी ने ट्रैक साइकिलिंग में दो और गोल्ड मेडल और स्कीट शूटिंग में तीन गोल्ड मेडल जीते और कुल 27 गोल्ड, नौ सिल्वर और 10 ब्रॉन्ज़ मेडल के साथ मेडल टेबल में टॉप पर पहुंच गई। रातों-रात टॉप पर रहने वाली जैन यूनिवर्सिटी ने भी 27 गोल्ड और नौ सिल्वर जीते हैं, लेकिन टॉप पर रहने वाली यूनिवर्सिटी से एक ब्रॉन्ज़ मेडल कम है। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी 22 गोल्ड मेडल के साथ तीसरे नंबर पर है।

नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ स्पोर्ट्स पटियाला में ट्रेनिंग करने वाली मीनाक्षी ने दोनों रोड इवेंट -टाइम ट्रायल और 80 किलोमीटर रेस जीती थीं। इससे पहले उन्होंने गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी को ट्रैक इवेंट के पहले दिन टीम परस्यूट टाइटल जिताने में मदद की थी। शनिवार को, 23 साल की इस खिलाड़ी ने स्क्रैच रेस में अपना सबसे अच्छा टैक्टिकल प्रदर्शन किया, क्योंकि उसने सेकंड लास्ट लैप तक खुद को पीछे रखा और अपने से आगे चल रहे दो साइक्लिस्ट को हैरान करते हुए इनर लाइन से बढ़त और गोल्ड मेडल छीन लिया।

वोट चोर-गद्दी छोड़ महारैली की तैयारी

भाजपा, चुनाव आयोग से मिलकर कटवा रही है 25 लाख वोट- कांग्रेस

जयपुर, 29 नवंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा 14 दिसंबर, 2025 को दिल्ली में आयोजित होने वाली 'वोट चोर-गद्दी छोड़' महारैली की तैयारियों और प्रदेश में चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे एसआईआर अभियान की समीक्षा के लिए आज राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। यह बैठक प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा की अध्यक्षता में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, जयपुर पर सम्पन्न हुई। बैठक में कांग्रेस ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया कि भाजपा प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने वाले मतदाताओं के नाम काटकर चुनाव में लाभ प्राप्त करना चाहती है। प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने सभी पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों को संबोधित करते हुए कहा कि 14 दिसंबर को दिल्ली में होने वाली महारैली में राजस्थान की सहभागिता सर्वाधिक होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रदेश से 50 हजार से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ता इस रैली में भाग लेंगे। डोटासरा ने जिलाध्यक्षों और प्रभारियों को निर्देश दिया कि वे अगले तीन दिनों के भीतर जिला कांग्रेस कमेटी की बैठकें बुलाकर रैली की तैयारियों को अंतिम रूप दें। उन्होंने सभी महत्वपूर्ण कांग्रेसजनों, विधायकों, प्रत्याशियों और पंचायती राज प्रतिनिधियों को व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर आमंत्रित करने का आह्वान किया। डोटासरा ने एसआईआर अभियान को लेकर बड़ी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने देशभर में भाजपा द्वारा चुनाव आयोग से मिलकर की जा रही वोट चोरी को उजागर किया है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने किया बीकानेर हाउस का दौरा

जयपुर, 29 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्य सचिव और मुख्य आवासीय आयुक्त वी.श्रीनिवास ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने राजस्थान कैडर के भारतीय प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की तथा बीकानेर हाउस स्थित राज्य सरकार के सभी कार्यालयो की निरीक्षण किया। मुख्य सचिव ने राजस्थान कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के साथ भी बैठक की।

बैठक में रोली सिंह, राजीव सिंह ठाकुर, मुग्धा सिन्हा, आशुतोष ए.टी.पेडनेकर, भानू प्रकाश येतुरू, डॉ. प्रीतम बी. यशवंत, मुक्तानंद अग्रवाल, गौरव गोयल, अभिमन्यू कुमार और अंशदीप उपस्थित थे। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग और राजस्थान राज्य सड़क विकास निगम के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर राजस्थान हाउस के निर्माण और उदयपुर हाउस के संबंध में जानकारी ली। मुख्य सचिव ने सभी कार्यालयों के निरीक्षण के समय उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों से उनकी कार्यप्रकृति के बारे में विस्तृत जानकारी ली।

अंबाला कैंट में छेड़छाड़ के आरोपियों की परेड पर अनिल विज ने कैंट थाना एसएचओ की प्रशंसा की

चंडीगढ़, 29 नवंबर (एजेंसियां)। अम्बाला छावनी में गत दिनों पुलिस द्वारा कोचिंग सेंटर से घर जा रही युवती से छेड़छाड़ और फिर लड़की के माता-पिता से मारपीट मामले में ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने अम्बाला कैंट थाना पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई की प्रशंसा की है। एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कैंट थाना के एसएचओ सुरेंद्र की पीठ थपथापते हुए कहा कि वह अम्बाला छावनी थाने के एसएचओ को शाबासी देना चाहते है क्योंकि एसएचओ ने मामले में बढ़िया कार्रवाई करते हुए अच्छा संदेश शहर को दिया है। उन्होंने कहा कि अम्बाला छावनी में गुंडागर्दी करने नहीं दी जाएगी, अम्बाला छावनी में महिलाएं, बच्चियां जब चाहे अपने घर-दफ्तर जा सकती है। यदि कोई गुंडागर्दी करेगा तो हमारी पुलिस उसे नहीं छोड़ेगी। गौरतलब है कि गत दिनों जनसुनवाई के दौरान युवती व उसके परिवार ने मंत्री अनिल विज को शिकायत दी थी जिस पर उन्होंने अम्बाला कैंट थाना पुलिस को कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इस मामले में शुक्रवार को पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए उनके सिर मुंडवा दिए थे जिसके बाद उन्हें पैदल बाजारों से ले जाते हुए मौका-ए-वारदात स्थल पर जाकर जांच की थी।

भाजपा सरकार की नाकामी और भ्रष्ट तंत्र की पोल खोलता बड़ा खुलासा: राव नरेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 29 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में सरकार और अधिकारियों की मिलीभगत से सामने आया 80 करोड़ रुपए का धान घोटाला पूरे राज्य में चिंता और चर्चा का विषय बना हुआ है। विपक्ष लगातार इस मुद्दे को उठा रहा है, और अब हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने इस प्रकरण पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर, 80 करोड़ रुपये तक का धान घोटाला उजागर होना यह साबित करता है कि भाजपा शासन की प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। न तो सरकारी खरीद प्रक्रिया पारदर्शी है और न ही निगरानी तंत्र अपनी भूमिका निभा रहा है। यह घोटाला किसी साधारण लापरवाही का परिणाम नहीं, बल्कि सत्ता संरक्षण में पनप रही संगठित लूट का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यमुनानगर की कई राइस मिलों में हजारों मीट्रिक टन धान का भारी अंतर सामने आना स्पष्ट संकेत देता है कि यह एक योजनाबद्ध धोखाधड़ी है, जिसमें बड़े अधिकारियों की भूमिका और राजनीतिक संरक्षण की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

गिरदावरी-गिरदावरी के खेल में लटकाया जा रहा है फसली नुकसान का मुआवजा: सैलजा

चंडीगढ़, 29 नवंबर (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि पहले तो प्रदेश की सरकार ने किसानों को पोर्टल-पोर्टल के खेल में उलछाया हुआ है तो फसलों को हुए नुकसान के मुआवजे के नाम गिरदावरी-गिरदावरी खेल रही है। मुआवजे के नाम पर किसानों को अभी तक तारीख पर तारीख दी जा रही है। अभी तक गिरदावरी का काम पूरा नहीं हुआ तो मुआवजा कैसे मिल सकता है। किसानों के साथ मजाक करने वाले कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। हरियाणा में बाढ़ की आपदा को पूरे छह माह बीत जाने के बावजूद किसानों को अब तक मुआवजा नहीं मिल पाया है। व्यापक नुकसान के बावजूद प्रदेश सरकार द्वारा किसानों को राहत राशि से वंचित रखना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि किसानों के साथ प्रदेश की भाजपा सरकार जो खेल खेल रही है उससे साफ लग रहा है कि बाढ़ और बारिश से फसलों को हुए नुकसान के मुआवजे के लिए किसानों को अभी और इंतजार करना पड़ेगा। अब सरकार की ओर से कहा जा रहा है कि कुछ जिलों में गिरदावरी के कार्य में गड़बड़ी सामने आने के बाद अब दोबारा से क्रॉस जांच के आदेश दिए गए हैं। इस रिपोर्ट के बाद ही अब मुआवजे का फैसला हो सकेगा यानि मुआवजे को लेकर सरकार गंभीर नहीं हैं।

हरियाणा राजस्व एवं आपदा विभाग ने फतेहाबाद और अन्य दो-तीन जिलों में रेंडम डाटा की जांच में पाया गया कि वहां बुवाई से अधिक फसलों के नुकसान का ब्योरा सामने आया है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 का भारत में आयोजन एथलीटों के लिए बड़ा मौका

सोनीपत, 29 नवंबर (एजेंसियां)। भारत कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 का आधिकारिक रूप से मेजबान बन चुका है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 इस खेल के शताब्दी वर्ष पर भारत में आयोजित होंगे। इसे लेकर देश भर के खिलाड़ियों में उत्साह का माहौल है। सोनीपत के खिलाड़ियों ने कॉमनवेल्थ गेम्स को भारत के लिए बड़ी खुशखबरी बताई है और अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद जाहिर की है। सोनीपत के अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े खिलाड़ियों ने आईएएनएस से बात करते हुए कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 में देश के अच्छे प्रदर्शन की प्रतिबद्धता जाहिर की। आईएएनएस से बात करते हुए रेखा ने कहा, भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 का मेजबान बनाया गया है। यह बहुत बड़ी खुशखबरी है। आखिरी बार 2010 में भारत में कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन हुआ था। 2030 में होने वाले खेल शताब्दी वर्ष पर आयोजित होंगे, इसलिए और भी विशेष होगा।

हितेश ने कहा, कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 का आयोजन भारत में होगा। इसका हम खिलाड़ियों को फायदा होगा। हमें स्थानीय दर्शकों का सहयोग मिलेगा। हम लोग क कड़ी मेहनत कर रहे हैं और अच्छा प्रदर्शन करेंगे। अमन सैनी ने कहा कि कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी भारत को मिलने की खबर सुनकर बहुत अच्छा लगा। हम इसकी तैयारी कर रहे हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स और ओलंपिक खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हैं। हम कड़ी तैयारी कर रहे हैं और अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

मंजू ने कहा, हमारी तैयारी अच्छी चल रही है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 को लेकर हमारी यही उम्मीद है कि हम ज्यादा से ज्यादा पदक जीतें। हम प्रतिदिन 4 घंटे अभ्यास कर रहे हैं। अभ्यास में हम अपनी पूरी ताकत झोंकते हैं।

प्रीति ने कहा कि हमारी तैयारी अच्छी चल रही है। हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं। अपनी कमियों को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं। यह बहुत रोमांचक है कि 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स भारत में होंगे। हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे और पदक जीतने की कोशिश करेंगे।आशीष ने कहा कि भारत का कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी करना अच्छी खबर है। खिलाड़ियों को दर्शकों का समर्थन मिलेगा और युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलेगा। हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

शुभ लाभ DAILY

तीनों सेंट्रल जेलों में तड़के ताबड़तोड़ छापेमारी में नहीं मिला आपत्तिजनक सामान

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां। जिले के अमर शहीद खुदीराम बोस केंद्रीय कारा में जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने औचक छापेमारी की। डीएम सुब्रत कुमार सेन की अध्यक्षता में हुई इस कार्रवाई ने जेल परिसर में कुछ देर के लिए हड़कंप मचा दिया। करीब डेढ़ घंटे चली इस तलाशी में किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं की गई। निरीक्षण के दौरान डीएम के साथ एसएसपी सुशील कुमार, सिटी एसपी कोटा किरण कुमार, एसडीओ पूर्वी तुषार कुमार, कई थानाध्यक्ष और बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद थे। पूरे जेल परिसर के सभी वार्डों की सघन जांच की गई। डीएम ने निर्देश दिया कि सुरक्षा बलों की पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित की जाए और गृहरक्षकों की प्रतिनियुक्ति के लिए जिला समादेष्टा से विमर्श कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी ने कारा भवन निर्माण

कार्यों की सूची प्राथमिकता के आधार पर तैयार कर जल्द मरम्मत और निर्माण कराने का निर्देश दिया। साथ ही मुलाकात व्यवस्था को और मजबूत करने तथा सभी बंदियों का अपराधिक इतिहास तैयार करने का आदेश दिया। निरीक्षण के बाद डीएम सुब्रत सेन ने जेल प्रशासन की साफ सफाई, रख रखाव और प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर संतोष जताया तथा महिला बंदियों के लिए अतिरिक्त व्यवसायिक प्रशिक्षण शुरू करने का निर्देश दिया। मुंगेर में शनिवार तड़के जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पिनिकर और एसपी सैयद इमरान मसूद ने मंडल कारा में औचक रेड की। अचानक हुई इस छापेमारी से जेल प्रशासन में हलचल मच गई। अधिकारियों ने जेल परिसर के सभी वार्डों और कैदियों से जुड़े अभिलेखों, सुरक्षा व्यवस्था तथा दैनिक गतिविधियों की गहन जांच की। टीम ने बैरकों की तलाशी लेकर प्रतिबंधित वस्तुओं की खोज की, लेकिन कोई भी आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली। निरीक्षण के बाद डीएम एसपी ने सुरक्षा को और मजबूत करने तथा अनुशासन कायम रखने के निर्देश दिए। पूर्णिया में शनिवार सुबह एडीएम लॉ एंड ऑर्डर राज कुमार गुप्ता के नेतृत्व में केंद्रीय कारा में बड़ी कार्रवाई की गई। अचानक हुए इस ऑपरेशन से जेल परिसर में हड़कंप मच गया। करीब दो घंटे तक एक एक बैरक और वार्ड की तलाशी ली गई। छापेमारी दल में सदर एसडीएम पार्थ गुप्ता, एसडीपीओ ज्योति शंकर सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। एसडीएम पार्थ गुप्ता ने बताया कि किसी भी कैदी या वार्ड से मोबाइल, तंबाकू या कोई अन्य प्रतिबंधित वस्तु नहीं मिली। महिला और पुरुष कैदियों से बातचीत में भी किसी ने जेल व्यवस्था को लेकर शिकायत नहीं की। हालांकि उन्होंने साफ सफाई में सुधार की जरूरत बताई और कैदियों को उपलब्ध सुविधाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बेहतर बताया। वर्तमान में यहां 1900 कैदी बंद हैं। एसडीपीओ ज्योति शंकर ने पुष्टि की कि यह रूटीन छापेमारी थी। उन्होंने जानकारी दी कि जेल में बंद कुख्यात अपराधी फूंकेश सिंह और पूर्व विधायक बीमा भारती के पति अवधेश मंडल पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

शादी में खाने का बिल देने जा रहे दो युवकों की दुर्घटना में मौत

पटना/एजेंसियां। जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात एक दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। दाहौर गांव के पास एनएच 31 पर बाइक सवार दो युवकों को एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और दोनों युवक सड़क से करीब दस फीट दूर जाकर गिरे। वहीं एक युवक उछलकर सड़क किनारे बने मकान के लगभग दस फीट ऊंचे करकट से टकरा गया। सूचना मिलते ही बाढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतकों की पहचान कर परिजनों को जानकारी दी। हादसा रात करीब 10 बजे का बताया जा रहा है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बाढ़ भेज दिया। मृतकों की पहचान मलाही गांव निवासी अमित कुमार (20) और राहुल कुमार (21) के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि पड़ोस में शादी थी, जहां खाने का बिल देने के लिए दोनों युवक बाइक से दाहौर गांव जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार हाइवा ने दोनों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे की खबर मिलते ही शादी का माहौल मातम में बदल गया। परिजनों ने बताया कि दोनों युवक गुजरात में मजदूरी करते थे और शादी के कारण कुछ दिनों पहले ही घर आए थे। घटना के बाद सुबह भी करकट वाले मकान के सामने खून पसरा दिखाई दिया, जो दुर्घटना की भयावहता को बयां करता है। पुलिस ने बताया कि अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

पुलिस का बड़ा एक्शन: 26 माफियाओं की अवैध संपत्ति जब्त करने की तैयारी तेज

पटना/एजेंसियां। बिहार में एनडीए सरकार बनने के बाद पुलिस अब पूरी तरह एक्शन मोड में दिख रही है। नए कानून बीएनएस के तहत अपराधियों की संपत्ति जब्त करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। वहीं, सम्राट चौधरी के गृह मंत्री बनने के बाद यह कार्रवाई और भी सख्ती से की जा रही है। इसी कड़ी में वैशाली पुलिस ने जिले के 26 माफियाओं की सूची तैयार कर ली है, जिनकी अवैध संपत्तियों को जब्त किया जाएगा। वैशाली पुलिस ने इन 26 अपराधियों में से 9 माफियाओं की सूची प्रस्तावित रूप से न्यायालय को भेज दी है, जबकि एक अपराधी की संपत्ति गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र में पहले ही जब्त की जा चुकी है। यह सभी अपराधी वैशाली जिले के विभिन्न थानों में

खनन सहित कई अन्य आपराधिक मामलों में पहले से नामजद हैं। इन 26 अपराधियों के अलावा, वैशाली एसपी ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों और थाने के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अन्य अपराधियों की भी जानकारी एकत्र की जाए, खासकर उन लोगों की, जिन्होंने आपराधिक घटनाओं को अंजाम देकर अवैध संपत्ति अर्जित की है। प्रभारी वैशाली एसपी अशोक मिश्रा ने बताया कि लगातार अपराधियों की पहचान की जा रही है। जिले में अब तक 26 लोगों को चिन्हित किया जा चुका है। इनमें से नौ का प्रस्ताव माननीय न्यायालय को भेजा गया है और एक की संपत्ति जब्त भी की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि सभी अपराधियों पर विभिन्न धाराओं में मामले दर्ज हैं। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि जिन लोगों की आय से अधिक संपत्ति है और जिन पर लंबित आपराधिक मामले हैं, उन्हें शीघ्र चिन्हित कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

खगड़िया मेडिकल कॉलेज पर ईडी का 16 घंटे का छापा

पटना/एजेंसियां। खगड़िया स्थित श्यामलाल चंद्रशेखर मेडिकल कॉलेज में अचानक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की 15 सदस्यीय टीम ने छापेमारी की। परिसर में तलाशी अभियान जारी रहते ही कॉलेज की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। कॉलेज प्रशासन को इस कार्रवाई की कोई पूर्व सूचना नहीं थी। ईडी की टीम कॉलेज की विभिन्न जगहों पर जांच करती रही और सटीक दस्तावेजों व संभावित सबूतों की तलाश में जुटी रही। इस दौरान परिसर के मुख्य द्वार पर अनधिकृत प्रवेश पूरी तरह रोक दिया गया और आने जाने वालों पर सख्ती बरती गई। घटना के समय कॉलेज के निदेशक विवेकानंद परिसर में मौजूद नहीं थे, जबकि उनके भाई इंजीनियर धर्मेंद्र कुमार छापे के दौरान वहीं थे। ईडी अधिकारियों ने उनसे

पूछताछ की। बाद में ई. धर्मेंद्र ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि ईडी की रेड सुबह 10 बजे से रात 2 बजे तक चली। इस दौरान टीम जमीन के कागजात, हार्ड डिस्क, अटेंडेंस रजिस्टर और कॉलेज की मान्यता से जुड़े दस्तावेजों को अपने साथ ले गई। उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि मेडिकल कॉलेज पर ईडी की अचानक छापेमारी जिले में अबूझ पहेली बन गई है। कॉलेज ने एनएमसी (राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग) की सख्त निरीक्षण प्रक्रियाओं का सफलतापूर्वक सामना किया है और अपना दर्जा मजबूत किया है। बावजूद इसके, छापेमारी का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। उन्होंने बताया कि 28 जून 2024 के एनएमसी निरीक्षण में शुरुआती मान्यता नहीं मिलने पर मामला पटना उच्च न्यायालय और बाद में सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा। अदालत के निर्देश पर कॉलेज को कई दौर के अचानक निरीक्षणों से गुजरना पड़ा, जिनमें कोई बड़ी कमी सामने नहीं आई। जून 2025 में विवादों के बीच कॉलेज को 50 सीटों की मंजूरी मिली, जिसे बाद में सुप्रीम कोर्ट ने बढ़ाकर 100 सीटें कर दिया। धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि यद्यपि सीबीआई ने कॉलेज के खिलाफ कोई आरोपपत्र दायर नहीं किया है और कॉलेज का नाम अभियुक्त सूची में शामिल नहीं है, फिर भी ईडी की छापेमारी ने अधिकारियों और स्थानीय लोगों के बीच कई सवाल खड़े कर दिए हैं। संवाददाता सम्मेलन में ई. धर्मेंद्र ने इस कार्रवाई को मनोबल तोड़ने की साजिश बताया। वहीं उन्होंने कहा कि जनसहयोग से बनी यह मेडिकल संस्था खगड़िया की पहचान है और वह किसी भी तरह का दबाव स्वीकार नहीं करेंगे। इस मौके पर मीडिया प्रभारी अमरीष कुमार और रोगी कल्याण समिति के अध्यक्ष पीसी घोष भी मौजूद थे।

सुपौल कोर्ट का बड़ा फैसला, शराब तस्कर को 5 साल की जेल

सुपौल/एजेंसियां। सुपौल में अनन्य उत्पाद न्यायाधीश प्रथम अभिषेक कुमार की अदालत ने एक अहम मामले में सजा के बिंदु पर सुनवाई पूरी करते हुए दोषी मो. तईब को कठोर सजा सुनाई। अदालत ने बिहार उत्पाद एवं मद्य निषेध अधिनियम 2016 की धारा 30(ए) के तहत 5 वर्ष का कठोर कारावास और 1 लाख रुपये का अर्थदंड लगाया है। जुर्माना नहीं देने पर 6 माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भी तय किया गया है। इससे पहले अदालत ने 26 नवंबर

को मो. तईब को इस मामले में दोषी पाया था। पिपरा थाना कांड संख्या 40,19 (उत्पाद सत्रवाद संख्या 99,19) की सुनवाई के दौरान अदालत ने त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र के गम्हरपुर निवासी मो. तईब को सजा सुनाई। यह मामला 17 फरवरी 2019 का है। पिपरा पुलिस गश्ती के दौरान गुप्त सूचना मिली कि संजय मंडल के बगान में बड़ी मात्रा में शराब छुपाकर रखी गई है। सूचना पर पुलिस जब पिपरा बाध स्थित बगान पहुंची, तो एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। पीछा कर उसे पकड़ा गया, जिसने पूछताछ में अपना नाम मो. तईब बताया। उसने स्वीकार किया कि बगान में नेपाल से लाई गई देसी शराब जमा है और उसकी बिक्री भी की जाती है। मो. तईब की निशानदेही पर पुलिस ने बगान से 250.5 लीटर देसी शराब बरामद की थी। इस बरामदगी के आधार पर उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने पूरे मामले की जांच कर आरोप पत्र दाखिल किया। न्यायालय ने 20 मार्च 2021 को आरोप गठन किया। विशेष लोक अभियोजक धर्मेंद्र कामत की ओर से एसपी के मार्गदर्शन में कुल पांच गवाहों की गवाही कराई गई, जबकि बचाव पक्ष ने दो गवाह प्रस्तुत किए। अदालत ने 20 मई 2025 को अभियुक्त का बयान दर्ज किया। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने मो. तईब को दोषी पाया और शुक्रवार को सजा सुनाई। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता वीरेंद्र कुमार झा और मो. अयूब खां ने दलीलें प्रस्तुत कीं।

हमले में घायल व्यक्ति की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक 32 वर्षीय दिहाड़ी मजदूर, जिस पर शनिवार को एक महिला के साथ उसके कथित संबंध पर आपत्ति जताते हुए लोगों के एक समूह ने हमला किया था, ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतक नरसिम्हराजा मुत्यालम्मा नगर का रहने वाला है। मंगलवार को मृतक की बहन धनलक्ष्मी ने आरोप लगाया कि उसका भाई पिछले ढाई साल से एक विधवा महिला के साथ प्रेम प्रसंग में था, जिस पर उसके परिवार के सदस्यों को आपत्ति थी। धनलक्ष्मी ने आरोप लगाया, महिला अक्सर घर आती थी और हमारे घर की पहली मंजिल पर उसके साथ रहती थी। शनिवार को, वह आई और एक कमरे के अंदर चली गई। कुछ मिनट बाद, उसके

पिता, भाई और रिश्तेदारों सहित उसके परिवार के सदस्यों ने घर में घुसकर नरसिम्हराजा को बाहर खींच लिया और उसके साथ मारपीट की। परिवार ने कहा कि नरसिम्हराजा की मां, जो घटना के समय घर पर थीं, पर भी हमला किया गया जब उन्होंने अपने बेटे को बचाने की कोशिश की। नरसिम्हराजा को अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। परिवार ने यह भी दावा किया कि शिकायत दर्ज होने के बाद भी पुलिस ने अब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया है और सीसीटीवी फुटेज मीडिया में साझा किया और आरोपियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की। इस बीच, पुलिस ने स्पष्ट किया कि संदिग्ध मौत का मामला दर्ज किया गया है और वे आगे की कार्रवाई के लिए पोस्टमार्टम और एफएसएल रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।

डिजिटल मोबाइल तारामंडल कार्यक्रम शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। डिजिटल मोबाइल तारामंडल कार्यक्रम शुरू हो गया है, जो 5-मीटर डोम, 360-डिग्री फिश-आई प्रोजेक्शन, एयर-कंडीशनिंग और एडवांस्ड ऑडियो सिस्टम से लैस कस्टम-बिल्ट गाड़ियों के जरिए सीधे स्कूल कैंपस में एस्ट्रोनॉमी का शानदार अनुभव देता है। यह पहल प्लैनेटेरियम लर्निंग तक पहुंच में गांव-शहर के बीच के अंतर को कम करने के लिए शुरू की गई है, ताकि छात्र अपने स्कूल कैंपस से ही दुनिया के बारे में जान सकें। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने इस पहल को लॉन्च करते हुए कहा कि यह

पहले ही 17 लाख से ज्यादा छात्रों तक पहुंच चुकी है। इसे एस्ट्रोनॉमी तक पहुंच को डेमोक्रेटाइज करने में एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए, उन्होंने कहा, हमारा मकसद गांव के बच्चों में साइंटिफिक जिज्ञासा जगाना और हाई-क्वालिटी साइंस एजुकेशन को उनके करीब लाना है। मंत्री एन.एस. बोसराजू ने कहा कि प्रोग्राम में अपग्रेडेड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि मोबाइल प्लैनेटेरियम अभी कुछ ही जिलों में चल रहे हैं, सरकार आने वाले महीनों में कर्नाटक के सभी जिलों में इस पहल को बढ़ाने की तैयारी कर रही है।

चोरी के विरोध में सड़क जाम कर लोगों ने किया प्रदर्शन

रोहतास/एजेंसियां। जिले के बडहरी बाजार में बीती रात हुई भीषण चोरी के विरोध में स्थानीय व्यवसायियों ने शनिवार को सड़क जामकर प्रदर्शन किया। घटना से नाराज स्वर्ण व्यवसाई पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे थे और उन्होंने इसके खिलाफ पूरे बाजार को बंद रखकर अपना विरोध जताया। घटना जिले के बडहरी थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थानीय बाजार की बताई जाती है। घटना के संदर्भ में बताया जाता है कि जिले के बड़हरी बाजार स्थित कृष्ण अलंकार फैंसी ज्वेलर्स दुकान

में बीती रात अज्ञात चोरों ने दुकान का ताला तोड़ कर लाखों रुपए के जेवरात तथा नगद रूपयों की चोरी कर ली। इस घटना के बाद स्थानीय स्वर्ण व्यवसायियों में काफी आक्रोश देखा गया और उन्होंने मुख्य सड़क को जामकर प्रदर्शन किया। वहीं व्यवसायियों ने बाजार की सभी दुकानों को बंद रखकर भी अपना विरोध जताया। स्वर्ण व्यवसायियों ने कहा कि पुलिस की निष्क्रियता की वजह से थाना क्षेत्र में प्रतिदिन चोरी होती है। बडहरी बाजार में चोरी की घटना अब आम बात हो गई है। इधर विरोध प्रदर्शन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन आक्रोशित लोग वरीय अधिकारी को बुलाने की मांग पर अड़े थे। घटना की सूचना पर पहुंची स्थानीय एवं आसपास के थानों की पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना करते हुए सीसीटीवी फुटेज आदि की जांच शुरू कर दी है। मामले में थाना अध्यक्ष ने कहा कि घटना में शामिल सभी अपराधियों को जल्द हीं गिरफ्तार करके जेवरात एवं रूपयों की बरामदगी कर ली जाएगी। हालांकि पुलिस ने काफी देर की मशक्कत के बाद आक्रोशित लोगों को सड़क से हटा लिया है और मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com